10 जयसवाल....

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 श्वेता बसु...

रांची, मंगलवार, 11 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -56 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

अविनाश राम
ताइक्वांडो कोच, रांची झारखंड।

ताइक्वांडो सिर्फ खेल नहीं एक सेल्फ डिफेंस की ऐसी तकनीक है, जो सभी को आनी चाहिए, खासतौर से हमें हमारी बच्चियों को इसमें रुचि दिलानी चाहिए, ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके और देश का नाम रोशन तो करें ही, साथ में स्वयं की सुरक्षा के लिए भी आत्मनिर्भर रहे।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,33,700**
चांदी (प्रति किलो) : **2,36,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **78,542.44**
निफ्टी :- **24,583.80**

मौसम

अधिकतम तापमान : **30** °
न्यूनतम तापमान : **22** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:23**
संध्या :- **18:25**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1908 को भारत के महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस को मात्र 18 साल की उम्र में अंग्रेजों ने मुजफ्फरपुर जेल में फांसी दी थी।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी का रांची बंद का ऐलान, 11 अगस्त को शहर बंद रखने की अपील

रांची। विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में झारखंड बीजेपी ने 11 अगस्त को रांची बंद का आह्वान किया है. पार्टी ने कहा है कि छात्रों के आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस की कार्रवाई गलत है. बीजेपी नेताओं ने कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे. विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, जिसका पार्टी विरोध करती है .पार्टी ने रांची के लोगों और व्यापारियों से बंद को समर्थन देने की अपील की है. बीजेपी का कहना है कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया जाएगा और आंदोलन को आगे भी समर्थन दिया जाएगा. इखढ ने कहा कि 11 अगस्त का रांची बंद सरकार के खिलाफ विरोध का हिस्सा है. पार्टी छात्र आंदोलन के मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार सवाल उठाती रहेगी.

सांप के काटने से तीन छात्राओं की मौत, तीन अस्पताल में भर्ती

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के एक आवासीय आश्रम स्कूल में रात में सोते समय सांप के काटने से तीन छात्राओं की मौत हो गई. वहीं तीन अन्य छात्राओं का इलाज चल रहा है. इसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है. बताया जाता है कि गढ़चिरौली जिले के धनोरा तालुका में जपतलाई आवासीय आश्रम स्कूल की छात्राएं खाना खाकर सो गईं. इसी दौरान रात 2:00 बजे से 2:30 बजे के बीच पता चला कि कुछ स्टूडेंट्स को सांप ने काट लिया था. घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और घायल छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. दीपिका लकड़ा (क्लास 6) और सुष्मिता मंडल (क्लास 8) की धनोरा के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. इसके बाद, अनु कोरेटी (क्लास 2), जिसका गढ़चिरौली जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था।

हंगामे के बीच बिना बहस पास हुआ ट्रिब्यूनल सुधार बिल 2026

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने सोमवार को ट्रिब्यूनल सुधार बिल, 2026 को बिना किसी बहस के पारित कर दिया, क्योंकि विपक्षी सदस्य 20 जुलाई को नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर सदन में नारेबाजी कर रहे थे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा दिन में यह बिल पेश किए जाने के बाद हंगामे के बीच ही इसे पारित कर दिया गया। विपक्ष ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई पर जवाब मांगते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग की थी। कई विपक्षी सांसदों ने बिल को पेश किए जाने के चरण में इसका विरोध करने के लिए नोटिस भी दिए थे। हालांकि नारेबाजी के बीच कार्यवाही जारी रहने के चलते वे अपनी बात नहीं रख सके।

इस प्रस्तावित कानून का मकसद ट्रिब्यूनल्स को नियंत्रित करने वाले ढांचे में बड़ा बदलाव लाना है, ताकि उनके अध्यक्षों और सदस्यों की योग्यता, नियुक्ति प्रक्रिया और सेवा शर्तों में एकरूपता लाई जा सके। बिल का एक अहम प्रावधान नेशनल ट्रिब्यूनल्स कमीशन के गठन का प्रस्ताव है। इस आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और इसे विभिन्न ट्रिब्यूनल्स के अध्यक्षों और सदस्यों के चयन व नियुक्ति की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र संस्थागत तंत्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। इस प्रस्तावित आयोग में कुल पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक अध्यक्ष, दो न्यायिक सदस्य और दो तकनीकी सदस्य शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश को इस आयोग का प्रमुख बनने के लिए पात्र माना जाएगा।

नियुक्तियों की निगरानी करेगा नेशनल ट्रिब्यूनल्स कमीशन

प्रस्तावित नेशनल ट्रिब्यूनल्स कमीशन का उद्देश्य ट्रिब्यूनल्स के कामकाज के लिए एक साझा संस्थागत ढांचा उपलब्ध कराना है। इसकी जिम्मेदारियों में ट्रिब्यूनल्स के अध्यक्षों और सदस्यों के चयन व नियुक्ति की प्रक्रिया की निगरानी करना शामिल होगा। सरकार ने इस ढांचे को ट्रिब्यूनल्स के कामकाज में दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ स्वतंत्रता, पारदर्शिता और निरंतरता को बढ़ावा देने वाले कदम के रूप में पेश किया है। यह बिल विभिन्न ट्रिब्यूनल ढांचों में बिखरी हुई योग्यता और सेवा से जुड़ी शर्तों के बजाय नियुक्तियों के लिए सामान्य मानक स्थापित करने का भी प्रयास करता है। यह प्रस्तावित कानून ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम, 2021 की न्यायिक समीक्षा की पृष्ठभूमि में लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के कानून के कुछ प्रावधानों को रद्द कर दिया था, यह पाते हुए कि वे शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों के साथ-साथ ट्रिब्यूनल सदस्यों की नियुक्ति, कार्यकाल और कामकाज से जुड़े पहले के फैसलों के भी विपरीत हैं। कोर्ट ने यह भी कहा था कि ट्रिब्यूनल्स में नियुक्तियों के लिए पेशेवर विशेषज्ञता, पारदर्शी चयन तंत्र और उचित निगरानी ढांचे के साथ एक स्वतंत्र नेशनल ट्रिब्यूनल्स कमीशन बनाया जाना चाहिए। यह नया कानून इसी व्यापक संस्थागत ढांचे को संबोधित करने का प्रयास करता है। एक बार लागू होने के बाद यह ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम, 2021 को निरस्त कर देगा। प्रस्तावित आयोग के गठन के अलावा, इस बिल में इसके दायरे में आने वाले ट्रिब्यूनल्स के अध्यक्षों और सदस्यों की पात्रता, चयन और नियुक्ति से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं।

लातेहार में पीएलएफआई का उग्रवादी हथियार के साथ गिरफ्तार, नक्सली कमांडर फरार

झारखण्ड उजाला संवाददाता

लातेहार। जिला पुलिस ने पीएलएफआई नक्सलियों की हिंसक योजना को नाकाम करते हुए एक नक्सली को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार नक्सली लालदेश्वर यादव बालूमाथ का रहने वाला है. इसके पास से एक पिस्टल और गोलियां भी बरामद हुई है. हालांकि इस दौरान एक नक्सली कमांडर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया. दरअसल, लातेहार जिला के बरियातू थाना क्षेत्र में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भवन निमार्णाधीन है. पीएलएफआई के नक्सलियों ने विद्यालय निर्माण कार्य के संवेदक को धमकी देते हुए लेवी की मांग की थी पर संवेदक ने नक्सलियों को लेवी की राशि नहीं दी. इससे नाराज होकर नक्सलियों ने निर्माण स्थल पर हिंसक घटना को अंजाम देने की योजना बनाई. रविवार की रात नक्सली कमांडर बादल यादव अपने एक अन्य सहयोगी नक्सली लालदेश्वर यादव के साथ हिंसा घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचा था. इसी बीच लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली कि नक्सली किसी हिंसा घटना को अंजाम देने के लिए निमार्णाधीन स्कूल के पास पहुंच रहे हैं. सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ की गई.

पुलिस को देखकर फरार हो रहे थे नक्सली

थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जब पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची तो नक्सली पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल से भागने लगे. जब पुलिस ने उनका पीछा किया तो मोटरसाइकिल एक पुलिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई. अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों नक्सली जंगल की ओर भागने लगे. इनमें एक नक्सली को पुलिस ने पकड़ लिया. जबकि दूसरा नक्सली अंधेरा और जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा. उन्होंने कहा कि फरार नक्सली की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है. उन्होंने क्षेत्र में काम कर रहे संवेदक से भी अपील की है कि यदि कोई नक्सली या अपराधी उनसे लेवी की मांग करे तो डरे नहीं और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें. पुलिस सूचना देने वाले संवेदक का नाम पूरी तरह गोपनीय रखते हुए संबंधित संवेदक को पूरी सुरक्षा देगी और लेवी मांगने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करेगी.

झारखंड विधानसभा : सदन से 8399.31 करोड़ का अनुपूरक बजट पास, कार्यवाही स्थगित

वित्त मंत्री का केंद्र पर हमला, बोले- झारखंड को टैक्स में हिस्सा कम मिल रहा है

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा मॉनसून सत्र के तीसरे दिन सदन में 8399 करोड़ 31 लाख का अनुपूरक बजट को पास हो गया. .वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट की अनुदान मांगों को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई. इसके साथ ही झारखंड विनियोग संख्या 3 विधेयक 2026 भी सदन से पारित हो गया. विनियोग विधेयक के जरिए 31 मार्च 2027 तक होने वाले सरकारी खर्च के लिए राशि का प्रावधान किया गया है. सदन में विधेयक पर चर्चा के बाद इसके सभी हिस्सों को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई. इसके बाद विधेयक को अंतिम रूप से पारित कर दिया गया. पहले अनुपूरक बजट में कई विभागों के लिए बड़ी राशि रखी गई है. ग्रामीण विकास विभाग को सबसे अधिक 4,258 करोड़ 67 लाख 35 हजार रुपये दिए गए हैं. ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 885 करोड़ 83 लाख रुपये का प्रावधान है.

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के लिए 946 करोड़ 3 लाख 95 हजार रुपये और एक अन्य मद में 25 करोड़ 5 लाख 67 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं. गृह कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग में आपदा प्रबंधन के लिए 490 करोड़ 6 लाख 89 हजार रुपये और गृह प्रभाग के लिए 144 करोड़ 16 लाख 93 हजार रुपये दिए गए हैं. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 271 करोड़ 61 लाख 4 हजार रुपये और पंचायती राज विभाग को 244 करोड़ 80 लाख रुपये मिले हैं. स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 218 करोड़ 16 लाख 90 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है. खान एवं भूतत्व विभाग को 173 करोड़ 65 लाख रुपये और कल्याण विभाग को 91 करोड़ 24 लाख 50 हजार रुपये दिए गए हैं. इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नगर विकास, वन एवं पर्यावरण समेत कई अन्य विभागों की मांगों को भी सदन ने मंजूरी दी. सदन में सभी अनुदान मांगों और विनियोग विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति, पिछले चार महीनों के खर्च और केंद्र से मिलने वाली राशि का आंकड़ा सदन में रखा. वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया. वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026-27 का मूल बजट 1,58,560 करोड़ रुपये का है. इसके अलावा 8,399 करोड़ 31 लाख रुपये का प्रथम अनुपूरक बजट लाया गया है. उन्होंने कहा कि नई योजनाओं या बजट से बाहर के जरूरी खर्च के लिए अनुपूरक बजट में राशि का प्रावधान किया जाता है.

उन्होंने पिछले चार महीनों में सरकार की ओर से किए गए खर्च की जानकारी भी दी. ग्रामीण विकास विभाग में 4,258 करोड़ 67 लाख रुपये, स्कूली शिक्षा में 971 करोड़ रुपये, गृह, कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग में 490 करोड़ रुपये और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 271 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. वित्त मंत्री ने केंद्र से मिलने वाली राशि को लेकर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बाद झारखंड को अनुदान के रूप में केवल 0.73 प्रतिशत राशि मिली है. उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड में भाजपा की सरकार नहीं होने के कारण राज्य के साथ भेदभाव कर रही है.

राधा गोविंद पब्लिक स्कूल में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ ।सोमवार को राधा गोविंद पब्लिक स्कूल के प्रांगण में विद्यार्थियों छात्र परिषद (स्टूडेंट्स काउंसिल) का शपथ ग्रहण समारोह का योजन किया गया । विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता ,अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्राचार्य के करकमलों द्वारा विद्यालय संस्थापक स्वर्गीय श्री गोविंद साह तथा स्वर्गीय श्रीमती राधा देवी के तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन अर्पित कर किया गया। इसके बाद नव - निर्वाचित हेड बॉय, हेड गर्ल , सदन कप्तान , खेलकूद प्रभारी,सांस्कृतिक तथा विभिन्न कार्य प्रभारियों को मंच पर आमंत्रित किया गया । विद्यालय के प्राचार्य डॉ सुजीत कुमार मोहंती ने सभी नवनिर्वाचित छात्रों को पद एवं कर्तव्य की शपथ दिलाई । शपथ लेते हुए विद्यार्थियों ने विद्यालय के नियमों एवं अनुशासन का पालन करने ,अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करने तथा विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया ।तिलक राज - हेड बॉय ,श्रेया वर्मा -हेड गर्ल, आलोक कुमार सिंह -कप्तान बिरसा सदन, फरहान -कप्तान आजाद सदन ,राजश्री ओझा - कप्तान सुभाष सदन ,सृष्टि कुमारी- कप्तान भगत सदन चुने गए । इनके अलावे अन्य कार्यों के प्रभारी भी चुने गए । सत्र 2025 - 26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सुभाष सदन को पुरस्कृत किया गया ।इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करने का नाम नहीं बल्कि जिम्मेदारी निभाने और दूसरों के लिए उदाहरण बनने का अवसर है। उन्होंने सभी नवनियुक्त छात्रों को शुभकामनाएँ दीं तथा अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के चेयरमैन श्री बी०एन साह तथा सचिव सुश्री प्रियंका कुमारी ने सभी नव- निर्वाचित छात्र- छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मंच संचालन सुश्री शान्ता रानी बाखला के द्वारा किया गया ।मौके पर विद्यालय प्रबंधक श्री के एन सिंह ,शिक्षकवृंद,कर्मचारीगण एवं छात्रगण उपस्थित थे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रतिमा देवी बनीं जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी

लोहरदगा: नैतिक, बौद्धिक एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से लोकसेवा के लिए समर्पित अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा लोहरदगा जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट के ट्रस्ट मंडल का पुनर्गठन किया गया। पुनर्गठन के बाद श्रीमती प्रतिमा देवी को जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गायत्री परिवार के साधकों द्वारा महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी जागरण, अंधविश्वास उन्मूलन एवं व्यसन मुक्ति अभियान सहित विभिन्न सामाजिक कार्य लगातार किए जाते रहे हैं। इन कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से 12 जुलाई को गायत्री शक्तिपीठ में ट्रस्ट मंडल का पुनर्गठन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों गायत्री परिजनों ने भाग लिया। पुनर्गठन के दौरान समन्वय समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में श्रीमती प्रतिमा देवी को मुख्य ट्रस्टी, अजय मित्तल को सहायक ट्रस्टी बनाया गया। वहीं श्रीमती निर्मला महतो, रेखा अग्रवाल, किरण गुप्ता, ममता साहू, श्यामा मिश्रा, दिलीप साहू, ईश्वर महतो, धनेश्वर साहू एवं सौरव केशरी को ट्रस्टी घोषित किया गया। बताया गया कि ट्रस्ट मंडल के गठन के बाद गायत्री तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार की श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट की संचालिका शैल पंड्या जीजी का अनुमोदन 5 अगस्त को प्राप्त हो चुका है। अनुमोदन पत्र मुख्य प्रबंध ट्रस्टी को प्राप्त होने के बाद अब नवगठित ट्रस्ट मंडल के साथ जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट का संचालन प्रतिमा देवी के नेतृत्व में किया जाएगा।प्रतिमा देवी के मुख्य ट्रस्टी बनने पर पूर्व मुख्य ट्रस्टी नागेश्वर सिंह चौहान, पूर्व मुख्य ट्रस्टी रितेश साहू, ट्रस्टी रामविलास महतो, मुख्य संरक्षक लाल राजेंद्र नाथ प्रताप शाहदेव, अरविंद मिश्रा, जिला युवा समन्वयक अनिल सही, उप समन्वयक दुबराज मांझी, विकास राम, इंदु देवी, विकास वर्मा, मदन महतो, लवकुश अग्रवाल, भोला साहू, सुधाकर साहू, ज्योतिन राम, मधु खत्री, विपुल खत्री, मधुलिका देवी सहित जिले के सैकड़ों गायत्री परिजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रोटेरियन सुमन चौधरी के नेतृत्व में भव्य एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ सावन सृजन एग्जीबिशन

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सिटी द्वारा आयोजित सावन सृजन एग्जीबिशन का भव्य आयोजन रविवार की शाम अत्यंत सौहार्दपूर्ण, खुशनुमा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में लगभग 50 विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनमें परिधान, राखी, ज्वेलरी, घरेलू एवं सजावटी सामान सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल शामिल रहे। आगंतुकों के लिए विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजनों की भी व्यवस्था की गई थी।झारखंड के विभिन्न शहरों से पहुंचे स्टॉलधारकप्रदर्शनी में रामगढ़, रांची, जमशेदपुर एवं धनबाद सहित झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए स्टॉलधारकों ने भाग लिया। विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने अपने आकर्षक उत्पादों के स्टॉल लगाए, जिससे मेले की रौनक और बढ़ गई। रामगढ़ विधायक ने बढ़ाया महिलाओं का उत्साह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक श्रीमती ममता देवी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने लगभग दो घंटे तक स्टॉलधारकों एवं महिलाओं के बीच समय बिताया, विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।उन्होंने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रोटरी रामगढ़ सिटी की यह बेहद सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपने हुनर एवं व्यवसाय को मंच देने का अवसर मिलता है तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम की सफलता में चार्टर प्रेसिडेंट रोटेरियन उमेश राजगढ़िया, पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन हरिश कुमार चौधरी, अध्यक्ष रोटेरियन राजू अग्रवाल, रोटेरियन प्रकाश अग्रवाल एवं रोटेरियन सूरज अग्रवाल का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।आयोजन की तैयारी एवं सफल संचालन में रोटेरियन सचिव सुमन चौधरी, प्रोजेक्ट चेयरमैन नीरू गोयल एवं प्रियंका अग्रवाल तथा डॉ. नीति वेलिया का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।क्लब की सभी महिला सदस्यों एवं रोटेरियन मित्रों ने पूरे उत्साह, समर्पण और टीम भावना के साथ आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। सभी के सामूहिक प्रयासों से सावन सृजन एग्जीबिशन एक सफल एवं यादगार आयोजन के रूप में संपन्न हुआ।इस आयोजन ने महिलाओं को अपनी प्रतिभा एवं उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार का सकारात्मक संदेश दिया।रोटरी रामगढ़ सिटी की ओर से सभी स्टॉलधारकों, अतिथियों, क्लब सदस्यों, रोटेरियन मित्रों एवं आगंतुकों के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

बीएफसीएल द्वारा प्रोत्साहित निशानेबाज सोनू प्रताप सिंह ने झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण और रजत पदक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। बीएफसीएल द्वारा प्रोत्साहित निशानेबाज सोनू प्रताप सिंह ने 16वीं झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक और 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक हासिल किया।29 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में सोनू ने अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल, एकाग्रता और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए।सोनू की यह उपलब्धि झारखंड में उभरती खेल प्रतिभाओं की क्षमता को दशार्ती है। उनकी सफलता में बीएफसीएल का भी योगदान है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आवश्यक सहयोग और अवसर प्रदान कर उन्हें उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।बीएफसीएल ने सोनू प्रताप सिंह को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।प्रतिभा को सहयोग, उत्कृष्टता का सम्मान – बीएफसीएल खेल सीएसआर का संकल्प।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में इंटर-हाउस नृत्य प्रतियोगिता संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के भव्य ऑडिटोरियम में सोमवार, 10 अगस्त 2026 को इंटर-हाउस नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। रंगारंग प्रस्तुतियों और शानदार नृत्य प्रदर्शन से पूरा ऑडिटोरियम देर तक तालियों की गूंज से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों– साहिबजादा अजीत सिंह हाउस, साहिबजादा जुझार सिंह हाउस, साहिबजादा जोरावर सिंह हाउस और साहिबजादा फतेह सिंह हाउस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कला और संस्कृति का अद्भुत संगम नृत्य प्रतियोगिता में प्रत्येक सदन से 40-40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पारंपरिक, लोक एवं समकालीन नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। चारों सदनों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में साहेबजादा अजित सिंह सदन प्रथम,साहिबजादा जुझार सिंह द्वित्या एवं साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह सदन संयुक्त रूप से तृत्य स्थान में रहे।

160 विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रतियोगिता में कुल 160 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा और मनमोहक नृत्य ने निर्णायकों के लिए निर्णय लेना बेहद कठिन बना दिया।विद्यालय के प्राचार्य श्री हरजाप सिंह ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अनन्या कुमारी की प्रभावशाली एंकरिंग ने बांधा समां

कार्यक्रम का सफल एवं आकर्षक संचालन कक्षा 11 (ह्यूमैनिटीज) की छात्रा अनन्या कुमारी ने किया। उनके आत्मविश्वासपूर्ण, प्रभावशाली और सहज मंच संचालन ने पूरे कार्यक्रम को नई ऊर्जा प्रदान की तथा उपस्थित अतिथियों और दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।गणमान्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान श्री परमदीप सिंह कालरा सहित विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य सरदार मनमोहन सिंह लांबा, सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, सरदार वरिंदर सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जॉली, सरदार नरेंद्र पाल सिंह गुजराल, सरदार पुषविंदर पाल सिंह, सरदार गुरदीप सिंह सैनी, सरदार सतिंदर सिंह होरा, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, सरदार गुरप्रीत सिंह चाना, सरदार रमन बेदी एवं सरदार करमजीत सिंह जग्गी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।विद्यालय परिसर में आयोजित यह प्रतियोगिता उत्साह, अनुशासन, कला और सांस्कृतिक मूल्यों का अनुपम संगम साबित हुई तथा विद्यार्थियों के लिए यादगार अनुभव बन गई।

मैक्स इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग में नशा मुक्त भारत को लेकर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

रामगढ़। मैक्स इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग, बिजूलिया में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना था।नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बी.एड. के विद्यार्थियों ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से यह भी बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करती है।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अंजनी कुमारी के निर्देशन एवं देखरेख में किया गया। नाटक के दौरान विद्यार्थियों ने यह दिखाने का प्रयास किया कि किस प्रकार नशा पूरे परिवार को विनाश की ओर ले जाता है।नुक्कड़ नाटक में लीला कुमारी, अजय कुमार महतो, अनिशा कुमारी, महिपाल महतो, कविता कुमारी, अश्मित राज, देव दिव्य कुमार, आर्यन कुमार, शंकर सोरेन, आकाश कुमार, नरेश कुमार, सिकंदर कुमार, अनिल बेदिया, शहबाज आलम, दीपक कुमार, निशा कुमारी, नाजिया फरहीन, बेबी कुमारी, प्रियंका कुमारी एवं संतोष यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता संदेश देते हुए लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, जनसेवा एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

जेपीएससी जेएसएससी सीजीएल अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की भाजपा नेता पवन तिग्गा ने की निंदा

लोहरदगा। जेपीएससीऔर जेएसएससी सीजीएल के अभ्यर्थियों द्वारा विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस लाठीचार्ज का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी के घायल होने का दावा किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि विभिन्न मांगों को लेकर अभ्यर्थी पिछले 17 दिनों से जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलन कर रहे थे। सोमवार को आंदोलनरत अभ्यर्थी विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बनी और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने का वीडियो सामने आया।घटना को लेकर भाजपा के लोहरदगा नेता पवन तिग्गा ने सोमवार दोपहर करीब 1 बजे पुलिस कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन के नेता विपक्ष में रहते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते थे, आज उन्हीं की सरकार में अभ्यर्थियों को अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है।पवन तिग्गा ने कहा कि भाजपा शासन में किसी प्रदर्शन के दौरान कार्रवाई होने पर इंडिया गठबंधन के नेता सवाल उठाते थे, लेकिन अब अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की घटना पर वे चुप हैं। उन्होंने सरकार से अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की मांग की।वहीं, वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी के घायल होने की बात भी सामने आ रही है।

न्यू मार्केट शिव मंदिर से माँ पंचवहिनी तक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बोल–बम के जयकारों के साथ माँ पंचबहिनी से जल लाकर बाबा भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

पतरातू:सोमवार को न्यू मार्केट शिव मंदिर प्रांगण से माँ पंचवहिनी मंदिर तक एक भव्य एवं अलौकिक कांवड़ यात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। इस धार्मिक यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संपूर्ण मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'बोल-बम' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। कांवड़ यात्रा की शुरूआत में सभी शिव भक्तों ने माँ पंचबहिनी मंदिर पहुँचकर विधिवत पूजन-अर्चना व संकल्प के साथ पवित्र जल उठाया। इसके पश्चात यात्रा न्यू मार्केट स्थित शिव मंदिर पहुँची, जहाँ श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धाभाव से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस पूरे काँवड़ यात्रा का कुशल नेतृत्व एवं शरबत सेवा का संयुक्त नेतृत्व समाजसेवी उत्तम सिंह एवं राहुल कुमार सिंह ने किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। समाजसेवी राहुल कुमार सिंह एवं उनकी समर्पित टीम द्वारा कांवड़ियों के लिए शीतल व ताजे शरबत की व्यापक व्यवस्था की गई थी। उल्लेखनीय है कि राहुल कुमार सिंह विगत 8 वर्षों से लगातार इस यात्रा में श्रद्धालुओं के लिए शरबत सेवा का आयोजन करते आ रहे हैं।

समाजसेवी राहुल कुमार सिंह ने कहा

शिव भक्तों की सेवा करना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य और आत्मिक शांति का विषय है। पिछले 8 वर्षों से कांवड़ियों के लिए शरबत सेवा का आयोजन करते आ रहा हूँ और बाबा भोलेनाथ की कृपा से यह सेवा निरंतर जारी है। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी अटूट आस्था, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। हम आगे भी इसी तरह धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

प्रमुख जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति

इस भव्य कांवड़ यात्रा में स्थानीय ग्राम पंचायत के मुखिया किशोर कुमार महतो एवं पंचायत समिति सदय विशेष रूप से उपस्थित रहे। ?इसके अलावा यात्रा को सफल बनाने में अवधेश चौरसिया, निर्मल जैन, उमाशंकर अग्रवाल, संटू सिंह, अरुण मारगंडी, दिनेश कुमार, लक्की राव, सुधांशु कुमार, रोहित सिंह, राजा केशरी, अवधेश कुमार, ललिता देवी, बसंती चौबे, मुस्कान सिंह, खुशबू सिंह, गौरी कुमारी, सतीश कुमार, राम, सूरज कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

चितरपुर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/रजरप्पा। चितरपुर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या ने झारखंडी वीर बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ संज्ञा ने कहा कि आदिवासी हमारे देश के धरोहर हैं। ये प्रकृति के सच्चे पूजक और संरक्षक हैं। आदिवासी ज्ञान परंपरा हमारी शान है। आज जरूरत है कि हम उनके द्वारा दिए ज्ञान को संरक्षित करें। झारखंड हमेशा से वीरों की भूमि रही है, इस पवित्र माटी से कई महान वीरों ने जन्म लिया और हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी। हम सभी को उन महान वीरों के बताए मार्ग पर चलना है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. उत्तम कुमार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. ज्योति कुमारी, प्रो. जूही उपाध्याय, प्रो. निरंजन महतो, प्रो. अजनी करमाली, प्रो. मनोज कुमार झा, प्रो. रेवालाल पटेल, प्रो. निखत परवीन, प्रो. अंजू कुमारी, प्रो. शबाना अंजुम, डॉ हीना कौसर, प्रो. मीणा मुंडा, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. नगमा नौशाबा, प्रो. मिथलेश करमाली सहित जफरुल हसन खान, रवि कुमार, सोनू कुमार, आसिया आफरीन, कुसुम कुमारी, राजेश तिवारी, पिंटू प्रजापति, आमिर अली के साथ कई छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

पार्किंग शेड तथा न्यायालय कक्षों में माईक-साउंड सिस्टम का उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ ।व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के प्रांगण में सोमवार को माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय-सह-प्रशासनिक न्यायाधीश, रामगढ़ न्यायमंडल द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण न्यायिक आधारभूत संरचनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन द्वारा व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के मुख्य प्रवेश द्वार एवं लिटिगेंट शेड का शिलान्यास तथा व्यवहार न्यायालय पार्किंग शेड एवं न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम का उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम के दौरान माननीय न्यायमूर्ति का व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ एवं जिला प्रशासन की ओर से पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत जिला प्रशासन की ओर से माननीय न्यायमूर्ति को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया।न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन ने कहा– न्यायिक व्यवस्था में आधारभूत सुविधाओं का महत्वपूर्ण योगदान ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन ने कहा कि न्यायालय केवल न्याय प्रदान करने का स्थान नहीं, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है। न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए न्यायालयों में बेहतर आधारभूत सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में मुख्य प्रवेश द्वार, लिटिगेंट शेड, पार्किंग शेड तथा न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम जैसी सुविधाओं का विकास न्यायालय में आने वाले अधिवक्ताओं, पक्षकारों, न्यायिक पदाधिकारियों एवं आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा।माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि न्यायालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विशेषकर दूर-दराज से न्यायालय आने वाले पक्षकारों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों, जिला प्रशासन, अभियोजन एवं अधिवक्ता संघ के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही।उन्होंने कहा कि न्यायालय की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक एवं बेहतर सुविधाओं का समावेश समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़ श्री मो० तौफिकुल हसन ने कहा कि व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में आधारभूत संरचनाओं के विकास से न्यायालय की कार्यक्षमता और सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार होगा। मुख्य प्रवेश द्वार एवं लिटिगेंट शेड का निर्माण न्यायालय परिसर में आने वाले आमजनों एवं पक्षकारों के लिए उपयोगी होगा, वहीं पार्किंग शेड से वाहनों के व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा मिलेगी।उन्होंने कहा कि न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम की सुविधा न्यायिक कार्यवाही के दौरान सभी संबंधित पक्षों के लिए बेहतर श्रवण व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उन्होंने माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रामगढ़ न्यायमंडल में न्यायिक सुविधाओं के निरंतर विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उपायुक्त रामगढ़ श्री ऋतुराज ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और आम नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम न्याय उपलब्ध कराने में न्यायालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में नई आधारभूत सुविधाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से न्यायिक संस्थानों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर में आने वाले आम नागरिकों, पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जाना स्वागत योग्य पहल है।उपायुक्त ने माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन के मार्गदर्शन में रामगढ़ न्यायमंडल में न्यायिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़ श्री मो० तौफिकुल हसन, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय राजीव आनन्द, उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश कुमार लुनायत, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, प्रथम श्री विशाल श्रीवास्तव, अध्यक्ष रामगढ़ अधिवक्ता संघ आनंद अग्रवाल, एवं सचिव सीताराम सहित रामगढ़ व्यवहार न्यायालय के समस्त न्यायिक पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, अभियोजन पदाधिकारी एवं अधिवक्ता संघ, रामगढ़ के सदस्यगण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रोशन के साथ न्यायालय परिसर में विकसित एवं प्रस्तावित सुविधाओं का अवलोकन भी किया।नई सुविधाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन से व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में न्यायिक कार्यों के संचालन के साथ-साथ न्यायालय आने वाले पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है

सुदिव्य सोनू ने सदन में दिया बड़ा बयान, कहा- भाजपा ने छात्रों के आंदोलन को हाइजैक किया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में चल रहे छात्र आंदोलन और विधानसभा सभा घेराव के बीच विधानसभा सत्र के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने सदन को पूरे मामले की जानकारी दी. इस दौरान उन्होंने छात्रों के आंदोलन को बीजेपी द्वारा हाईजैक होने का आरोप लगाया. साथ ही कहा कि विधानसभा घेराव के दौरान अगर कोई हिंसा होती है तो उसपर कठोर कार्रवाई की जाएगी. सदन में जानकारी देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सीआईडी की जांच में व्यापक गड़बड़ियों के मिलने के बाद जेपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा हुआ. अनुसंधान के क्रम में मिले साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी ने 19 लोगों को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा. पूछताछ के दौरान डिजिटल एवं डॉक्यूमेंट्री एविडेंस को सीज किया गया. जो आगे अनुसंधान के क्रम में काम आएंगे. उन्होंने बताया कि जब इन विषयों के बारे में छात्रों को सूचना मिली तो छात्र आंदोलनरत हो गए. कुछ दिनों तक तो छात्रों का आंदोलन ही चलता रहा, उनकी ओर से सरकार से कोई संवाद नहीं किया गया था. बाद में जब उनकी ओर से यह संवाद आया कि छात्र सरकार से या सरकार के प्रतिनिधियों से वार्ता चाहते हैं तो मुख्यमंत्री के निर्देश पर 5 तारीख को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया. इसमें दीपिका पांडेय सिंह, संजय प्रसाद यादव, चमरा लिंडा और मैं स्वयं था. हमलोगों ने लगातार छात्रों के प्रतिनिधियों से बातें की. उनके विषयों को समझने का प्रयास किया. मंत्री ने बताया कि छात्र जिन मांगों को लेकर आंदोलनरत थे, उन मांगो को मुख्य रूप से तीन कैटेगरी में बांटा गया था. पहली कैटेगरी थी जांच, दूसरी कैटेगरी थी - परीक्षाओं का रद्दीकरण और तीसरी कैटेगरी थी- रिफॉर्म. इसके तहत जेपीएससी और जेएसएससी में जो प्रक्रियाएं चल रही हैं, उसके एसओपी का निर्धारण सही तरीके से किया जाए.

'भाजपा ने छात्रों को भटकाने की कोशिश की'

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय समिति के समक्ष छात्र प्रतिनिधियों से हुई वार्ता में यह बात पूर्णरूपेण स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुई कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने राजनैतिक इरादे के चलते कुत्सित प्रयास करते हुए इस पूरी प्रक्रिया को लटकाने और ध्यान भटकाने की कोशिश की. छात्रों का वह निर्दोष निर्मम आंदोलन, जिसमें वह अपने भविष्य के सवालों को लेकर चिंतित थे. उसे एक राजनीतिक नाटक में बदल दिया गया. छात्रों से बात के क्रम में सरकार की ओर से छात्र प्रतिनिधिमंडल को तीन दिनों तक स्पष्ट मंतव्य दिया गया. जांच के मुद्दे पर सरकार की तरफ से ये बताया गया कि सीआईडी इसकी जांच कर ही रही है. तो आपराधिक मामले जो हैं, वह सीआईडी जांच करती रहेगी. चूंकि कुछ वित्तीय लेनदेन और गड़बड़ियों के सबूत भी आ रहे हैं और कुछ ऐसी सूचनाएं भी प्राप्त हो रही हैं तो राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर स्वेच्छा से यह बात कहा कि हम ईडी के द्वारा आर्थिक मसलों की जांच कराने को तैयार हैं और तत्पर हैं. दूसरा विषय परीक्षाओं के रद्द करने का था तो छात्रों की मांग थी कि 14वीं जेपीएससी की पीटी परीक्षा को रद्द किया जाए और साथ-साथ बैकलॉग 2023-25 को भी रद्द किया जाए. सरकार ने व्यापक गड़बड़ियों की आशंका के मद्देनजर इस बात पर सहमति प्रदान की. 14वीं जेपीएससी के साथ बैकलॉग 2023-25 को भी रद्द कर दिया जाएगा. मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि छात्रों की यह मांग थी कि टीडीपीएल आउटसोर्स एजेंसी की वजह से यह गड़बड़ियां हुई थी, उस एजेंसी द्वारा ली गई जितनी भी परीक्षाएं थी, वह रद्द की जाएं.

विरासत, संस्कृति और स्वाद के रंगों से सजा झारखंड आदिवासी महोत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। समृद्ध आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और विरासत को देश-दुनिया के सामने रखने वाला झारखंड आदिवासी महोत्सव सोमवार को रंगारंग माहौल में संपन्न हुआ. महोत्सव में झारखंड की लोक परंपराओं से लेकर जनजातीय कला, शिल्प, व्यंजन और आधुनिक तकनीक की झलक देखने को मिली. महोत्सव के थीमैटिक प्रदर्शनी हॉल में झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया. यहां ढोल, नगाड़ा, मांदर और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों ने लोगों का ध्यान खींचा. वहीं, संकल्प दीवार लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही. यहां बड़ी संख्या में लोग तस्वीरें लेते नजर आए. प्रदर्शनी में एआई चैटबॉट के माध्यम से भी झारखंड की आदिवासी संस्कृति को आधुनिक तकनीक से जोड़कर प्रस्तुत किया गया. इसमें आदिवासी परिधान पहने महिला और हाथ में टोकरी लिए हरियाली से जुड़ी झलक दिखाई गई.

शहीदों और महापुरुषों की दिखी झलक

महोत्सव में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की भव्य प्रतिमा के साथ झारखंड के अमर शहीदों के कटआउट भी प्रदर्शित किए गए. वहीं, धरती आबा बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा के माध्यम से उनके प्रारंभिक जीवन, जनजागरण, संगठन, आंदोलन, संघर्ष और वीरगति की कहानी को दशार्या गया.

जीआई टैग वाली कला और शिल्प बने आकर्षण

प्रदर्शनी में झारखंड की जीआई टैग प्राप्त कला और शिल्प को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया. इसमें सोहराय चित्रकला, जादोपटिया और कोहबर चित्रकला की प्रदर्शनी लगाई गई. इसके अलावा बांस शिल्प, मुंडा आभूषण और डोकरा कला को भी प्रदर्शित किया गया. महोत्सव में झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को दशार्ते हुए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. यहां ह्वबोलना ही संगीत और चलना ही नृत्य की भावना के साथ जनजातीय जीवन और परंपराओं की झलक देखने को मिली. महोत्सव में झारखंडी व्यंजनों का भी खास तड़का देखने को मिला.

सहायक आचार्य नियुक्ति मामला : हाईकोर्ट ने 70 पद रिक्त रखने का दिया आदेश

दो साल बीएड करने वाले अभ्यर्थियों को कंसीडर के एकल पीठ के आदेश को जेएसएससी ने दी है चुनौती

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सहायक आचार्य शिक्षक नियुक्ति में दो साल बीएड कोर्स करने वाले अभ्यर्थियों के मामले में एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली जेएसएससी (झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन) की अपील की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सरकार एवं जेएसएससी को 70 पद रिक्त रखने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के लिए अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी. अगली सुनवाई जनवरी 2027 में होगी. खंडपीठ ने जेएसएससी की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकृत कर लिया. दरअसल, विप्लव दत्त के केस में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में 2 साल बीएड करने वाले प्रार्थियों को भी कंसीडर करने और उनका रिजल्ट निकालने का आदेश दिया था. प्रार्थियों ने कक्षा 6 से 8 तक के मैथ्स एवं साइंस एवं अन्य विषय के लिए आवेदन दिया था. उनका कहना था कि परीक्षा से संबंधित 29 जनवरी 2024 के संशोधन में सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने के लिए वैलिड माना गया था. ऐसे में उन्हें भी इस परीक्षा के योग्य माना जाए और उनका रिजल्ट निकाला जाए.

जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने खंडपीठ को बताया कि परिमल कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि उक्त परीक्षा के लिए सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली 2022 ही लागू रहेगी. संशोधित नियमावली 29 जनवरी 2024 लागू नहीं होगी. सुप्रीम कोर्ट ने 2 साल के बीएड वाले अभ्यार्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने के संबंध में कोई दिशा-निर्देश नहीं दिया था. वर्ष 2022 के नियुक्ति नियमावली में सहायक आचार्य के उक्त परीक्षा के विज्ञापन में जेएसएससी ने 1 वर्षीय बीएड कोर्स को न्यूनतम अर्हता माना था. संशोधित नियमावली 29 जनवरी 2024 को किया गया था, जिसमे 2 साल बीएड को शामिल किया गया था, लेकिन सहायक आचार्य शिक्षक की नियुक्ति साल 2023 के विज्ञापन के तहत किया गया है, जिसमें 1 साल बीएड कोर्स ही न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के लिए मान्य है. इस आधार पर प्रतिवादी उक्त परीक्षा में शामिल होने के योग्य नहीं है.

सखुआ महोत्सव पर ओटीसी ग्राउंड में पौधरोपण, रांची को हरा-भरा बनाने की मुहिम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। नगर निगम क्षेत्र को हरा-भरा और पर्यावरण के लिहाज से बेहतर बनाने की दिशा में पहल शुरू हो गई है. सोमवार को शहर में चलाए जा रहे सखुआ महोत्सव के तहत ओटीसी ग्राउंड परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने मिलकर पौधे लगाए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर दूरदर्शन रांची के समन्वयक अमन कुमार पहुंचे. उन्होंने सखुआ का पौधा लगाकर नगर निगम की इस पहल की सराहना की. उन्होंने कहा कि रांची को हरा-भरा बनाने के लिए इस तरह के अभियान जरूरी हैं और इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी होनी चाहिए. कार्यक्रम में मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार, वार्ड पार्षद संजय कुमार और वरिष्ठ पत्रकार दिलीप कुमार समेत कई लोगों ने पौधरोपण किया. इस मौके पर मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि सखुआ महोत्सव सिर्फ पौधे लगाने का अभियान नहीं है, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की एक कोशिश है. नगर निगम की ओर से शहर के अलग-अलग इलाकों में पौधे लगाए जा रहे हैं और लोगों से इन पौधों की देखभाल करने की भी अपील की जा रही है. मेयर ने कहा कि रांची की पहचान एक हरे-भरे शहर के रूप में और मजबूत हो, इसके लिए नगर निगम लगातार काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसे बड़ा होने तक उसकी देखभाल करना भी है. यह जिम्मेदारी सिर्फ नगर निगम की नहीं, बल्कि शहर के हर नागरिक की है. उन्होंने कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, स्थानीय लोगों और अन्य सहयोगियों का आभार जताया.

राहे-सोनाहातु में देशव्यापी जेल भरो आंदोलन, 163 किसानों ने दी गिरफ्तारी,राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सोनाहातु : संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियन मोर्चा के देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन के तत्वावधान में सोमवार को झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा राजपथ राहे में ढाई घंटा एवं सोनाहातु में 3 घंटे रास्ता रोको के माध्यम से 163 किसानों ने दी गिरफ्तारी , तथा राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार भारतीय किसानों को बबार्दी के कगार पर खड़ा कर देगा, एम एस पी की कानूनी गारंटी देने में मोदी सरकार बिफल हैं, नतीजा के तौर पर देश में अन्नदाता किसान आत्महत्याएं लगातर बढ़ रही है, पेपर लीक एवं नौकरी बेचने के खिलाफ छात्रों आंदोलन के मांगें पूरा करें सरकार,17 अगस्त को देश के विधायक/ सांसदों/ मंत्रीओ तथा विपक्ष के नेता को ज्ञापन ,3 अक्टूबर लखिनपुर गिरी शहादत दिवस पर हर गांवों में किसान पंचायत तथा 26 नवंबर बड़े किसान आन्दोलन का शुरूआत होंगा।इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान कौंसिल सदस्य उमेश महतो, जयपाल सिंह मुंडा, बिसमबर महतो, जनवादी महिला समिति के जिला अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद सदस्य रंगोवती देवी, जिला सचिव रतन महतो, जिला किसान कोंसिल सदस्य शोभाराम महतो, प्रेम चंद पातर,घुरन पातर, पांडू राम मुंडा, हरिश्चंद्र प्रमाणिक, बसंत मुंडा, करमी देवी, उर्जला कुमारी,सोमा मुंडा, कनक मुंडा, जगन्नाथ मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा,जीतू महतो, नारायण महतो, रामसिंह लोहरा, सांकरा महतो, महरूम महतो, बलराम महली, हिनदु पाहान, कृष्ण मुंडा, रूपचन्द्र महतो, विश्वनाथ कुम्हार, उपेन्द्र बडाईक, अशोक महतो, कलेवर मुंडा, सुनील महतो, भोंदू मुंडा, सुबोध महतो, दुर्गाचरण महतो सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे। भारत - अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो,बीज और बिजली विधेयक रद्द करो,4 लेबर कोड रद्द करो, किसानों के फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी करना होगा, झारखंड में हाथियों के आतंक से निजात दिलाओ, पेपर लीक एवं नौकरी बेचने पर रोक लगाओ, झारखंड में चल रहे छात्र आन्दोलन के मागे पूरा करो, दिल्ली छात्र आन्दोलन पर बर्बर लाठीचार्ज की न्यायिक जांच करो एवं झूठे मुकदमे वापस लो।

कोयला कारोबोरियों के डिजिटल डिवाईस की जांच के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पहुंची

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बुलावे पर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम रांच पहुंच गयी है. इन विशेषज्ञों द्वारा कोयला कारोबारियों के ठिकानों से जब्त मोबाईल सहित अन्य डिटिजल डिवाईस से डीलिट किये गये डाटा निकाला जायेगा. इसमें पाये जाने वाले ब्योरे के अधार पर कोयले के अवैध कारोबार, इसमें शामिल लोगों और संरक्षण देने वाले सफेदपोशों व अफसरों की जांच होगी. उल्लेखनीय है कि ईडी ने कोयले के अवैध कारोबार के सिलसिले में दर्ज मामले की जांच के दौरान 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के ठिकानों पर छापा मारा था. कोयला घोटाले की जांच के दौरान दूसरे चरण की छापामारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों के ठिकानों पर की गयी थी. ईडी ने एलबी सिंह के साले रंजीत कुमार सिंह और धनबाद नगर निगम के डिप्टी मेयर को भी छापामारी के दायरे में शामिल किया था. छापामारी के दौरान म्यूचुअल फंड सहित वित्तीय संस्थाओं मे किये गये 160 करोड़ रुपये के दस्तावेज जब्त किया गया था. ईडी ने इस निवेश को फ्रीज कर दिया गया है. छापामारी के दौरान 200 से ज्यादा सेल डीड जब्त किये गये थे. फिलहाल इसकी जांच जारी है. छापेमारी के दौरान मिली डायरी में कोयला उद्योग के संरक्षण देने वाले अफसरों के पदनाम भी दर्ज मिले थे. जिसकी जांच की जा रही है. अफसरों के पदनाम के सामने लाखों रुपये की राशि दर्ज है.

भाजपा विधायकों के सीएम आवास घेराव पर राधाकृष्ण किशोर का हमला, कहा- यह अलोकतांत्रिक कार्य

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री आवास के घेराव को लेकर सियासत तेज हो गयी है. भाजपा विधायकों और नेताओं के मुख्यमंत्री आवास घेराव के प्रयास पर वित्त मंत्री सह संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने भाजपा के प्रदर्शन को अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना या किसी के घर में प्रवेश करने का प्रयास लोकतांत्रिक तरीका नहीं हो सकता.

मुख्यमंत्री आवास घेरना लोकतांत्रिक तरीका नहीं

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि भाजपा ने गैर-लोकतांत्रिक तरीके से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का प्रयास किया. उन्होंने कहा कि किसी के आवास का घेराव करना और उसमें घुसने की कोशिश करना सामान्य राजनीतिक प्रदर्शन की श्रेणी में नहीं आता. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध और अपनी बात रखने के कई वैधानिक माध्यम उपलब्ध हैं.

सदन में छात्र मुद्दा उठाने की बात कही थी

वित्त मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही थी और नेता प्रतिपक्ष की ओर से छात्र आंदोलन के मुद्दे को सदन में उठाने की बात कही गयी थी. इसके बावजूद बाबूलाल मरांडी विधानसभा की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए. उन्होंने कहा कि अगर छात्र आंदोलन से जुड़े मुद्दे सदन में उठाये जाते, तो सरकार वहां अपना पक्ष रख सकती थी और लोकतांत्रिक तरीके से चर्चा हो सकती थी.

अलोकतांत्रिक गतिविधि पर प्रशासन करेगा कार्रवाई

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हुए यदि कोई अलोकतांत्रिक गतिविधि करता है, तो प्रशासन की ओर से कानून के अनुसार कार्रवाई की जायेगी. ऐसे मामलों में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जाना स्वाभाविक है. उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है.

सीएम की सुरक्षा को बताया गंभीर मामला

वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा नेताओं और विधायकों के खिलाफ कार्रवाई मुख्यमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गयी. मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा एक गंभीर विषय है. ऐसे में आवास का घेराव करने या वहां जबरन पहुंचने के प्रयास को सामान्य प्रदर्शन के तौर पर नहीं देखा जा सकता.

सोनाहातु में पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान, चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की दी गई सलाह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सोनाहातु। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को लेकर सोनाहातु पुलिस ने सोमवार को थाना परिसर के समीप विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान डीएसपी के निर्देश पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की गहन जांच की तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की मांग की। जांच के दौरान वाहन के रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र की जांच की गई। पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चला रहे बाइक चालकों को रोककर यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। कई चालकों को हेलमेट पहनने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया गया। थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जाते रहेंगे। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। इस अभियान के दौरान क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस की सक्रियता देखने को मिली।

11वीं से 13वीं जेपीएससी मेंस रिजल्ट रद्द करने का मामला : 342 सफल अभ्यर्थियों को जवाब के लिए मिला समय

हाई कोर्ट ने 342 सफल अभ्यर्थियों को प्रतिवादी बनाने का दिया था निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली रिट याचिका को हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली अयूब तिर्की एवं अन्य की अपील (एलपीए) पर झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई. मामले में कोर्ट ने अनुशंसित एवं नियुक्त अभ्यर्थियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 3 सप्ताह बाद निर्धारित की. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने पक्ष रखा. पूर्व में कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को 342 सफल अभ्यर्थियों (जिन्हें नियुक्ति पत्र मिल चुका है) को मामले में प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया था. दरअसल, पूर्व की सुनवाई में खंडपीठ ने इस अपील की सुनवाई के दौरान कहा था कि इस केस के अंतिम निर्णय से सफल अभ्यर्थी प्रभावित होंगे. सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखा.

एकल पीठ ने की थी याचिका खारिज

बता दें कि हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की एकलपीठ ने अक्टूबर 2025 में 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दी थी. अदालत ने दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता की आपत्तियां समयबद्ध नहीं थीं. मूल्यांकन प्रक्रिया में ऐसा कुछ नहीं पाया गया, जो परीक्षा परिणाम को रद्द करने योग्य हो. अतः याचिका निराधार है और उसे खारिज किया जाता है. अयूब तिर्की और राजेश कुमार की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता परीक्षा में असफल हुए हैं, इसी कारण अब वे प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं. अगर उन्हें परीक्षा पद्धति से आपत्ति थी, तो उन्हें पूर्व में ही आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी, न कि परिणाम आने के बाद. सभी उम्मीदवारों के लिए एक समान नियम लागू किए गए थे और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है. रिट याचिका में कहा गया था जेपीएससी ने डिजिटल इवैल्यूएशन कराया, जो परीक्षा नियमों के खिलाफ है. रीजनल लैंग्वेज की कॉपियों की जांच कम अनुभव वाले परीक्षकों से कराई गई, जबकि नियम के अनुसार कम से कम 10 वर्षों का अनुभव रखने वाले परीक्षकों से जांच कराना आवश्यक था.

झारखंड विस : अरूप चटर्जी ने बांग्ला भाषा बोर्ड गठन की मांग उठाई , सरकार ने दिया जवाब, सदन 2 बजे तक स्थगित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड विधानसभा में विधायक अरूप चटर्जी ने राज्य में बांग्ला भाषा बोर्ड के गठन की मांग उठाई. उन्होंने कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में लोग बांग्ला भाषा बोलते हैं, लेकिन उनकी भाषा और शिक्षा से जुड़ी जरूरतों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है. जवाब में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि राज्य में बांग्ला भाषी लोगों की सही आबादी से संबंधित आंकड़े सरकार के पास उपलब्ध नहीं हैं. हालांकि, जैक के पास उपलब्ध परीक्षार्थियों के आंकड़ों से ऐसा कहीं प्रतीत नहीं होता कि राज्य की 40 प्रतिशत आबादी बांग्ला भाषा बोलती है. मंत्री ने कहा कि सरकार ने इंटरमीडिएट परीक्षा के आंकड़ों को देखा है. इसके अनुसार, प्रतिवर्ष करीब 1,695 विद्यार्थी बांग्ला विषय की परीक्षा देते हैं. उन्होंने कहा कि जब तक स्कूल और कॉलेजों में बांग्ला पढ़ने वाले छात्रों की संख्या नहीं बढ़ती, तब तक बांग्ला भाषा के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करना मुश्किल है. मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार भाषा के मामले को गंभीरता से देख रही है. उमाशंकर रजक ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार से सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया. सरकार की ओर से कहा गया कि यदि आने वाले समय में स्कूल और कॉलेजों में बांग्ला पढ़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती है और विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि होती है, तो बांग्ला भाषा अकादमी के गठन के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा. इसके बाद सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

राजमहल गंगा भवन को हेरिटेज स्थल घोषित करते हुए विकसित कर राजमहल म्यूजियम की हो स्थापना- विधायक.

राजमहल/साहिबगंज ।राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा सत्र के दौरान शुन्यकाल में राजमहल के गंगा भवन के मुद्दा को उठाते हुए उन्होंने कहा कि गंगा भवन जो पूरी तरह जर्जर है और वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता है। उसे गंगा हेरीटेज स्थल के रूप में विकसित करते हुए सौंदर्यीकरण कार्य कर राजमहल म्यूजियम की स्थापना हो ताकि पर्यटन के क्षेत्र में राजमहल विकसित हो सके. उन्होंने कहा कि राजमहल में पर्यटन के काफी आसार हैं और गंगा नदी के माध्यम से भी पर्यटकों का आवागमन होते रहता है। ऐतिहासिक धरती राजमहल को पर्यटन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। इधर सरकार की ओर से मामले में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। राजमहल शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के आम जनता ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक का यह पहल क्षेत्रहित में सकारात्मक है पर्यटकों के आगमन और ठहरने की व्यवस्था सहित म्यूजियम बनने से स्थानीय लोगों को रोजगार के भी अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जन्मदिन पर राजमहल में झामुमो कार्यकताओं ने काटा केक, दीघार्यु की कामना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज ।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को राजमहल निरीक्षण भवन में झामुमो कार्यकताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर जन्मदिन मनाया.कार्यक्रम का नेतृत्व विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू ने किया.इस दौरान प्रखंड एवं नगर क्षेत्र के झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे.कार्यकताओं ने केक काटकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन मनाया और एक-दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया. मौके पर कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की. कार्यकताओं ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार जनहित एवं विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है.विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य के विकास और आम लोगों के हित में लगातार कार्य किया जा रहा है.मौके पर प्रखंड एवं नगर क्षेत्र के झामुमो कार्यकताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल नगर सचिव स्मित चौरसिया, विजय यादव अजय दास मोहम्मद मुनाजिर बासुदेव मंडल सहित मौजूद थे.

केकेएम कॉलेज में घटाई गई स्नातक सीटें बहाल कराने की पहल, मंत्री से मिलीं विधायक निसात आलम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अवसरों को बेहतर बनाने को लेकर विधायक निसात आलम ने सोमवार को रांची में झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केकेएम कॉलेज, पाकुड़ में स्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों की घटाई गई सीटों को पूर्व की स्थिति में बहाल करने की मांग को लेकर मंत्री को ज्ञापन सौंपा। विधायक ने मंत्री को बताया कि केकेएम कॉलेज में पहले इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, हिंदी और संथाली जैसे विषयों में 300 - 300 सीटें निर्धारित थीं। वर्तमान में इन सभी विषयों की सीटों को घटाकर 180 कर दिया गया है। इसके अलावा कॉलेज में संचालित लेबर एंड सोशल वर्क विषय को भी हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सीटों में कटौती से स्थानीय विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा प्राप्त करने में परेशानी उत्पन्न होगी। खासकर ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को स्नातक की पढ़ाई के लिए पाकुड़ से बाहर जाना पड़ सकता है। विधायक निसात आलम ने मंत्री से मांग की कि पूर्व में निर्धारित सीटों को पुनः बहाल किया जाए तथा स्नातक स्तर के विषयों में किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाए, ताकि पाकुड़ के विद्यार्थियों को अपने ही जिले में बेहतर उच्च शिक्षा का अवसर मिल सके। मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय सचिव से पूरे मामले की रिपोर्ट मंगाने का निर्देश दिया। उन्होंने विधायक को भरोसा दिलाया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए मामले में आवश्यक पहल की जाएगी।

कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, दो देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद

साहिबगंज। जिले में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत साहिबगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड में संलिप्त एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के शांतिनगर निवासी सुबोध मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से दो अवैध देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया हैं। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने रविवार को जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि राजमहल थाना कांड संख्या 174/25 के मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी विष्णु मंडल से पूछताछ के दौरान कल्याणचक ज्वेलरी लूटकांड से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले। पूछताछ में विष्णु ने पुलिस को बताया कि लूटकांड में इस्तेमाल किया गया देसी कट्टा और कुछ गोलियां सुबोध मंडल के पास हैं। जानकारी के आधार पर साहिबगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। जिरवाबाड़ी और राजमहल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 8 अगस्त को शांतिनगर में छापेमारी कर सुबोध मंडल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो देसी कट्टा और दो जिंदा गोलियां बरामद किया। मामले में जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 146/26, आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी) ए/26/35 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी दल में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, एसआई कार्तिक उरांव, ओम प्रकाश चौहान, शिवानंद प्रसाद तथा आरक्षी दीपक कुमार सिंह और राम बिहारी ओझा शामिल थे।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर, सुमन कुमार का पुनः स्वागत

बरहरवा/साहिबगंज। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, साहिबगंज की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार, 10 अगस्त को आरबी पैलेस में जिला अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और मजबूत बनाने तथा दवा व्यवसायियों को सरकार द्वारा जारी दिशा - निदेर्शों के प्रति जागरूक करना रहा। बैठक के दौरान बरहरवा के दवा व्यवसायी सुमन कुमार को पदाधिकारियों के साथ विचार - विमर्श के बाद पुनः ससम्मान संगठन में शामिल किया गया। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह एवं सचिव कृष्णा प्रसाद भगत ने संयुक्त रूप से कहा कि सुमन कुमार संगठन के वरिष्ठ सदस्य हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे संगठन के सभी साथियों के साथ मिलकर सकारात्मक सोच और पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। बैठक में दवा व्यवसायियों से संगठन की एकजुटता बनाए रखने, नियमों एवं सरकारी दिशा - निदेर्शों का पालन करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की गई। साथ ही संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई।

विश्व जैव ईंधन दिवस पर साहिबगंज महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। विश्व जैव ईंधन दिवस के अवसर पर साहिबगंज महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में गैर-जीवाश्म जैव ईंधन के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने के लिए गैर-जीवाश्म ईंधन का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने जैव ईंधन को पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में अपनाने पर जोर दिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद हसनैन, बीएड संकाय के शिक्षक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. मोहम्मद असादुल्लाह, कुमार प्रशांत भारती, प्रदीप कुमार, चंद्रशेखर प्रमाणिक एवं नितिन कुमार सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

5 लाख रुपये वापस मांगने पर मारपीट और धमकी, तीन भाइयों पर केस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। कोटालपोखर थाना क्षेत्र के जीवनपुर निवासी नवजीत साहा उर्फ माना, उसके भाई नीताई साहा और सत्यजीत साहा के खिलाफ 5 लाख रुपये लेने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में कोटालपोखर थाना कांड संख्या 60/26 दर्ज हुआ है। राजमहल थाना क्षेत्र के लखन राजवंशी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि नवजीत साहा ने व्यापार शुरू करने के नाम पर उनसे 5 लाख रुपये उधार लिए थे। व्यापार शुरू नहीं होने पर जब उन्होंने रुपये वापस मांगे तो नवजीत लगातार टालमटोल करता रहा। रविवार को लखन रुपये मांगने जीवनपुर स्थित नवजीत के घर पहुंचे, जहां उसके भाई नीताई और सत्यजीत मौजूद थे। आरोप है कि दोनों ने गाली - गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। वहीं, नवजीत ने फोन पर जान से मारने की धमकी देने के साथ पूर्व में दर्ज प्राथमिकी वापस लेने का दबाव बनाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि जनवरी 2025 में नवजीत साहा उर्फ माना पर फर्जी एसीबी अधिकारी बनकर धमकी देने का आरोप लगा था। सोनाकड़ पंचायत समिति सदस्य के पति शकील जमाल अंसारी को आवास योजना में गड़बड़ी का मामला बताकर धमकाने का ऑडियो वायरल हुआ था। शिकायत के बाद कोटालपोखर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी और नवजीत को जेल भी जाना पड़ा था।

उधवा में धूमधाम से मनाया गया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिवस

उधवा/साहिबगंज ।प्रखंड मुख्यालय स्थित झामुमो के निजी कार्यालय में सोमवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिवस झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बाबू दा के नेतृत्व में धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनके नेतृत्व में झारखंड के निरंतर विकास की उम्मीद जताई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झामुमो महिला जिलाध्यक्ष बसंती हांसदा मौजूद रहीं। इसके अलावा प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, जिला संगठन सचिव काजू मालिक, अब्दुल हक, कीनू सोरेन, जैनुल आबेदीन, प्रदीप मंडल, सकल हेंब्रम, यासीन शेख, मंगल मरांडी, चंद्राई सोरेन, महबूब शेख, गुलाब हुसैन समेत दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से झारखंड विकास, जनकल्याण और सामाजिक न्याय की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का संघर्ष, समर्पण और झारखंड के प्रति प्रतिबद्धता पार्टी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। झामुमो प्रखंड परिवार उधवा की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना की गई। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मध्य विद्यालय चांद शहर में प्रबंधन समिति का पुर्नगठन, अफसरा खातून बनी अध्यक्ष तथा सेराज शेख बने उपाध्यक्ष

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधव/साहिबगंज ।झारखंड शिक्षा परियोजना, रांची के निदेर्शानुसार सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय चांद शहर में मुखिया मोहम्मद मुस्तकीम शेख की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही। सर्वसम्मति से अफसरा खातून को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा सेराज शेख को उपाध्यक्ष चुना गया। समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह बीआरपी इंतखाब आलम की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ-साथ अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। पर्यवेक्षक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रों की नियमित उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। इस दौरान प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अफसरा खातून ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। मौके पर प्रधानाध्यापक उदय शंकर सिंह, सहायक शिक्षक प्रवीण कुमार मंडल, बरकत शेख, हसमत शेख, केशरुल शेख, राजीव शेख, समल कुमार रजक, मोजाहिर शेख आदि उपस्थित थे।

कांवड़ियों के बीच सब्जी मंडी काली पूजा महावीर समिति ने बांटी 50 मेडिकल किट

साहिबगंज ।शहर के सब्जी मंडी काली पूजा महावीर समिति के सदस्यों ने रविवार देर रात्रि साहिबगंज से सुल्तानगंज व देवघर जाने वाले कावरिया के जत्था के बीच मेडिकल किट का वितरण किया। समिति सदस्य आकाश ने बताया कि रामपुर दहला से निकले सैकड़ो कावरिया के जत्था के बीच 50 मेडिसिन किट में दर्द का महलम, काछ का महलम, दर्द ओर गैस का टेबलेट, पानी का बोतल वितरण किया। मौके पर पीयूष यादव, मनोज पासवान, आकाश, विकाश, सोनू, जीवन, शिवम, आशीष सहित अन्य थे।

दूधनाथ धाम मंदिर में बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, धर्मगुरु व भक्तजनों ने ली शपथ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तालझारी/साहिबगंज ।तालझारी प्रखंड के दूधनाथ धाम मंदिर परिसर में सोमवार को जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के तत्वावधान में मंथन संस्था द्वारा बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धर्मगुरु सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे ।इस दौरान बच्चों के अधिकार, उनकी सुरक्षा, शिक्षा तथा बाल विवाह एवं बाल शोषण जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। धर्मगुरु एवं उपस्थित भक्तजनों ने बच्चों के सुरक्षित एवं बेहतर भविष्य के लिए समाज में जागरूकता फैलाने तथा बाल अधिकारों की रक्षा करने की शपथ ली ।कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से अपील की गई कि वे बच्चों के प्रति होने वाले किसी भी प्रकार के अन्याय, शोषण या बाल विवाह का विरोध करें और बच्चों को शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में अपनी भूमिका निभाएं।
मंथन संस्था के इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य धार्मिक एवं सामाजिक मंचों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक बाल संरक्षण का संदेश पहुंचाना है।

गंगा नदी से 40 वर्षीय अज्ञात महिला का शव बरामद, पहचान में जुटी पुलिस

साहिबगंज। गंगा नदी पुलिस ने सोमवार सुबह करीब आठ बजे बिजली घाट के समीप गंगा नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया। शव मिलने की सूचना से इलाके में कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। पुलिस के अनुसार ओझा टोली की ओर से गंगा नदी में एक महिला का शव बहता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर गंगा नदी पुलिस के एएसआई कार्तिक उरांव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम चिकित्सक डॉ फरोग हसन ने किया। पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र करीब 40 वर्ष है। शव के पास से पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज अथवा अन्य सामान बरामद नहीं हुआ जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव की पहचान के लिए 72 घंटे तक सदर अस्पताल की मर्चरी में सुरक्षित रखवाया है। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में भी जुटी है।

तीनपहाड़ में सावन की दूसरी सोमवारी पर सभी शिवालयों में हुआ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा गाजेश्वर नाथ धाम में बाबा के भक्तों का भारी भीड़ देखने को मिला। साथ ही मुरली पहाड़ स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिला। मंदिर कमिटी कि ओर से नींबू का शर्बत भोलेनाथ के श्रद्धालुओं को पिलाया जा रहा था। वहीं छोटी-छोटी बच्चिया भी भोलेनाथ को जल चढ़ा रही थी। वहीं मंदिर के पुजारी भक्तों को मंत्र उच्चारण के साथ पूजा करवाते हुए देखा गया। साथ ही महाराजपुर के मोती नाथ धाम में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिला। सभी श्रद्धालुओं को सरोवर में स्नान करते हुए देखा गया। श्रद्धालु स्नान कर बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण किया और अपने घर परिवार की सुख शांति स्मृति की कामना की और हर हर महादेव का नारा लगाते हुए देखा गया ।वहीं तीनपहाड़ क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना कर शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्त महिलाएं एवं पुरुष की भीड़ उमड़ने लगी थी सभी शिव भक्त ने बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण किया ।वही बाबूपुर फाटक स्थित शिव मंदिर में भोलेनाथ के भक्तों को पूजा अर्चना करते हुए देखा गया। मंदिर में भोलेनाथ के भक्ति गाना बज रहे थे और श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ा रहे थे। पूरा क्षेत्र का हर एक शिवालय में हर हर महादेव की जय घोष से भक्तिमय था।

कोटालपोखर में 20 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को कोटालपोखर क्षेत्र में सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई अभिहित अधिकारी-सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज के निदेर्शानुसार की गई।अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी नौरंग देव कुमार एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आशीष कुमार वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लगभग 20 दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, पैकेजिंग, लेबलिंग, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, भंडारण व्यवस्था तथा प्रतिष्ठानों में स्वच्छता की जांच की गई। दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने दुकानदारों को एक्सपायर्ड, बिना उचित लेबल वाले अथवा मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं करने तथा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सुरक्षा को लेकर जिले में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी अभियान आगे भी जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर हजारों कांवरिये शिवगादी धाम के लिए हुए रवाना

राजमहल/साहिबगंज। उत्तरवाहिनी गंगा राजमहल में हजारों की संख्या में कांबारियों ने मां गंगा में डुबकी लगाकर बाबा गाजेश्वर नाथ बरहेट स्थित शिवगादी धाम में के लिए जल लेकर हुए रवाना। मिली जानकारी के अनुसार श्रद्धालु साहिबगंज जिला के अन्य जगहों के साथ साथ दूसरे राज्यों से भी बाबा गाजेश्वरनाथ को जल अर्पित करने के लिए आये हुए है। श्रावण माह के पवित्र सोमबार के दिन हजारों की संख्या मे महिला, पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्गो को बोल बम का नारा लगाते हुए गंगा मे डुबकी लगाकर करीब 9 घंटा चलकर बाबा गाजेश्वर नाथ के मंदिर बरहेट जाकर जल अर्पण किये। श्रद्धालुओं मे खाशा उत्साह देखा गया।

डीएवी विद्यालय में विद्यार्थी नेतृत्व का किया गया गठन

छात्र-छात्राओं को सौंपी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः एम.बी. डीएवी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, लोहरदगा में सत्र 2026-27 के लिए विद्यालय के चारों हाउस एवं स्कूल पार्लियामेंट का गठन किया गया। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, उत्तरदायित्व, सहयोग एवं सेवा-भावना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर छात्र-छात्राओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

विद्यालय के चार सदनों—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद हाउस—के लिए बॉय एवं गर्ल कैप्टन नियुक्त किए गए। ऋग्वेद हाउस में सदन प्रभारी काजल कुमार राय, सहायक सदन प्रभारी अर्चना कुमारी तथा कैप्टन आदर्श कुमार एवं आरिका जायकर को जिम्मेदारी दी गई। यजुर्वेद हाउस में सदन प्रभारी खुशबू कुमारी, सहायक सदन प्रभारी विकी कुमार तथा कैप्टन आयुष्मान आर्या एवं दिव्या कुमारी नियुक्त हुए। सामवेद हाउस में सदन प्रभारी रागिनी कुमारी, सहायक सदन प्रभारी गोविंद कुमार पांडे तथा कैप्टन लाल राजवीर नाथ साहदेव एवं पलक साहू को दायित्व सौंपा गया। वहीं अथर्ववेद हाउस में सदन प्रभारी राजकुमार गोराई, सह-सदन प्रभारी शशिकांत पाठक तथा कैप्टन रुद्रांश विनायक एवं श्रेया दत्ता को जिम्मेदारी मिली। स्कूल पार्लियामेंट में स्कूल कैप्टन आशुतोष कुमार, हेड गर्ल नीलिमा नायक एवं हेड बॉय गौरव कुमार को नियुक्त किया गया। इनके मार्गदर्शन एवं अनुरक्षण की जिम्मेदारी प्रधानाचार्या प्रेरणा शंखधर एवं अश्विन पत्रों को दी गई। वाइस हेड गर्ल प्रज्ञा झा एवं वाइस हेड बॉय ऋषि गुप्ता का अनुरक्षण मिता बासु एवं यू.सी. दास करेंगे। इसी प्रकार डिसिप्लिन हेड गर्ल तृषा मोहन केसरी, कल्चरल हेड आण्वी मेहता एवं सिद्धार्थ अग्रवाल, स्पोर्ट्स हेड नैंसी कुजूर एवं रोहित राज तथा म्यूजिक हेड सोनम कुमारी एवं हर्ष मुंडा को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संबंधित शिक्षकों को इन विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं अनुरक्षण का दायित्व दिया गया।

विद्यालय में अनुशासन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डिसिप्लिन कमेटी का भी गठन किया गया। इसमें विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है। समिति के संचालन एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

प्रधानाचार्या प्रेरणा शंखधर ने नव-निर्वाचित विद्यार्थी प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, ह्यनेतृत्व केवल पद प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन, सहयोग और सेवा-भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का नाम है। सभी विद्यार्थी अपने आचरण एवं कार्यों से विद्यालय की गरिमा बढ़ाएं और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनें।उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा विद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन शितेश पाठक ने प्रभावशाली एवं आत्मविश्वासपूर्ण ढंग से किया। विद्यालय परिवार ने सभी नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला : कन्हैया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों के सोमवार को रांची में विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर आजसू पार्टी ने कड़ी नाराजगी जताई है। आजसू के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने पुलिस की ओर से वाटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे युवाओं की लोकतांत्रिक आवाज दबाने का प्रयास बताया। कन्हैया सिंह ने कहा कि झारखंड के युवा रोजगार, निष्पक्ष नियुक्ति और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। सरकार को उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद से होना चाहिए, लाठी और बल प्रयोग से नहीं। आजसू जिला अध्यक्ष ने कहा कि रोजगार की मांग करना, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग उठाना और सरकार से सवाल पूछना किसी भी नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है।

कुडू मुख्य चौक पर डीटीओ ने चलाया वाहन जांच अभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा : सोमवार को कुडू प्रखंड के मुख्य चौक-चौराहे पर जिला परिवहन पदाधिकारी जया शंखी मुर्मू के नेतृत्व में वाहन जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, यातायात नियमों का पालन कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करना था।

जांच के दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। इसमें ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र की जांच प्रमुख रूप से की गई। वहीं, व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र एवं परमिट की भी जांच की गई।

अभियान के दौरान बिना वैध कागजात, ओवरलोडिंग तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। बिना ढके रेत, गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री का परिवहन करने वाले वाहनों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार स्पॉट फाइन लगाने तथा आवश्यकतानुसार वाहन जब्त करने की कार्रवाई की गई।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर चौक-चौराहों पर नियमित रूप से वाहन जांच अभियान जारी रहेगा। साथ ही वाहन चालकों को जुमार्ने के प्रावधान, वाहन के वैध परमिट तथा आवश्यक दस्तावेजों को समय पर अपडेट कराने के संबंध में भी जानकारी दी गई।

भव्य बाइक कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारों शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

लोहरदगाः सावन के पावन अवसर पर सोमवार को जय श्रीराम समिति के तत्वावधान में भव्य बाइक कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ पावरगंज स्थित दुगार्बाड़ी से हुआ, जिसे नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव ने केसरिया झंडा दिखाकर विदा किये जहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाइक पर सवार होकर भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए सेन्हा प्रखंड के गड़गांव स्थित महादेव मंडा पहुंचे। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। गड़गांव महादेव मंडा पहुंचने के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। जलाभिषेक के बाद जय श्रीराम समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ समिति के कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग करवा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।पहाड़ी क्षेत्र में स्थित महादेव मंडा का प्राकृतिक एवं मनोरम दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पहाड़ी रास्तों और सीढ़ियों से होकर महादेव मंडा तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए एक अलग ही आध्यात्मिक एवं रोमांचक अनुभव रहा। वहीं भगवान भोलेनाथ की गुफा में पहुंचकर श्रद्धालुओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गुफा का प्राकृतिक स्वरूप और धार्मिक वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो श्रद्धालु स्वयं कैलाश की पवित्र गुफा में पहुंच गए हों। बाइक कांवड़ यात्रा का बूटी एवं झखरा में जय श्रीराम समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया।महादेव मंडा परिसर में यात्रा को सफल बनाने और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में बूटी, झखरा, अलौदी, गड़गांव एवं चंदवा सहित आसपास के क्षेत्र के जय श्रीराम समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी के सामूहिक सहयोग से पूरी व्यवस्था शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।बाइक कांवड़ यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। यात्रा ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता, सहयोग और संगठन की शक्ति का भी संदेश दिया।मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव,सुषमा सिंह,परमेश्वर साहू, लक्ष्मी नारायण भगत, शैलेश कुशवाहा,अजय सोनी,अनूप गुप्ता,ओम महतो, बजरंग करवा, महिला अध्यक्ष इंदिरा प्रधान, शिवा सिंह, गोपाल ठाकुर,त्रिलोकी सिंह, उदय सिंह, अनिरुद्ध राम, शैलेश कुमार,नगर अध्यक्ष दीपक साहू,कुडू प्रखंड अध्यक्ष दीपक पासवान,नीरज कुमार, नीतीश पासवान, दीपक यादव, प्रवीण मिश्रा, सुमित यादव, नीतीश जायसवाल, अमन महली, मनोज राम, प्रकाश नायक, रामकुमार साहू, हावड़ा उरांव, वीरेंद्र उरांव, विजय खेरवार,अनुज कुमार,बिक्की कसेरा, उपेंद्र कुशवाहा,पूर्णिमा देवी,पूटना देवी, बासमती देवी, मोहन राज करवा,बीगन महतो,ओम प्रकाश, कमलेश कुमार, निखिल कसेरा, प्रकाश साहु, विवेक अग्रवाल, कमलेश कुशवाहा समेत हजारों लोग मौजूद थे '

बार्टरवाटर मॉडल से जल संरक्षण को सामुदायिक भागीदारी से जोड़ने की पहल

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

रांची।जल संकट, भूजल प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच पानी और प्रकृति को विकास के केंद्र में रखकर बार्टरवाटर पहल के माध्यम से नया सामुदायिक मॉडल विकसित किया जा रहा है।सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि यह मॉडल बिहार के बाद झारखंड और असम में भी विस्तार पा रहा है। पहल का लक्ष्य पानी, प्रकृति, तकनीक और समुदाय को जोड़कर स्थानीय स्तर पर टिकाऊ विकास का मॉडल तैयार करना है। विज्ञप्ति में बताया गया कि विल्सु ग्लोनबल फाउंडेशन, वीन फाउंडेशन और वाटर बैंक फाउंडेशन की साझेदारी से संचालित इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को एक-दूसरे से जोड़ना है।इस वाटर बैंक व्यवस्था को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए हस्कस पावर सिस्टम जैसी संस्थाओं का सहयोग लिया गया है। आईआईटी, खड़गपुर की तकनीक के व्यावसायीकरण की दिशा में वास ब्रोस इंटरप्राईजेज काम कर रहा है। इस पहल को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी सहयोग मिला है।इस मॉडल में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों के लिए रेनबो क्रेडिट दिए जाते हैं। आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में जल शोधन के लिए आईआईटी खड़गपुर की ओएएस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।इस पहल के तहत जल प्रबंधन में डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भी जोड़ा जा रहा है। अलॉट और डिजिटल ट्वीन के माध्यम से जल संसाधनों की निगरानी, जल-कुशल कृषि और भविष्य की जरूरतों के आकलन पर काम किया जा रहा है।

परिसीमन के खिलाफ 30 अगस्त को रांची में जुटेंगे आदिवासी: बंधु तिर्की

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची में आदिवासी एकता महाजुटान रैली का होगा आयोजन

लोहरदगाः झारखंड में प्रस्तावित परिसीमन की प्रक्रिया के खिलाफ आगामी 30 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी एकता महाजुटान रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल होंगे। सोमवार को लोहरदगा परिसदन में प्रेस कांफ्रेंस कर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं आदिवासी नेता बंधु तिर्की ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि परिसीमन केवल सीटों के पुनर्गठन का विषय नहीं है, बल्कि यह झारखंड के आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संवैधानिक अधिकार और भविष्य से जुड़ा अत्यंत गंभीर सवाल है। बंधु तिर्की ने कहा कि वर्ष 2002-2008 की परिसीमन प्रक्रिया के दौरान झारखंड में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों की संख्या 28 से घटाकर 22 करने का प्रस्ताव किया गया था। उन्होंने कहा कि उस समय राज्य सरकार के प्रयासों से संविधान के अनुच्छेद 10(ख) के तहत झारखंड की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उस प्रस्ताव को लागू नहीं होने दिया गया था। अब एक बार फिर परिसीमन की प्रक्रिया प्रस्तावित है, इसलिए आदिवासी समाज को समय रहते सजग और एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की अपनी विशिष्ट परिस्थितियां हैं। यहां पांचवीं अनुसूची क्षेत्र, ऐतिहासिक विस्थापन, पलायन, आदिवासी बहुल क्षेत्र तथा संवैधानिक संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय हैं। इन परिस्थितियों को नजरअंदाज कर केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करना आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के साथ न्याय नहीं होगा।पूर्व मंत्री ने कहा कि झारखंड के जल, जंगल और जमीन के संरक्षण तथा राज्य के विकास में आदिवासी समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खनन, इस्पात संयंत्र, बांध, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और विद्युत परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए आदिवासी समाज ने अपनी जमीन दी है। इसलिए उनके राजनीतिक अधिकारों और प्रतिनिधित्व की पर्याप्त सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।बंधु तिर्की ने कहा कि परिसीमन से पहले आदिवासी समाज, जन प्रतिनिधियों, संवैधानिक विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं संवैधानिक अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि परिसीमन में विधानसभा और लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि होती है तो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में भी वर्तमान अनुपात के समान वृद्धि सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों, आदिवासी बहुल क्षेत्रों और संवैधानिक संरक्षण को परिसीमन का विशेष आधार बनाया जाना चाहिए। बंधु तिर्की ने कहा कि एकता हमारी शक्ति है, संविधान हमारी ढाल है और राजनीतिक प्रतिनिधित्व हमारा अधिकार है। उन्होंने आदिवासी समाज से 30 अगस्त को रांची में आयोजित महाजुटान रैली में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करने की अपील की। मौके पर शशि पन्ना, संगीता उरांव, सनियारो उरांव आदि मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि आगामी 30 अगस्त को सुबह 11 बजे समस्त आदिवासी समाज, झारखंडह्ल के बैनर तले से मोरहाबादी मैदान, रांची में आदिवासी एकता महाजुटान रैली प्रस्तावित है।

गुरु गोष्ठी में शिक्षकों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील

लोहरदगाः सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शिक्षकों की मासिक गुरु गोष्ठी कन्या मध्य विद्यालय, सेन्हा के सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) राजीव रंजन ने की। इसमें प्रखंड क्षेत्र के उच्च, मध्य एवं प्राथमिक विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।गुरु गोष्ठी के दौरान शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बीईईओ राजीव रंजन ने सभी विद्यालयों को ई-विद्या वाहिनी में किताब वितरण से संबंधित ऑनलाइन प्रतिवेदन, निल घोषणा पत्र, विद्यालय स्तर समिति की छायाप्रति, 31 जुलाई तक सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं की संख्या, आधार अपडेट प्रतिवेदन एवं आधार से जुड़े बैंक खाते का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उन्होंने यू-डायस में नए छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन पंजीकरण, प्रयास कार्यक्रम का मासिक प्रतिवेदन, बच्चों की उपस्थिति, ई-विद्या वाहिनी में शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति, जून माह के मध्याह्न भोजन की उपयोगिता, एनीमिया का मासिक प्रतिवेदन तथा पीटीएम लिंक भरना सुनिश्चित करने को कहा।बीईईओ ने कहा कि सभी विद्यालय पर्यावरण संरक्षण को लेकर ह्यएक पेड़ मां के नामह्ण अभियान के तहत कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और इसकी जानकारी संबंधित लिंक पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने शिक्षकों से विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने तथा बच्चों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की अपील की। मौके पर प्रकाश रंजन, अंबिका पांडे, मनजीत यादव, विकेश कुमार सिन्हा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

किसान-मजदूरों ने किया जेल भरो आंदोलन

120 आंदोलनकारी गिरफ्तार

लोहरदगाः किसान और मजदूर उत्पादक वर्ग हैं और इन्हीं के श्रम के भरोसे समाज और अर्थव्यवस्था टिकी है। इसके बावजूद उन्हें उचित मजदूरी नहीं मिलती और उनकी मजदूरी का भी शोषण किया जाता है। इन्हीं मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने और मांगों पर कार्रवाई की मांग को लेकर विभिन्न ट्रेड यूनियन एवं किसान-मजदूर संगठनों ने सोमवार को लोहरदगा में जेल भरो अभियान चलाया। सोमवार को जेल भरो अभियान किया गया। आंदोलन के तहत शांतिनगर लोहरदगा से जुलूस निकाला गया, जो किस्को मोड़, कचहरी मोड़, ब्लॉक मोड़, रेलवे साइडिंग, बस स्टैंड और शहीद- ए-आजम सरदार भगत सिंह चौक होते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक पहुंचा। यहां करीब 120 आंदोलनकारियों ने लगभग डेढ़ घंटे तक सड़क जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया।जुलूस का नेतृत्व राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन एक्टू के राज्य सचिव एवं राष्ट्रीय सीडब्ल्यूसी सदस्य महेश कुमार सिंह, दिलीप कुमार वर्मा तथा कॉमरेड वीरेंद्र ने किया। इसके बाद पुलिस ने सभी आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लोहरदगा थाना पहुंचाया। थाना परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए महेश कुमार सिंह ने कहा कि किसान और मजदूर उत्पादक वर्ग हैं, लेकिन इन्हीं के साथ लगातार शोषण और दोहन हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कानों तक अपनी आवाज पहुंचाने और मजदूर-किसानों के हित में समुचित कार्रवाई की मांग को लेकर देशभर में जेल भरो अभियान चलाया गया है। खेतिहर मजदूर यूनियन के राज्य नेता साथी वीरेंद्र ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार कॉरपोरेट घरानों के इशारे पर आईएमएफ, विश्व बैंक और साम्राज्यवादी अमेरिका के दबाव में काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश में फिर से आजादी की लड़ाई की आवश्यकता है और यह आंदोलन उसी दिशा में एक शुरूआत है। सीटू के जिला सचिव दिलीप कुमार वर्मा ने कहा कि चार लेबर कोड लागू कर केंद्र सरकार मेहनतकश अवाम को उनके संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित कर रही है। उन्होंने लेबर कोड वापस लेने और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा की मांग की।किसान नेताओं जगदीश महतो, गोपाल महतो, अंगनू उरांव, रामकुमार महतो और चारो भगत ने कृषि उपज की वैधानिक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी, वनाधिकार पट्टा देने, वीबीजी-रामजी अधिनियम 2025 को लागू रखने तथा बिजली संशोधन विधेयक 2025 और बीज विधेयक 2025 को रद्द करने की मांग की। कर्मचारी नेताओं किसुन दास, मो. जफर आलम और बच्चू नारायण सिंह ने आउटसोर्सिंग एवं ठेका प्रथा समाप्त कर रिक्त पदों पर स्थायी बहाली, पुरानी पेंशन व्यवस्था बरकरार रखने तथा पेंशनरों से संबंधित मार्च 2025 के बजट में वैलिडेशन एक्ट के माध्यम से किए गए विभाजन की कार्रवाई वापस लेने की मांग की। साथ ही काम के घंटे बढ़ाने का विरोध किया।राजकुमार टोप्पो, दिलमुनी कुजूर सहित अन्य नेताओं ने खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सामाजिक सुरक्षा, सार्वभौमिक पेंशन, सम्मानजनक रोजगार और न्यूनतम मजदूरी की गारंटी सहित 19 सूत्री मांगों को पूरा करने की मांग उठाई।

आंदोलन की अध्यक्षता महेश कुमार सिंह ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन दिलीप कुमार वर्मा ने किया। नेताओं ने कहा, ह्लअभी तो ये अंगड़ाई है, आगे बड़ी लड़ाई है। इसके लिए हम सब तैयार हैं।

संयुक्त मोर्चा ने महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

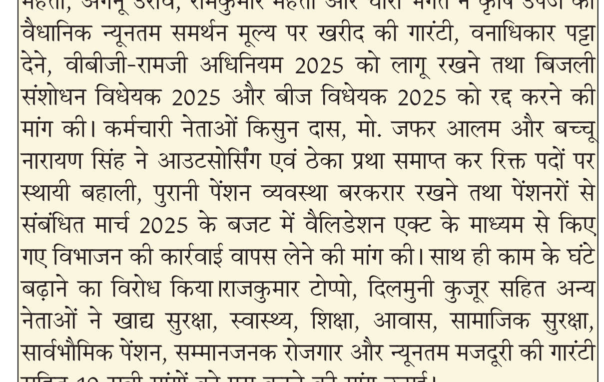

चतरा। कोल इंडिया के 12 वें जेबीसीसीआई के गठन में हो रही देरी, 11 वें वेतन समझौता के लंबित मुद्दा को लागू करने, वेज बोर्ड का गठन व अन्य मुद्दों को लेकर सोमवार को टंडवा के आम्रपाली, मगध संघमित्रा कोल परियोजना में महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष संयुक्त मोर्चा के बैनर तले जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कोयला कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान श्रमिकों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। धरना-प्रदर्शन के दौरान संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा कि जेबीसीसीआई-12 का गठन श्रमिकों के हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा मजदूरों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर भी आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मजदूर हितों की रक्षा करने और लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल करने की मांग की। मगध एटक सचिव दीपांशु सिंह ने कहा कि जेबीसीसीआई-12 के गठन में कानूनी अड़चन का हवाला देकर केंद्र सरकार मजदूरों के हितों को प्रभावित करना चाह रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जेबीसीसीआई-12 के गठन और वेतन समझौता के लंबित मुद्दे की मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों और हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मजदूरों की मांगों को लेकर संगठन आगे भी एकजुट होकर संघर्ष करेगा। प्रदर्शन में सीटू के गणेश, जेएमएस के जितेंद्र कुमार, आरसीएमयू के राहुल सिंह, आरकेएमयू के खुर्शीद समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कोयला कर्मी उपस्थित थे।

जलापूर्ति योजनाओं के प्रति स्वामित्व की भावना विकसित कर संरक्षण एवं सुचारू संचालन के लिए किया गया प्रेरित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

प्रखंड दारू के कविलासी पंचायत में आयोजित हुआ जल अर्पण दिवस कार्यक्रम

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के दारू प्रखंड अंतर्गत कविलासी पंचायत/ग्राम में जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलापूर्ति योजनाओं के प्रति आमजनों में स्वामित्व की भावना विकसित करना तथा इनके संरक्षण, देख-रेख एवं सुचारू संचालन में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम में कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक, जिला परिषद सदस्य, मुखिया, उपमुखिया, जलसहिया, प्रखंड वाश समन्वयक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।इस अवसर पर जल बंधन, जल यात्रा एवं जल शपथ का आयोजन किया गया। साथ ही जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण एवं संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संबंधित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जलापूर्ति योजनाओं के प्रति जिम्मेदारी एवं स्वामित्व का भाव विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें योजनाओं की नियमित देख-रेख, रखरखाव एवं सुचारू संचालन में सक्रिय भूमिका निभाने का आान किया गया, ताकि प्रत्येक परिवार को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल की सुविधा मिल सके।इस दौरान पेयजल के दुरुपयोग को रोकने, प्रत्येक परिवार द्वारा जलकर का भुगतान करने, जलकर के महत्व, वर्षा जल के भंडारण तथा पेयजल स्त्रोतों की FTK (Field Testing Kit) के माध्यम से नियमित जल जांच के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए जल के विवेकपूर्ण उपयोग एवं भविष्य के लिए जल स्त्रोतों के संरक्षण की अपील की गई।कार्यक्रम में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जलापूर्ति योजनाओं की सफलता केवल इनके निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके सतत संचालन और रखरखाव में समुदाय की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सामुदायिक स्वामित्व एवं जनभागीदारी के माध्यम से ही हर घर तक सुरक्षित एवं नियमित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। जल अर्पण दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल के सदुपयोग और जलापूर्ति योजनाओं के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प दिलाते हुए सामूहिक रूप से जल सुरक्षा की दिशा में कार्य करने का संदेश दिया गया।

पोलिटेक्निक परीक्षा में राज्य स्तर पर 278 नंबर स्थान हासिल कर दीपक कुमार खरवार ने बढ़ाया कान्हाचट्टी प्रखंड का मान,लहराया परचम

कान्हाचट्टी (चतरा)पोलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में सफल कान्हाचट्टी प्रखंड, तुलबुल पंचायत के ग्राम-जसपुर गाँव के (दीपक कुमार खरवार)पिता अर्जुन सिंह खरवार ने शानदार सफलता हासिल किया है !वही दीपक कुमार खरवार, कान्हाचट्टी JLKM प्रखंड अध्यक्ष सिकेंद्र खरवार के भतीजे है, दीपक खरवार, अनुसूचित जनजाति वर्ग में 1454वां स्थान हासिल किया है इनके सफलता से माता पिता और घर परिवार में काफी खुशी का माहौल हैं वही दीपक कुमार खरवार ने भविष्य में कुशल (इंजिनियर)बनकर देश सेवा करना चाहते हैं।साथ हीं उनके गांव ग्राम एवं शुभचिंतकों ने अग्रिम भविष्य की दे रहे हैं शुभकामनाएं एवं बधाई।

बासुकीनाथ धाम में दूसरी सोमवारी को उमड़ी कावंरिया श्रद्धांलुओं की भीड़

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के 12 वें दिन शाम पांच बजे तक कुल 1,52,893 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। शीघ्रदर्शनम से 2717 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।वहीं दूसरी सोमवारी पर 1187 डाक बम श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।वहीं शीघ्र दर्शनाम से 13,58,500 रुपये,गोलक से 154310 एवं अन्य स्त्रोत से 13269 प्राप्त हुए। दूसरी सोमवारी के पर डीसी अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ पहुंचकर मेला क्षेत्र में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की गतिविधियों एवं भीड़ की स्थिति का निरीक्षण किया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की प्रत्येक गतिविधि पर सतत नजर रखें एवं भीड़ के एक स्थान पर अधिक संख्या में एकत्रित होने की स्थिति उत्पन्न न हो, इसे सुनिश्चित करें। भीड़ का सुचारु रूप से संचालन करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगमतापूर्वक बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण कराने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। डीसी ने सभी प्रवेश बिंदुओं पर प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि मंदिर परिसर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं की जांच और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मेला क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर पूरी सतर्कता के साथ मौजूद रहें और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।उपायुक्त ने स्वास्थ्य शिविरों का भी निरीक्षण किया।उन्होंने वहां प्रतिनियुक्त चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य टीम से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और निर्देश दिया कि दूसरी सोमवारी को श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मी पूरी तरह अलर्ट मोड में रहें। आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं से संवाद भी किया और व्यवस्थाओं को लेकर उनका अनुभव जाना। श्रद्धालुओं ने बताया कि मेला क्षेत्र में व्यवस्था अच्छी है। उन्हें जलार्पण के लिए अधिक देर तक कतार में नहीं रहना पड़ा। श्रद्धालुओं ने सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रतिनियुक्त अधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों के व्यवहार की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों की ओर से श्रद्धालुओं का सहयोग किया जा रहा है और आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

उपायुक्त तथा उप विकास आयुक्त ने किया विभिन्न विद्यालयों में पौधारोपण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद।जिले के विभिन्न प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई, जिन्होंने अपने आवंटित विद्यालयों में अपनी देख-रेख में पौधारोपण का कार्य संपन्न कराया।इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन ने सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, प्लस 2 उच्च विद्यालय यादवपुर तथा प्लस 2 उच्च विद्यालय नगरकियारी का दौरा कर पौधारोपण किया तथा स्कूलों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान विद्यालय का भ्रमण करते हुए उपायुक्त ने सभी प्रभारी प्राचार्य को निर्देश दिया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) को ध्यान में रखते हुए वे विद्यालयों की संपूर्ण रूप से साफ-सफाई रखें। साथ ही प्रभारी प्रधानाध्यापकों तथा शिक्षकों द्वारा विद्यालय स्तर पर चलाए जा रहे 'नो कॉस्ट लो कॉस्ट' नवाचारों और प्रयासों का जायजा लिया तथा आवश्यक मार्गदर्शन व निर्देश दिए गए।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन ने कहा कि ?इस हरित पहल और निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य धनबाद जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वतंत्रता दिवस से पूर्व विद्यालयों में स्वच्छ व शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करना है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण को हरा-भरा और सुरक्षित बनाने के लिए सामूहिक रूप से वृक्षारोपण शपथ ली। सभी ने प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाना तथा उसकी पूर्ण देखभाल करने, लगाए गए पौधों को जीवित रखने, जल, वायु एवं प्रकृति को स्वच्छ और सुरक्षित रखने, अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के लोगों को भी अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने तथा हरित धनबाद एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

नागधारी धाम शिव मंदिर में सावन की दूसरी सोमवारी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब ,भंडारे में बांटा महाप्रसाद

सिंदरी /धनबाद। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच यू आर एल) डोंमगढ़ परिसर स्थित नागधारी धाम शिव मंदिर में सावन माह के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक (किसी आराध्य देव, मुख्य रूप से भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग पर विधि विधान और मंत्रोचार के साथ पवित्र जल की धारा अर्पित करना या उन्हें जल से स्नान कराना) किया जा रहा है। सावन के पवित्र माह में श्रद्धालु दामोदर नदी से जल लेकर मंदिर पहुंच रहे हैं और विधि- विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना कर रहे हैं।मंदिर के मुख्य पुजारी श्री गर्जन पांडेय द्वारा प्रतिदिन प्रात 5:00 बजे से पूजा- अर्चना की जा रही है। सावन की दूसरी सोमवारी के अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से विशेष पूजा -अर्चना के साथ महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं के बीच पूरी, सब्जी एवं बुनिया का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति में माहौल बना रहा और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सचिव अनिरुद्ध सिंह ,कोषाध्यक्ष केदार शर्मा के अलावा सनी, सोनी और रघु प्रसाद सहित अन्य सदस्य आयोजन में सक्रिय रूप से मौजूद रहे। मंदिर कमेटी द्वारा सावन के पूरे महीने श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा -अर्चना की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने झंडा चौक स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण,लगभग 25 किलो बासी एवं फफूंद लगी मिठाई मौके पर नष्ट कराई गई

हजारीबाग- हजारीबाग उपायुक्त श्री हेमन्त सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेशानुसार आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-1 मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा झंडा चौक स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार, सिलाव खाजा दुकान, बबुआ मिष्ठान भंडार, गणपति भोजनालय, शदानन्द मिष्ठान भंडार एवं टीओलोजी रेस्टोरेन्ट का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार एवं सिलाव खाजा दुकान में लगभग 25 किलोग्राम बासी एवं फफूंद लगी मिठाई पाई गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा उक्त मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट कराया गया।खाद्य सुरक्षा टीम ने संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्देश दिया कि 14 दिनों के अंदर किचन, मिठाई रखने के स्थान तथा दीवारों पर जमी काई एवं मकड़ी के जालों की समुचित सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही खाद्य परिसर में प्रभावी कीट नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन अनिवार्य है। दिए गए निर्देशों का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधि-सम्मत अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।औचक निरीक्षण अभियान में श्री अम्ब्रीस पाण्डे, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-2; सुश्री श्वेता त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-4; श्री विकास शर्मा, श्री सूरज कुमार एवं श्री धनेश्वर प्रसाद कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएं।

फिल्म फेस्टिवल में आदिवासी सिनेमा और संस्कृति पर संवाद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की स्थापना की दिशा में पहल करते हुए रांची में दो दिवसीय फिल्म फेस्टिवल, मास्टरक्लास, आदिवासी फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग और परिचर्चा का आयोजन किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि दो दिनों के आयोजन में दर्शकों की सक्रिय भागीदारी रही। स्क्रीनिंग के बाद हुई परिचर्चाओं में दर्शकों ने फिल्मों के विषय और आदिवासी समाज के चित्रण से जुड़े सवालों पर चर्चा की। कार्यक्रम में सिनेमा के माध्यम से झारखंड की संस्कृति, पहचान, परंपरा, भाषा और सामाजिक सरोकारों पर संवाद हुआ। फिल्म फेस्टिवल में आदिवासी जीवन और समाज की विविधता को केंद्र में रखकर फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। प्रत्येक स्क्रीनिंग के बाद फिल्मों के कथ्य, निर्माण और सामाजिक प्रभाव पर चर्चा हुई। फिल्मकारों, विद्यार्थियों, कलाकारों, सिनेप्रेमियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने संवाद में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन झारखंड में फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयोजन ने सार्थक और विषयपरक सिनेमा के प्रति रांची के दर्शकों की रुचि को भी सामने रखा। आयोजन का प्रमुख आकर्षण मास्टरक्लास रहा, जिसमें प्रतिभागियों को फिल्म निर्माण की बारीकियों, कहानी कहने की तकनीक और सिनेमा के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की जानकारी दी गई। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, झारखंड में लंबे समय से फिल्म निर्माण और सिनेमा के लिए मजबूत मंच की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की स्थापना की दिशा में आयोजित यह कार्यक्रम इसी प्रयास का हिस्सा है।

राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान के पदाधिकारी

17 से 24 अगस्त तक हजारीबाग में होगा जनजातीय गौरव उत्सव, उद्घाटन समारोह में शामिल होने का दिया निमंत्रण

हजारीबाग/रांची। बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान के पदाधिकारियों ने सोमवार को रांची स्थित राजभवन/ लोक भवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार, राष्ट्रीय अभियान प्रमुख राजमणि एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर सावंत ने राज्यपाल को हजारीबाग में आगामी 17 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव उत्सव की विस्तृत जानकारी दी।पदाधिकारियों ने राज्यपाल को उत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि जनजातीय गौरव उत्सव के दौरान जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने के साथ महिला उद्यमिता, सामाजिक जागरूकता और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।राज्यपाल संतोष गंगवार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समय उपलब्ध होने पर हजारीबाग में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव उत्सव में शामिल होने का आश्वासन दिया। मुलाकात के बाद अभियान के पदाधिकारियों ने राज्यपाल के प्रति आभार जताया। साथ ही जनजातीय गौरव उत्सव को भव्य और सफल बनाने के लिए चल रही तैयारियों को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

धनबाद में जुलाई में 501 कांडों का हुआ निष्पादन

धनबाद। अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर धनबाद पुलिस ने जुलाई माह में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला पुलिस मुख्यालय में सोमवार को एसएसपी प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, अनुसंधान और पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की गई।धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार जानकारी देते हुए बताया कि जुलाई में जिले में 445 नए कांड दर्ज हुए, जबकि पुलिस ने जुलाई में 501 मामलों का निष्पादन किया। इसके साथ ही लंबित कांडों की संख्या जून के 1796 से घटकर 1740 रह गई। एसएसपी ने अगले दो माह में लंबित मामलों की संख्या 1600 से नीचे लाने का लक्ष्य तय किया है।वारंट निष्पादन में भी पुलिस ने तेजी दिखाई। जुलाई में 1097 लंबित वारंटों का निष्पादन किया गया। अगस्त में लंबित वारंट और कुर्की मामलों के कम से कम 50 प्रतिशत निष्पादन का निर्देश थाना प्रभारियों को दिया गया है। अनुसंधान के दौरान 705 मामलों में चार्जशीट अथवा अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल किया गया।बैठक में बताया गया कि जिले में बाइक चोरी की घटनाओं में कमी आई है। जुलाई में किसी बड़े संगठित अपराध की घटना सामने नहीं आई। एसएसपी ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान जारी रखने और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी तेज करने का निर्देश दिया।उन्होंने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर धनबाद पुलिस ने जुलाई में रिकॉर्ड कार्रवाई करते हुए 92 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला। एसएसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि सड़क हादसों में कमी लाना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। नो-पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने और ओवरस्पीड के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया।एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए 17 अगस्त से जिलेभर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जागरूकता पुस्तिका का विमोचन, मार्च और ग्राम चौपालों का आयोजन होगा। लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। पुलिस की डिजिटल पहल के तहत पिछले माह चोरी या गुम हुए 505 मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए। आगामी 25 अगस्त को भी बरामद मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे जाएंगे। बैठक में सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, डीएसपी, एसडीपीओ सहित सभी थाना और ओपी प्रभारी मौजूद रहे।

हजारीबाग झील सौंदर्यीकरण में 13 करोड़ 97 लाख रुपये के कार्य में अनियमितता , सक्षम पदाधिकारी के नेतृत्व में कमेटी गठित हो_ सुरजीत नागवाला

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग - हजारीबाग कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सुरजीत नागवाल के नेतृत्व में बरकट्ठा के पूर्व प्रत्याशी अशोक कुमार देव,कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत,इंटक के प्रदेश महासचिव धीरज कुमार सिंह के साथ उपायुक्त के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय में दिया । इस ज्ञापन में मुख्य रूप से हजारीबाग की जनहित से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की । इस ज्ञापन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरजीत नागवाला ने हजारीबाग जिले की जनहित से जुड़ी गंभीर समस्याओं एवं अनियमितताओं को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने उपायुक्त, हजारीबाग को पत्र देकर इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र में मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दों को उठाया गया है– हजारीबाग झील सौंदर्यीकरण में 13 करोड़ 97 लाख रुपये के कार्य में अनियमितता पत्र में कहा गया है कि ऐतिहासिक हजारीबाग झील के सौंदर्यीकरण हेतु आवंटित राशि से कराए गए कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मामले की जांच के लिए सक्षम तकनीकी अधिकारियों की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने की मांग की गई है। सरकारी जमीन, नदी, नाला एवं तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग जिले के विभिन्न अंचलों में सरकारी जमीन, नदियों, नालों और तालाबों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण होने की बात कही गई है। इसके कारण पारंपरिक जलस्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं और बरसात के मौसम में जल-जमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। पत्र में विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। हजारीबाग आवास बोर्ड कॉलोनी की जमीन एवं मकानों पर अवैध कब्जा पत्र में आरोप लगाया गया है कि हजारीबाग आवास बोर्ड कॉलोनी की जमीन एवं मकानों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है, जिसके कारण जरूरतमंद एवं वास्तविक लाभुकों को आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे अवैध कब्जों को अभियान चलाकर मुक्त कराने की मांग की गई है। कांग्रेस नेता हजारीबाग जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने कहा कि जनहित से जुड़े इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रशासन से आम जनता के हितों की रक्षा एवं सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की। उपायुक्त के नाम अन्य आवेदन में इंटक के प्रदेश महासचिव धीरज कुमार सिंह ने कटकमसांडी प्रखंड के सारंगाढ़ खुर्द में सरकारी जमीन एवं सामुदायिक भवन निर्माण में अनियमितता का आरोप, कटकमसांडी अंचल अंतर्गत ग्राम सारंगाढ़ खुर्द में सरकारी तंत्र और भू-माफियाओं की मिलीभगत से गंभीर भू-घोटाला किए जाने का आरोप सामने आया है। इस संबंध में माननीय उपायुक्त, हजारीबाग को पत्र देकर मामले की जांच एवं दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पत्र के अनुसार, खाता संख्या-26, प्लॉट संख्या-6, भू-घोटाले तथा सामुदायिक भवन में भ्रष्टाचार का मामला उठाया गया है। आरोप है कि एक ही जमीन पर दो विरोधाभासी रसीदें जारी की गईं। मार्च 2025 में इसे सरकारी गैर-मजरुआ जमीन बताते हुए सामुदायिक भवन के लिए तथा जनवरी 2026 में ?16,06,900 के तालाब निर्माण के लिए उसी जमीन का उपयोग दशार्या गया। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिए जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई और निर्माण कार्य जारी है। कांग्रेस ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस की प्रमुख मांगें विवादित सामुदायिक भवन के निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए। डीसी, सीओ एवं संबंधित अधिकारियों के स्तर पर जांच कर दोषियों को चिन्हित किया जाए।तालाब के ?16,06,900 एवं भवन में लगी राशि की 100% वसूली एवं कुर्की की कार्रवाई की जाए। संबंधित अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए और जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर सरकारी जमीन और सरकारी राशि के दुरुपयोग में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना–दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। अखबारसंशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी।

अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार–हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका।

आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि, नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। पारिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मोदी नाम का कोलंबस!

प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी ने राष्ट्र के खजाने की लूट ही शुरू कर दी है। अब तक के किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में उन पर होने वाला खर्च अत्यधिक है। मोदी के इस खर्च को वैसे तो व्यक्तिगत माना जाना चाहिए, लेकिन इसका हजारों करोड़ का बोझ देश के खजाने पर पड़ा है। इसमें सबसे ज्यादा खर्च खुद की ब्रांडिंग, फिजूल के विदेश दौरों और राजनीतिक रोड शो पर हुआ है। यह सब बेहिसाब है और इसकी भरपाई कौन करेगा? राज्यसभा में विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन छह महीनों में ही मोदी के विदेश दौरों पर लगभग ८५ करोड़ रुपये खर्च हुए। २०२१ से अब तक के विदेश दौरों का हिसाब लगाया जाए, तो लगभग ६०० करोड़ रुपये मोदी की विदेश उड़ानों पर खर्च हुए हैं। सिर्फ २०२५ में लगभग २०० करोड़ रुपये परदेश दौरों पर उड़ा दिए गए हैं। मलेशिया, इजरायल, यूएई, नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे, इटली, प्रष्ठांस, स्लोवाकिया, सेशेल्स, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों की एक लंबी सूची है।

सरकार कहती है कि मोदी के दौरों से देश को फायदा हुआ, समझौते हुए, निवेश आया; लेकिन वह हकीकत में जमीन पर कहीं दिखाई नहीं देता। इन सभी समझौतों से हमारे देश के किसान, बेरोजगार युवा और आम नागरिक को क्या लाभ हुआ, इसका विश्लेषण करने की मानसिक स्थिति में मोदी नहीं हैं। मोदी के विदेश दौरे घाटे का सौदा हैं। उनका संवाद और भाषा तो वैसे ही समस्याजनक है, जिससे शिष्टाचार की पूरी तरह ऐसी की तैसी होती रहती है। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को जबरदस्ती गले लगाते फिरना, इटली की प्रधानमंत्री मैडम के लिए चॉकलेट वगैरह लेकर जाना और उसके ह्यरील्सह्न बनाना, इसके लिए परदेश दौरों का आयोजन करके सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ाना, यह एक तरह से राष्ट्रीय खजाने का खयानत है। मोदी खुद को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प का स्वघोषित मित्र मानते हैं। मूल रूप से अमेरिका एक व्यापारी देश है; वहां मित्रता जैसा भावनात्मक रिश्ता नहीं होता। मित्रता के नाते अमेरिका सामने वाले को निचोड़कर अपना फायदा तो कर लेगा, लेकिन मित्र का फायदा हो ऐसा कुछ नहीं करेगा।

मोदी ट्रंप के मित्र हैं। ट्रंप से मिलने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए वे दुनिया भर के मंचों पर जाते हैं, लेकिन अमेरिका से भारतीय जनता को क्या फायदा हुआ? अभी अमेरिका ने भारत को एक बड़ा झटका दिया है। रशियन तेल खरीदने वाले भारत पर १०० प्रतिशत टैरिफ ट्रंप सरकार ने थोप दिया है। इससे भारतीय सामानों का अमेरिका में निर्यात महंगा हो जाएगा। कपड़ा, दवाइयां, गहने, रसायन, ऑटोमोबाइल के कलपुर्जे जैसे निर्यात को मार पड़ेगी। मोदी-ट्रंप मित्र हैं या मोदी विश्वगुरु हैं, इसलिए भारत को इस टैरिफ में कोई छूट नहीं मिली। तो फिर लगातार अमेरिका के चक्कर लगाकर मोदी ने क्या हासिल किया? मोदी सरकार जनता के पैसों का गबन कर रही है। केंद्र सरकार ने बेहिसाब खर्च किया; ऐसे ५४ हजार करोड़

रुपये का हिसाब मोदी सरकार नहीं दे सकी। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कैग की ताजा आर्थिक लेखा-परीक्षा ऑडिट रिपोर्ट ने मोदी सरकार के बजटीय प्रबंधन और आर्थिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इसका मतलब है कि मोदी के हर मंत्रालय में बड़े पैमाने पर धांधली जारी है।

मोदी की सरकार जनता के लिए नहीं, बल्कि गौतम अडानी जैसों के फायदे के लिए चलाई जा रही है। मोदी के विदेश दौरे इसी काम के लिए आयोजित किए जाते हैं। मोदी जिस देश में जाते हैं, वहां के बड़े समझौते और हितसंबंध अडानी के फायदे के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। मोदी और इजरायल के बीच विशेष रिश्ते हैं, जो भारतीय विदेश नीति के प्रतिकूल है। मोदी समय-समय पर इजरायल जाते हैं, उसके पीछे का रहस्य यह है कि इजरायल के हाइफा बंदरगाह में ७० प्रतिशत हिस्सेदारी अडानी पोर्ट्स के पास है। २०२३ में १२ अरब डॉलर का सौदा करके यह बंदरगाह अडानी ने कब्जे में लिया, जिसमें मोदी की मध्यस्थता महत्वपूर्ण रही। ह्ययूएईह्न का दौरा मोदी ने मई २०२६ में किया और तुरंत जुलाई २०२६ में अडानी एंटरप्राइजेज और अबू धाबी की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी घ्ण् के बीच ओडिशा के एल्युमिनियम प्रोजेक्ट के लिए लगभग ११.५ अरब डॉलर का समझौता हो गया। ऑस्ट्रेलिया में भी यही हुआ।

अडानी ग्रुप का कारमाइकल कोयला खदान में निवेश है। दिसंबर २०२५ में नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का अधिग्रहण पूरा हुआ और तुरंत जुलाई २०२६ में मोदी ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। मोदी जिस देश की सैर करते हैं, वहां अडानी का निवेश शुरू हो जाता है। अमेरिका में अडानी पर आर्थिक धोखाधड़ी और घूसखोरी के मामले दर्ज हुए, लेकिन मोदी ने भारतीय किसानों और छोटे निर्यातकों के हितों की बलि देकर अमेरिका से अडानी को बचा लिया। जहां मोदी का दौरा, वहां अडानी का व्यापारिक समझौता, यह महज कोई इत्तेफाक नहीं है। देश के खजाने के करोड़ों रुपये खर्च करके प्रधानमंत्री एक उद्योगपति के फायदे के लिए विदेशी दौरों पर जाते हैं; इसमें राष्ट्रहित कहां आया? सच तो यह है कि ये फिजूल के विदेश दौरे श्रीमान मोदी को अडानी कंपनी के खर्चे पर करना ज्यादा उचित रहेगा। देश का प्रधानमंत्री विदेश जाता है(

बेबसी के मारे

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांडी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर लेबर चौराहे पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है।

दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है ।

करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतजार्तीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतजार्तीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5% है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं

बिहार के सरकारी स्कूल ने बदल डाली इतिहास की धारा, किताबों से पहले दीवारें बनी गुरु

एजेंसी

बक्सर: बिहार स्थित बक्सर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर राजपुर प्रखंड का खीरी गांव आज देश के लिए नजीर बन चुका है. यहां का उर्दू प्राथमिक सरकारी विद्यालय एक ऐसी खामोश क्रांति की कहानी लिख रहा है जो सीधे निजी स्कूलों के अहंकार को चुनौती देती है. यहां का अनुशासन और अनोखी व्यवस्था देखकर लोग दंग रह जाते हैं. इस अनोखे विद्यालय में सुबह प्रार्थना के लिए बच्चे किसी घंटी की आवाज सुनकर नहीं दौड़ते हैं. यहां बच्चे अपने भीतर रचे-बसे संस्कारों की वजह से खुद-ब-खुद बेहद अनुशासित होकर एक सुंदर कतार में खड़े हो जाते हैं. विद्यालय में कदम रखते ही पूरी पाठशाला का

अनुशासन देखते ही बनता है.

किताबों से पहले बोलती दीवारें:

इस स्कूल की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां पढ़ाई किताबों से पहले दीवारों से शुरू होती है. स्कूल की हर एक दीवार ज्ञान का एक जीवंत पन्ना बन गई है, जिनमें से किसी पर महापुरुषों के विचार अंकित हैं तो किसी पर सामान्य ज्ञान. स्कूल की दीवारें खुद बच्चों को सामान्य ज्ञान, राज्यों की राजधानियां, योग और संस्कार सिखा देती हैं.

ड्रेस कोड का अनोखा नियम:

इस सरकारी स्कूल में अनुशासन का नियम इतना पक्का है कि बिना ड्रेस कोड के किसी भी बच्चे को प्रवेश की अनुमति नहीं है. यदि कोई बच्चा किसी वजह से स्कूल नहीं आ पाता है तो उसी दिन अभिभावक विद्यालय प्रशासन को अनुपस्थिति का कारण बताते हैं.

कलम से बदलती नई तकदीर:

कहा जाता है कि उस दौर में हालत यह थी कि पुलिस भी शाम के समय इस इलाके की सड़कों पर निकलने से कतराती थी. लेकिन आज उसी खौफजदा धरती पर मासूम बच्चे मुस्कुराते हुए कविताएं सुनाते हैं, वाद्य यंत्र बजाते हैं और अपनी कलम से इस क्षेत्र की एक नई तकदीर लिख रहे हैं.

दिखावे से दूर सच्ची लगन:

प्रधानाध्यापक कहते हैं कि यहां के सात शिक्षक अपने जन्मदिन या शादी की सालगिरह जैसे मौकों पर फिजूलखर्ची करने के बजाय वह पैसा गरीब बच्चों की ड्रेस और किताबों पर खर्च करते हैं. उनके मुताबिक यह सब किसी कैमरे या पब्लिसिटी के लिए नहीं बल्कि समाज को जगाने के लिए किया जाता है. वहीं स्थानीय अभिभावक सुनील कुमार लाल और आशुतोष कुमार लाल गर्व से कहते हैं कि इस सरकारी विद्यालय जैसा कड़ा अनुशासन और जीवन के ऊंचे संस्कार आज के बड़े-बड़े नामी निजी स्कूलों में भी देखने को नहीं मिलते.यहां के बच्चों का आत्मविश्वास वाकई हर किसी को हैरान कर देता है.

इमारत नहीं सोच बदलती है:

यकीनन यह सरकारी स्कूल आज समाज को यह बड़ी सीख दे रहा है कि असली बदलाव बड़ी और शानदार इमारतों से नहीं बल्कि एक ईमानदार और नेक सोच से आता है. अगर नेतृत्व और नीयत साफ हो तो एक साधारण सरकारी स्कूल भी पूरे देश के लिए सबसे बड़ी मिसाल बन सकता है.

भोजपुर में बेटी ने पिता पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, एफआईआर के बाद 164 का बयान दर्ज

एजेंसी

भोजपुर: आरा में एक पिता पर अपनी ही बेटी से दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगा है. पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में पुलिस ने पीड़िता का बयान भी दर्ज कराया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

पटना में दर्ज कराई शून्य प्राथमिकी:

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता मूल रूप से भोजपुर से सटे एक जिले की रहने वाली है और पिछले कुछ वर्षों से अपने परिवार के साथ आरा के नवादा थाना क्षेत्र में किराये के मकान में रह रही थी. पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके पिता

पिछले कुछ वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहे थे. पारिवारिक दबाव और सामाजिक परिस्थितियों के कारण वह लंबे समय तक मामले की शिकायत नहीं कर सकी.

पढ़ाई के लिए पटना जाने के बाद की शिकायत:

कुछ दिन पहले पीड़िता पढ़ाई के सिलसिले में पटना गई और एक हॉस्टल में रहने लगी. इसी दौरान उसने पटना के सुल्तानगंज थाने में अपने पिता के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शून्य प्राथमिकी दर्ज कराई. इसके बाद सुल्तानगंज थाना पुलिस ने प्राथमिकी को आवश्यक कार्रवाई के लिए आरा के नवादा थाना भेज दिया. प्राथमिकी मिलने के बाद नवादा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया. नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है.

164 के तहत बयान दर्ज:

पुलिस के अनुसार, पीड़िता का न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया है. मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है. पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है.

'2047 में सबसे शक्तिशाली देश बनेगा भारत', मुख्यमंत्री सम्राट ने तिरंगा यात्रा में कहा- इस मुहिम को सफल बनाएं

एजेंसी

पटना : बिहार की राजधानी पटना में सोमवार 10 अगस्त को 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई. यात्रा की शुरूआत जेपी गोलंबर से हुई. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तिरंगा यात्रा में शामिल होकर कार्यकताओं और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक हाथों में तिरंगा लेकर पहुंचे. देशभक्ति के नारों और तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा से राजधानी की सड़कों पर उत्साह और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला.

जेपी गोलंबर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा : तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और

कार्यकर्ता मौजूद रहे. जेपी गोलंबर से शुरू हुई यात्रा के दौरान लोगों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए. कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए थे. यात्रा के दौरान राजधानी की सड़कों पर लोगों की भीड़ नजर आई. हालांकि, इस कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक गलियारों में एक अलग चर्चा भी शुरू हो गई. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ कार्यक्रम स्थल पर दोनों उपमुख्यमंत्रियों की मौजूदगी नहीं दिखी. कार्यक्रम शुरू होने के बाद भी दोनों डिप्टी सीएम नजर नहीं आए. इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों और राजनीतिक कार्यकताओं के बीच उनकी गैरमौजूदगी को लेकर चर्चा होती रही.

सीएम आए लेकिन दोनों डिप्टी सीएम रहे गैरमौजूद : जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी फिलहाल पटना से बाहर हैं. इसी वजह से उनके तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की बात सामने आई. वहीं, दूसरे उपमुख्यमंत्री विजेंद्र यादव के कार्यक्रम में नहीं पहुंचने को लेकर भी अलग-अलग चचाएं होती रहीं. उनकी उम्र अधिक होने की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की चर्चा रही. हालांकि, विजेंद्र यादव के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने की आधिकारिक वजह की पुष्टि नहीं हुई है. ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी.

कार्यक्रम में देर से पहुंचे मंत्री : मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मंत्री अशोक चौधरी की मौजूदगी जरूर देखने को मिली. वह कार्यक्रम के दौरान मंच पर नजर आए और तिरंगा यात्रा में शामिल हुए. कार्यक्रम स्थल पर मौजूद नेताओं और कार्यकताओं के बीच मुख्यमंत्री के साथ मंच पर मौजूद नेताओं को लेकर भी लोगों की नजर बनी रही. इसी दौरान कार्यक्रम स्थल पर एक और स्थिति देखने को मिली. मंत्री दिलीप जायसवाल और मंत्री मिथिलेश तिवारी कार्यक्रम में देर से पहुंचे. दोनों मंत्री जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन्हें कुछ देर गेट पर ही इंतजार करना पड़ा. इसके बाद उन्हें कार्यक्रम स्थल के अंदर प्रवेश मिला.

देशभक्ति के नारों से गूंज उठा इलाका : तिरंगा यात्रा का आयोजन देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ किया गया. भाजपा कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में इसमें भाग लिया. हाथों में तिरंगा लिए कार्यकताओं की मौजूदगी और देशभक्ति के नारों से पूरा इलाका गूंजता रहा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में निकली इस यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला.

तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का माहौल : हालांकि, कार्यक्रम के दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री की अनुपस्थिति और कुछ मंत्रियों के देर से पहुंचने को लेकर राजनीतिक चर्चा जरूर तेज रही. विजय चौधरी के पटना से बाहर होने की जानकारी सामने आई है, जबकि विजेंद्र यादव की गैरमौजूदगी की आधिकारिक वजह स्पष्ट नहीं की गई है. ऐसे में कार्यक्रम का राजनीतिक संदेश जहां चर्चा में रहा, वहीं तिरंगा यात्रा ने राजधानी में देशभक्ति का माहौल बनाया.

संक्षिप्त खबरें

नेपाल की बारिश से उफान पर गंडक नदी, दर्जनों गांवों में घुसा पानी.. स्कूल परिसर भी जलमग्न

गोपालगंज: नेपाल के तराई इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर अब बिहार के गोपालगंज जिले में साफ तौर पर दिखने लगा है. गंडक नदी के

उफान पर आने से निचले और दियारा इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. दर्जन भर से अधिक गांव पानी के प्रचंड बहाव की चपेट में हैं और चारों तरफ केवल जलप्रलय का नजारा दिख रहा है.बाढ़ के पानी ने सदर प्रखंड और मांझा प्रखंड के दर्जनों गांवों को अपनी आगोश में ले लिया है. रामनगर, मेहंदिया, जगिरी टोला, खाप मकसूदपुर, कमल चौधरी के टोला, रामपुर टेंगराही, राजवाही और नेमुईया जैसे गांवों में तबाही का माहौल है. गांव की मुख्य सड़कों पर 3 से 5 फीट तक पानी बह रहा है, जिससे लगभग दो दर्जन गांवों का जिला व प्रखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह कट चुका है. गांवों के स्कूल, प्लस-टू विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और हेल्थ सेंटर पानी में डूब चुके हैं, जिससे बुनियादी सेवाएं ठप हैं.बाढ़ के कारण कई कच्चे और पक्के मकानों की नींव कमजोर हो चुकी है और उनके ढहने का खतरा लगातार मंडरा रहा है. दैनिक जरूरतों के सामान और भोजन के लिए लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर गहरे पानी से गुजरना पड़ रहा है. पानी में विषैले जलीय जीव-जंतुओं और सांपों का खतरा अलग से बना हुआ है, जिससे ग्रामीणों की रातें खौफ में बीत रही हैं. बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि इस आपदा के समय में भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस मदद नहीं पहुंची है. हालांकि अंचलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है लेकिन धरातल पर अबतक न तो कोई राहत सामग्री बांटी गई है और न ही लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए नाविक व्यवस्था की गई है.

पंचायत समिति सदस्य की गोली मारकर हत्या, आक्रोशितों ने सड़क जाम की

बिहार: जिले के एकंगरसराय थाना क्षेत्र स्थित तारापुर गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने पंचायत समिति सदस्य की गोली मारकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान जगाई गांव निवासी श्याम प्रसाद (45 वर्षीय) के रूप में हुई है. वह अमनारखास पंचायत के पंचायत समिति सदस्य थे.जानकारी के अनुसार, श्याम प्रसाद एक निजी अस्पताल में ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान तारापुर गांव के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी. गले में गोली लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई. श्याम प्रसाद की हत्या किस वजह से की गई, इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है.गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे. लेकिन तब तक हमलावर मौके से फरार हो गए. इसके बाद मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और एकंगरसराय चौक के पास शव रखकर सड़क जाम कर दिया. इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही काफी देर तक प्रभावित रही.सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद हिलसा डीएसपी-2 कुमार ऋषिराज कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशितों को समझाकर जाम हटाने की कोशिश की. पुलिस अधिकारियों द्वारा हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा देने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े अहम सुराग जुटा रही है. घटनास्थल से सबूत जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है.फिलहाल पुलिस हमलावरों की पहचान करने के साथ हत्या के कारणों का पता लगा रही है. पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है.

सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ धाम में आस्था का जनसैलाब, पहली बार हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

मुजफ्फरपुर: उत्तर बिहार के देवघर कहे जाने वाले मुजफ्फरपुर स्थित बाबा गरीबनाथ धाम में सावन की दूसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. देर रात से ही डाक कांवरियों और अन्य भक्तों के जलाभिषेक का सिलसिला जारी रहा. मंदिर परिसर से लेकर कांवरिया मार्ग तक हर तरफ हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे. इस बार प्रदोष तिथि भी होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में खासा इजाफा हुआ. मंदिर के पुजारी अभिषेक पाठक ने बताया कि अब तक करीब डेढ़ लाख डाक कांवरिया और दो लाख से अधिक अन्य कांवरिया व श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर चुके हैं. कुल मिलाकर साढ़े तीन लाख से अधिक भक्त जल अर्पित कर चुके हैं. रास्ते में जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं. लंबी यात्रा पूरी करने के बाद कांवरिए मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं. मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से जल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं. मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा को लेकर खासी खुशी जताई. कई भक्तों का कहना था कि उन्होंने पहली बार बाबा गरीबनाथ धाम में इस तरह आसमान से फूलों की बारिश होते देखी है. एक श्रद्धालु ने कहा कि यह दृश्य बेहद खास और यादगार रहा. उन्होंने इस पहल के लिए सरकार को धन्यवाद दिया.श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. करीब दो हजार से अधिक बिहार पुलिस के जवान और बड़ी संख्या में दंडाधिकारी तैनात हैं. साथ ही 3200 से अधिक स्वयंसेवक भीड़ नियंत्रण और सहायता में लगे हुए हैं। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन की व्यवस्था भी की गई है.एसएसपी कांतेश मिश्रा ने बताया कि संभावित भीड़ के अनुमान के आधार पर पर्याप्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है. यातायात सुचारु रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण रूट डायवर्ट किए गए हैं. डीएम कुमार गौरव ने कहा कि वे खुद पूरी व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो. लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद जलाभिषेक व्यवस्था सुचारु रुप से चल रही है. सुरक्षा बल और स्वयंसेवक भीड़ नियंत्रण के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं. मंदिर परिसर और कांवरिया मार्ग पर प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं.

पटना एचसी को जल्द मिलेगा नया मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस वी. कामेश्वर राव के नाम की सिफारिश

एजेंसी

पटना : पटना हाईकोर्ट को जल्द ही नया मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) मिल सकता है. सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की है. केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो जाएगा.

मीनाक्षी मदन राय के रिटायर होने के बाद खाली हुआ पद

बता दें कि जस्टिस मीनाक्षी मदन राय 11 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हो गईं. 5 जून को पटना हाईकोर्ट के 48वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाली मीनाक्षी मदन राय के रिटायर के बाद जस्टिस सुधीर सिंह को पटना हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारी दी गई. फिलहाल वही इस पद का काम

संभाल रहे हैं.

कौन हैं जस्टिस वी. कामेश्वर राव?

सर्विस लॉ, लेबर लॉ, संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून के जानकार माने जाने वाले जस्टिस वी. कामेश्वर राव का जन्म 7 अगस्त 1965 को हुआ था. उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की. वर्ष 1987 में उन्होंने भूगोल से बीए ऑनर्स किया और 1990 में एलएलबी की डिग्री हासिल की.मार्च 1991 में उन्होंने दिल्ली बार काउंसिल में वकील के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराया. करीब दो दशक तक वकालत करने के बाद जनवरी 2010 में दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा दिया.

2013 में बने दिल्ली हाईकोर्ट के जज

जस्टिस कामेश्वर राव ने 17 अप्रैल 2013 को दिल्ली हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में अपने न्यायिक करियर की शुरूआत की. करीब दो साल बाद 18 मार्च 2015 को वे स्थायी न्यायाधीश बने. इसके बाद 1 जून 2024 को उनका तबादला कर्नाटक हाईकोर्ट कर दिया गया. वहां उनके काम को देखते हुए 30 मई 2025 को उन्हें कर्नाटक हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया. इसके बाद वे दोबारा दिल्ली हाईकोर्ट लौटे और 21 जुलाई 2025 को वहां न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाल लिया.

शादी से मुकरा प्रेमी, 250 किलोमिटर दूर से पहुंची गर्लफ्रेंड

एजेंसी

औरंगाबाद: बिहार के औरंगाबाद जिले के अम्बा थाना क्षेत्र में झारखंड बॉर्डर पर स्थित एरकी उत्पाद विभाग चेकपोस्ट पर सोमवार को अचानक हंगामा मच गया. ड्यूटी पर तैनात एक सिपाही से एक युवती उलझ पड़ी. भीड़ जमा होने और विवाद बढ़ने पर किसी ने डायल 112 पर सूचना दे दी. पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले गई.

सिपाही से मिलने पहुंची प्रेमिका

पूछताछ में पता चला कि युवती समस्तीपुर की पूजा कुमारी है और सिपाही अंकेश कुमार उसकी चार साल पुरानी प्रेमिका है. दोनों समस्तीपुर जिले के रहने वाले हैं और स्कूल के दिनों से एक साथ पढ़ते थे. दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई थी. अंकेश ने पहले प्रपोज किया था, जिसे पूजा ने शुरू में ठुकरा दिया था, लेकिन बाद में राजी हो गई.

सिपाही ने किया शादी से इनकार:

करीब तीन साल पहले अंकेश का बिहार पुलिस में सिपाही पद पर चयन हो गया. नौकरी लगने के बाद मुलाकातें कम हो गईं, हालांकि फोन पर संपर्क बना रहा. पूजा के परिवार वाले उनकी शादी के रिश्ते तलाशने लगे. तब उसने घरवालों को अंकेश के बारे में बताया. परिवार राजी हो गया, लेकिन अंकेश ने शादी से साफ इनकार कर दिया. पूजा को पता चला कि अंकेश की शादी कहीं और तय हो चुकी है. यह जानकर वह घरवालों को बताए बिना ही समस्तीपुर से करीब 250 किलोमीटर का सफर तय कर औरंगाबाद के अम्बा थाना क्षेत्र पहुंचीं और चेकपोस्ट पर ड्यूटी कर रहे अंकेश से आमने-सामने हो गई. विवाद के दौरान पुलिस ने दोनों को थाने बुलाया.

नौकरी के बाद बदल गया प्रेमी:

पूजा कुमारी ने बताया कि स्कूल के दिनों में ही अंकेश से मुलाकात हुई थी. पढ़ाई के दौरान दोस्ती प्यार में बदल गई. नौकरी लगने के बाद अंकेश बदल गया और शादी से मुकर गया. पूजा ने कहा कि वो शादी की जिद पर अड़ी रहीं और आखिरकार अपना हक हासिल कर लिया.

क्या कहती है पुलिस?:

अम्बा थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि दोनों बालिग हैं और पहले से प्रेम संबंध था. दोनों पक्षों के परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया. परिजनों की मौजूदगी और सहमति से स्थानीय सतबहिनी मंदिर के प्रांगण में दोनों की शादी करा दी गई. दोनों परिवारों की सहमति से विवाह संपन्न होने के बाद मामला शांत हो गया.

बीएमपी-3 में जवानों को ट्रेनिंग देने के कारण लड़खड़ाकर गिरे प्रशिक्षक, मौत

एजेंसी

गया: बिहार के गया स्थित बीएमपी 3 में ड्यूटी में तैनात एक अनुदेशक सिपाही की मौत हो गई है. हालांकि वहां मौजूद जवानों ने उनकी तबीयत बिगड़ने के कुछ देर बाद उन्हें प्रारंभिक चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने की भी कोशिश की लेकिन अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. इस घटना के बाद बीएमपी के अधिकारियों ने उनके परिजनों को सूचना दे दी है. मृतक की पहचान निकेश कुमार (35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो खगड़िया जिले के रहने वाले थे. वह बीएमपी 14 के सिपाही थे और गयाजी स्थित बीएमपी 3 में अनुदेशक के रूप में पिछले 3 महीने से पदस्थापित थे. सोमवार सुबह करीब सात बजे वो जवानों को ट्रेनिंग दे रहे थे. उसी दौरान अचानक गिर पड़े. आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन तबतक उनकी मौत हो चुकी थी. निकेश कुमार के एक मित्र जवान ने बताया कि पिछले तीन महीनें से बीएनपी 3 बोधगया में तैनात थे. बीएमपी के जवानों को पीटी कराया करते थे. पीटी कराने के दौरान ही हृदय गति रुकने से उनकी मौत हुई है.

खगड़िया से आ रहे हैं परिजन

निकेश कुमार शादीशुदा थे. उनके दो बच्चे भी हैं. साल 2018 में वह पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे. उनकी मौत की खबर मिलने के बाद परिजन अपने पैतृक स्थान से गया के लिए निकल चुके हैं. पोस्टमार्टम भी परिजनों के आने के बाद ही होगा.

किशनगंज में इंजीनियर का शव 26 घंटे बाद बरामद, डोक नदी में दोस्तों के साथ गया था नहाने

एजेंसी

किशनगंज: बिहार के किशनगंज जिले में लापता हुए इंजीनियर की लाश को 26 घंटे बरामद हुई है. पोठिया प्रखण्ड स्थित पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र के सातमेरी डोक नदी घाट पर शनिवार दोपहर नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 30 वर्षीय जूनियर इंजीनियर कुशल सुब्बा लापता हो गये थे. एसडीआरएफ की टीम ने घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर सिंघीमारी डोक नदी घाट के पास पानी के नीचे से शव बरामद किया. शव मिलने की सूचना परिजनों को दी गई. मृतक के पिता भाई कबीर, मां बिना सुब्बा और भाई कुणाल सुब्बा ने शव की पहचान कुशल सुब्बा के रूप में की. स्थानीय लोगों ने बताया कि कुशल सुब्बा पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर स्थित तीस्ता कैनाल में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे. शनिवार दोपहर वह अपने आठ साथियों के साथ पहाड़कट्टा थाना

क्षेत्र के सातमेरी डोक नदी घाट पर नहाने पहुंचे थे.

कुशल सुब्बा नहाने के दौरान अचानक नदी के गहरे पानी में चले गए. पानी की गहराई अधिक होने के कारण वह खुद को संभाल नहीं सके और देखते ही देखते नदी में लापता हो गए. स्थानीय लोगों ने तत्काल नदी में उनकी तलाश शुरू की, लेकिन तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण सफलता नहीं मिली.

घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और अंचल अधिकारी मोहित राज को दी गई. इसके बाद प्रशासन की ओर से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया. सीओ मोहित राज के नेतृत्व में एसडीआरएफ ने नदी में तलाशी अभियान शुरू किया. शनिवार देर शाम तक खोजबीन जारी रही, लेकिन कुशल का कोई सुराग नहीं मिला. अंधेरा होने और नदी में तेज बहाव के कारण तलाशी अभियान में कठिनाइयां आई. रविवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने दोबारा अभियान शुरू किया. नदी के बहाव और संभावित दिशा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ली गई. करीब 26 घंटे के प्रयास के बाद टीम को घटनास्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर सिंघीमारी डोक नदी घाट के पास पानी के नीचे कुशल सुब्बा का शव मिला. एसडीआरएफ जवानों ने पानी के अंदर जाकर शव को बाहर निकाला. परिजन ज्योति सुब्बा मुताबिक कुशल सुब्बा की नौकरी करीब आठ महीने पहले इस्लामपुर स्थित तीस्ता कैनाल में जूनियर इंजीनियर के पद पर लगी थी. इससे पहले भी वह सातमेरी डोक नदी घाट पर आ चुके थे. महज 30 साल की उम्र में नदी हादसे में उनकी मौत की खबर से परिवार के साथ-साथ सहकर्मियों में भी शोक की लहर है. शनिवार से परिजन नदी घाट और आसपास के इलाके में कुशल के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे. पहाड़कट्टा थानाध्यक्ष फूलेंद्र कुमार ने बताया रविवार को शव मिलने के बाद उनकी उम्मीद मातम में बदल गई. पहाड़कट्टा पुलिस एवं छत्तरगाछ पुलिस द्वारा शव का पंचनामा सहित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई. पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा.

खबर संक्षेप

पीएफसी का लाभ मामूली बढ़कर 8,998 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था।'

एफपीआई ने पहले सप्ताह की 12,921 करोड़ की शेयर खरीदी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला अगस्त में भी जारी है। विदेशी निवेशकों ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय शेयरों में 12,921 करोड़ का निवेश किया है। बेहतर होती वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये की स्थिरता की वजह से एफपीआई के लिए भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है। अगस्त का यह आंकड़ा जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ के निवेश के बाद आया है।

पूंजीकरण में एसबीआई को हुआ सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत के लाभ में रहा।

ब्रिक्स की अलग मुद्रा के पक्ष में नहीं है भारत : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत, ब्रिक्स समूह की अलग मुद्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं है और ऐसी किसी योजना का समर्थन नहीं करता है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की उभरती और विकासशील 11 अर्थव्यवस्थाएं - ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। यह समूह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम करता है।

हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को 66.26 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को जून तिमाही में 66.26 करोड़ रुपये का एकीकृत नुकसान हुआ है। ''बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट'' कंपनी ने बताया कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 11.16 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 1,050.36 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी का वित्तवर्ष 2025-26 की जून तिमाही में परिचालन राजस्व 1,056.23 करोड़ रुपये रहा था।

सुधारों की रफ्तार बढ़ाने, कारोबार सुगमता बेहतर करने की जरूरत

मारुति के चेयरमैन का केंद्र और राज्य सरकारों से अपील

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आर सी भार्गव ने केंद्र और राज्य सरकारों से आर्थिक सुधारों की रफ्तार तेज करने तथा कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर करने के प्रयास बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से ऐसे सुधारों और कार्यक्रमों का समर्थन करने को कहा है, जो देश में संपत्ति और रोजगार के नए अवसर पैदा करते हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में शेयरधारकों को दिए संदेश में भार्गव ने कहा कि सरकार और विपक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुधारों से पैदा होने वाले अतिरिक्त संसाधनों का इस्तेमाल अधिक न्यायपूर्ण और समान समाज के निर्माण में किया जाए। भार्गव के अनुसार, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद देश के वाहन उद्योग की वृद्धि की संभावनाएं बेहतर हुई हैं।

देश का कार बाजार 63 लाख इकाई सालाना पहुंचा

मारुति का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक भारत का कार बाजार 61 लाख से 63 लाख इकाई सालाना तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में छोटी कारों की मांग पिछले पांच साल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर, 2025 से नई जीएसटी दरें लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में मारुति सुजुकी की खुदरा बिक्री में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

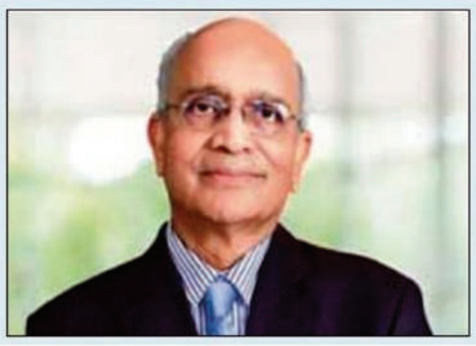

पहली तिमाही में बिक्री 38 फीसदी बढ़ी

मार्च, 2026 के अंत में कंपनी के पास करीब 1.9 लाख लंबित बुकिंग थीं। इसका प्रमुख कारण मांग वाले मॉडल के लिए उत्पादन क्षमता का पर्याप्त नहीं होना था। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पूरे उद्योग की वृद्धि 28 प्रतिशत रही। इसी अवधि में छोटी कारों की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

नई उत्पादन लाइन को लचीला बना रही

भार्गव ने कहा कि कंपनी अब अपनी नई उत्पादन लाइन को अधिक लचीला बना रही है, ताकि मांग के अनुसार इसमें बदलाव किया जा सके। इससे बाजार में मांग बढ़ने पर कंपनी तेजी से उत्पादन बढ़ा सकेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र पर भार्गव ने कहा कि भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने के लिए किसी एक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के बजाय कई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करना होगा।

चांदी के आभूषणों की जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू

सोने के दाम चढ़ने के बाद चांदी के आभूषणों की मांग बढ़ी, हॉलमार्किंग क्षमता बढ़ाएगा बीआईएस

नई दिल्ली

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच चांदी के आभूषणों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उनकी (चांदी के आभूषणों की) जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। बीआईएस अगले दो साल में देशभर में चांदी के आभूषणों की जांच के लिए 'संदर्भ' और 'परीक्षण' प्रयोगशालाओं का विस्तार करेगा।

- अगले दो साल में जांच के लिए संदर्भ और परीक्षण प्रयोगशालाओं का होगा विस्तार

बीआईएस की उप महानिदेशक (प्रयोगशाला) निशात एस हक ने बताया कि चांदी के आभूषणों की जांच की बढ़ती जरूरत को देखते हुए संगठन ने अपनी तैयारियों का आकलन कर लिया है और अब अपनी प्रयोगशालाओं में बड़े पैमाने पर जांच के लिए तैयार है।

खास बातें

- सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों पर एचयूआईडी नंबर दिया जा रहा
- नंबर से उपभोक्ता आभूषणों की शुद्धता की जांच कर सकता है

चांदी की हॉलमार्किंग अभी स्वैच्छिकः हक ने कहा कि अगले करीब दो साल तक बीआईएस अपनी मौजूदा प्रयोगशालाओं के जरिये बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करने में सक्षम होगा। इस अवधि के दौरान देशभर में संदर्भ और परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार किया जाएगा। चांदी की हॉलमार्किंग वर्ष, 2005 से स्वैच्छिक है।

चांदी के आभूषणों की संख्या 59 लाख हुई

सितंबर, 2025 से हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (एचयूआईडी) नंबर भी दिया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता आभूषण की शुद्धता की जांच कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों की संख्या बढ़कर 59 लाख हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 32 लाख थी।

जांच बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता

फिलहाल देशभर में करीब 230 संदर्भ और परीक्षण केंद्र बीआईएस से मान्यता प्राप्त हैं जो चांदी के आभूषणों की जांच करते हैं। हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की बाजार निगरानी के तहत होने वाली सभी जांच बीआईएस अपनी प्रयोगशालाओं में ही करता है। इस काम को बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता।

बीआईएस ने 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की

हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले आभूषणों की बाजार निगरानी के लिए बीआईएस ने अपनी प्रयोगशाला व्यवस्था के भीतर ही संदर्भ (रेफरल) और परीक्षण (एसे) प्रयोगशाला स्थापित की है। बीआईएस ने पिछले वर्ष करीब 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की।

संगठन की देशभर में 10 प्रयोगशालाएं

संगठन के पास फिलहाल देशभर में अपनी 10 प्रयोगशालाएं हैं, जबकि मान्यता प्राप्त निजी और सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाओं का व्यापक नेटवर्क भी उसके साथ जुड़ा है। हक के अनुसार, वर्ष 2014 में बीआईएस के साथ करीब 147 मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं और 24 सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाएं थीं। अब इनकी संख्या क्रमशः 440 और 350 हो गई है।

कुल 23 हजार मानक निर्धारित

बीआईएस ने कुल करीब 23,000 मानक निर्धारित किए हैं, जिनमें लगभग 700 अनिवार्य हैं। बीआईएस जांच की गति बढ़ाने, पारदर्शिता सुधारने और मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स का इस्तेमाल भी बढ़ाने पर काम कर रहा है।

दिसंबर तक संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करेगा पीएनबी

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने होगी सेवा शुरू

नई दिल्ली

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) इस साल दिसंबर तक अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने यह जानकारी दी। चंद्रा ने कहा, 'हमारी संपत्ति प्रबंधन योजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि बैंक के पास ग्राहक संबंध प्रबंधक (सीआरएम) मौजूद हों। छह महीने पहले हमने 1,700 शाखाओं में लगभग 1,700 सीआरएम तैनात किए। उनका मुख्य काम हर शाखा के 250 से 300 बड़े और प्रमुख ग्राहकों के कामकाज को देखना है।' सरकारी क्षेत्र का यह बैंक अब इस महीने के अंत तक 1,300 और सीआरएम तैनात करने की योजना बना रहा है। इन्हें चुनी गई अन्य 1,300 शाखाओं में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया, यह हमारा पहला कदम था। संपत्ति प्रबंधन पहल के लिए हमने सलाहकारों से भी बात करना शुरू कर दिया है। सीईओ ने कहा, बहुत जल्द हम इस सेवा के लिए भागीदार चुनने की प्रक्रिया शुरू करने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले तीन से चार महीनों में हमारी संपत्ति प्रबंधन सेवा पूरी तरह तैयार हो जाएगी।

- बैंक इस दिसंबर तक इस सेवा को शुरू कर देगा

अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा

क्रेडिट कार्ड कारोबार के बारे में बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि बैंक इस क्षेत्र के विस्तार पर काम कर रहा है, जिसे एक महाप्रबंधक की देखरेख में अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया, ''बैंक के पास 31 मार्च, 2025 तक केवल 6.6 लाख क्रेडिट कार्ड धारक थे। हालांकि, हमने इसमें बड़ी संभावनाएं देखीं और कारोबार को तेजी से बढ़ाने का फैसला किया। सबसे पहले एक डिजिटल ढांचा तैयार किया गया, जिसमें हमें लगभग पांच महीने का समय लगा।''

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

इस सप्ताह जारी होंगे मुद्रास्फीति के आंकड़े

नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और इस सप्ताह जारी होने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां प्रभावित करेगा बाजार

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशकों की नजर जुलाई के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा भंडार के ताजा आंकड़ों पर रहेगी। इनसे महंगाई के रुख और बाह्य क्षेत्र की स्थिति का संकेत मिलेगा। मिश्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों का दौर भी गति पकड़ेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत फोर्ज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ईरान से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर रहेगी।

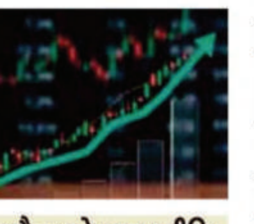

14 अप्रैल को मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि पिछले सप्ताह नई समापन नीलामी व्यवस्था पहली बार लागू होने के कारण यह बाजार का प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक दृष्टि से भी यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। भारत में 12 अगस्त को सीपीआई आधारित और 14 अगस्त को डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक ने पेश किया 'हाइब्रिड होम लोन'

नई दिल्ली

कोटक महिंद्रा बैंक ने ग्राहकों को आवास ऋण की मासिक किस्त (ईएमआई) को लेकर अधिक निश्चितता देने के उद्देश्य से 'हाइब्रिड होम लोन' पेश किया है। इसके तहत ग्राहक 65 महीने तक अपने आवास ऋण की ब्याज दर तय रख सकेंगे। बैंक ने रविवार को जारी बयान में कहा कि घर खरीदना किसी परिवार की वित्तीय यात्रा की शुरुआत भर होता है। शुरुआती वर्षों में परिवारों को घर की साज-सज्जा, बच्चों की शिक्षा, बचत और अन्य दैनिक खर्चों के साथ ईएमआई का भी प्रबंधन करना पड़ता है। बयान के अनुसार, इस योजना के तहत ग्राहक 39, 52 या 65 महीने की निश्चित ब्याज दर अवधि चुन सकते हैं। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेपो दर में बदलाव होने पर भी उनके ऋण की ब्याज दर और ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा बैंक फिलहाल 7.6 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर आवास ऋण उपलब्ध करा रहा है।

अवधि पूरी होने पर ऋण स्वतः फ्लोटिंग होगा

निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ऋण स्वतः परिवर्तनीय (फ्लोटिंग) ब्याज दर व्यवस्था में बदल जाएगा, जो रेपो दर और ऋण स्वीकृति के समय तय किए गए अतिरिक्त मार्जिन (स्प्रेड) से जुड़ी होगी। बैंक के अनुसार, एक करोड़ रुपये के आवास ऋण पर यदि ब्याज दरें हाल के उच्च स्तर तक बढ़ती हैं, तो उधारकर्ता को 3.46 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है।

इस सप्ताह पांच कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता धूत ट्रांसमिशन, टेमासेक समर्थित शिपरॉकेट और मिल्की मिस्ट डेयरी फूड सहित पांच कंपनियां इस सप्ताह अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने जा रही हैं। इन आईपीओ के जरिये कंपनियां कुल मिलाकर 7,400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बना रही हैं।

- कंपनियों का 7,400 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य

रोगों की त्वरित जांच उपकरण बनाने वाली कंपनी मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा। इसके बाद 11 अगस्त को मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का आईपीओ खुलेगा। ई-कॉमर्स कारोबार के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट और इंजीनियरिंग कास्टिंग तथा मिश्रधातु इस्पात उत्पाद बनाने वाली बिहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा।

इन पांचों कंपनियों का लक्ष्य सार्वजनिक निर्गम के जरिये करीब 7,443 करोड़ रुपये जुटाना है। इससे अगले सप्ताह प्राथमिक बाजार में काफी गतिविधियां रहने की उम्मीद है। ईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और अन्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

मिल्की मिस्ट 1,553 करोड़ का ला रही निर्गम

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 अगस्त को 133-140 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे पर खुलेगा। इसमें 1,428 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 125 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश होगी। शिपरॉकेट ने 1,617.5 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 92-97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 885.50 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

बिहाली लाल का आईपीओ 12 को खुलेगा

बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने 271-285 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 93 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारक 73.20 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे।

बिकवाली से सोयाबीन और पाम तेल दाम में गिरावट

नई दिल्ली। लागत से कम दाम पर बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट आई। इसके अलावा सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी मामूली गिरावट रही। दूसरी ओर, आवक कम रहने और आगामी त्योहारों की मांग के बीच सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता के बीच ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में बीते सप्ताह मामूली तेजी रही। बाजार सूत्रों ने कहा कि आयातक बैंकों में अपना कर्ज (ऋण साख-पत्र या एलसी) घुमाते रहने के लिए माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं।

हुंडई को दूसरी तिमाही से निर्यात के आंकड़े में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से निर्यात कारोबार में मजबूत सुधार की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा है कि प्रमुख बाजारों में मजबूत मांग और बेहतर बकाया ऑर्डर की वजह से निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है। कंपनी के निर्यात में वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 19.6 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 38,708 इकाई रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 48,140 वाहनों का निर्यात किया था। गर्ग ने विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा कि पिछले वित्त वर्ष के अंत में शुरू हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर पहली तिमाही में भी पश्चिम एशिया के निर्यात पर पड़ा। इसके अलावा, जून में उत्पादन में आई अस्थायी बाधा की वजह से भी निर्यात की मात्रा प्रभावित हुई। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी के निर्यात कारोबार की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। प्रमुख बाजारों में ऑर्डर का अच्छा 'बैकलॉग' है और ग्राहकों की मांग भी मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी पूरे वित्त वर्ष के लिए आठ से 10 प्रतिशत की समग्र वृद्धि के अनुमान को हासिल करने को लेकर आश्वस्त है।

- निर्यात कारोबार में मजबूत सुधार की उम्मीद

एक्सटर का पहली बार एलएचडी संस्करण पेश

एक्सटर के बाएं हाथ की ओर से चलाने वाले (एलएचडी) संस्करण को पहली बार पेश किया गया है। इसके निर्यात की शुरुआत चालू तिमाही में हुई है और तीसरी तिमाही तक इसे 13 बाजारों में पहुंचाने की योजना है। हालांकि, गर्ग ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते माल ढुलाई से जुड़ी चुनौतियां अभी बनी हुई हैं।

कच्चे माल की बढ़ती लागत से कंपनियां दाम बढ़ाने मजबूर

रोजमर्रा सामानों के दाम बढ़ा सकती है कंपनियां

नई दिल्ली

कच्चे माल की बढ़ती लागत, जिंसों की महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच देश की रोजमर्रा के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां सितंबर तिमाही में चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं।

- कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाने जैसे कदम उठा सकती है

कंपनियों का मानना है कि उपभोक्ता मांग, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और राजस्व वृद्धि के चलते बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है। एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनियों ने जून तिमाही में कीमतों में औसतन दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ोतरी की थी।

मानसून और अल नीनो पर नजरः अब मौजूदा तिमाही में लाभप्रदता बनाए रखने के लिए कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाकर या चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने जैसे कदम उठा रही हैं। साथ ही वे महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा मानसून और अल नीनो जैसे मौसम संबंधी जोखिमों पर भी नजर बनाए हुए हैं।

मौजूदा तिमाही में भी बढ़ सकती है कीमतें : गोदरेज

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) मौजूदा तिमाही में भी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, कंपनी फिलहाल जिंस कीमतों का रुख स्पष्ट होने तक कोई बड़ा फैसला नहीं लेना चाहती। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधीर सीतापति ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण कंपनी ने अब तक बड़ी मूल्य वृद्धि से परहेज किया है।

बिस्कुट के पैक का वजन कम करेगी : ब्रिटानिया

बेकरी उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा कि चीनी और पाम तेल की ऊंची कीमतों के कारण वह पांच रुपये और 10 रुपये वाले बिस्कुट पैक का वजन घटाकर सितंबर तिमाही में कीमतों में करीब 1.5 से दो प्रतिशत की प्रभावी बढ़ोतरी करेगी।

कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है : डाबर इंडिया

डाबर इंडिया ने कहा कि निकट भविष्य में कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है। ऐसे में कंपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए चुनिंदा मूल्य वृद्धि के साथ उत्पादकता और लागत दक्षता पर विशेष ध्यान देगी। कंपनी को मजबूत ब्रांड, नए उत्पादों की श्रृंखला और प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर वित्त वर्ष 2026-27 में दोहरे अंक की राजस्व वृद्धि का भरोसा है।

दो से पांच फीसदी वृद्धि संभव : एचयूएल

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के भी सितंबर तिमाही में विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में कीमतें बढ़ाने की संभावना है। कंपनी का अनुमान है कि अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में सितंबर तिमाही में महंगाई दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स, एक सप्ताह में भारत का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब

■ चालिहा ने चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान को 53 मिनट में दी मात

आसन

भारत की अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

असम की रहने वाली इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले मैच में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दूसरे सप्ताह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीता। तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार को ताइपे ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

यह अविश्वसनीय : अश्मिता

विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है लेकिन मैं इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। इसने मेरी आगे और भी कुछ हासिल करने की भूख बढ़ा दी है।' चालिहा ने कहा, 'पहले गेम में ड्रिफ्ट की वजह से थोड़ी मुश्किल हुई, इसलिए मैं इस पर नियंत्रण नहीं बना सकी लेकिन दूसरे गेम में दूसरी तरफ स्थिति बेहतर थी और ड्रिफ्ट कम थी, इसलिए मैं इसे नियंत्रित कर पाई। तीसरे गेम में 11 प्वाइंट के बाद, मैंने फिर से रणनीति बदली, इसलिए मैं बेहतर स्थिति में थी। मुझे खुशी है कि मैं यह कर पाई।

2024 में कोरिया ओपन में चोटिल हुई थी अश्मिता

अश्मिता 2024 में कोरिया ओपन के दौरान चोटिल हो गई थी। उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी, जिसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने अगले साल फरवरी में वापसी की और 14 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

चालिहा ने की अच्छी शुरुआत

फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले 3-0 और फिर 9-5 से बढ़त हासिल कर ली। लेकिन हान ने शानदार वापसी की और उन्होंने स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। चीनी शटलर ने अपनी लय हासिल करने के बाद लगातार अंक बनाए और मैच पर नियंत्रण बना दिया। इसके बाद उन्हें पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। चालिहा ने दूसरे गेम में अधिक आत्मविश्वास के साथ आक्रामक खेल दिखाया और अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल करते हुए हान पर दबाव बनाया।

चालिहा को मिला चैंपियनशिप प्वाइंट

भारतीय खिलाड़ी ने एक क्रॉस-कोर्ट विनर से स्कोर 19-14 कर दिया। इसके बाद हान ने अपना रिटर्न शॉट बाहर मार दिया, जिससे चालिहा को चैंपियनशिप प्वाइंट मिल गया और फिर उन्होंने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने में देर नहीं लगाई।

वॉर्मअप मैच : भारत ने 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया

जायसवाल की वापसी और सिराज का धमाका, श्रीलंका-11 पर आसान जीत

कोलंबो

यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की उपयोगी पारियों के बाद मोहम्मद सिराज के तूफानी अंदाज ने भारत को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट एकादश पर 6 विकेट से शानदार जीत दिला दी।

जीत के लिए 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 45 ओवर में 4 विकेट पर 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सिराज ने महज 15 गेंदों में लगातार 3 छक्कों की मदद से नाबाद 32 रन ठोके। पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में जोरदार वापसी की। उन्होंने केवल 46 गेंदों पर 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

कप्तान गिल ने वापसी करते हुए बनाए 44 रन

लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल और गिल ने पहले विकेट के लिए 105 रन की आक्रामक साझेदारी कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। जायसवाल अर्धशतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड हुए, ताकि टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी अभ्यास का पर्याप्त मौका मिल सके। अंगुली की चोट के कारण मैच के शुरुआती दो दिन मैदान से बाहर रहे कप्तान गिल ने वापसी करते हुए 44 रन बनाए। वह स्पिनर केशरा नुवांथा की गेंद पर आउट हुए। गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट से पहले बड़ी सकारात्मक खबर रही। ध्रुव जुरेल ने 17 रन का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने धैर्यपूर्ण 28 रन की पारी खेली। एक समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 155 रन हो गया था। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम सत्र में जीत की औपचारिकता पूरी की, जहां सिराज के बल्ले से अंतिम ओवर में लगे लगातार 3 छक्कों ने भारतीय खेमे का पूरा मनोरंजन किया।

जायसवाल ने खेली 61 रन की पारी

सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का ने खेली शानदार पारी

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट एकादश ने अपनी दूसरी पारी 45 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी थी और भारत के सामने 207 रन का लक्ष्य रखा था। सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का ने 73 गेंदों पर 63 रन की सर्वाधिक पारी खेली। पहली पारी में भी उन्होंने अर्धशतक लगाया था। निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन बनाए। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक सफलता मिली। श्रृंखला का पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में शुरू होना है। अभ्यास मैच में कप्तान गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी, जायसवाल का तेज अर्धशतक और पडिक्कल का शतक भारत के लिए सकारात्मक चीजें रही।

पंत ने खेली 21 डॉट बॉल

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के साथ प्रैक्टिस मैच की दूसरी पारी में काफी नाटकीय बैटिंग की। उन्होंने पहली पारी में सस्ते में निपटने के बाद दूसरी पारी में खाता खोलने के लिए 22 गेंद ली। पंत ने छक्के के साथ खाता खोला और इस तरह का शॉट लगाया कि गेंद मैदान से बाहर चली गई और खो गई। इससे पहले उन्होंने, जो 21 गेंद खेली थी उनमें कोई भी स्कोरिंग शॉट नहीं था। पंत का यह बैटिंग का अनोखा तरीका रहा। इससे पहले कभी वे ऐसे नहीं खेले।

खबर संक्षेप

श्रीलंका टेस्टः टीम में शामिल हुए सरफराज

नई दिल्ली। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए चोटिल साई सुदर्शन की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया। बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन को पिछले महीने भारत ए के दौरे के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी।

बैलेरेट ओपन स्क्वाश में दूसरे स्थान पर रहीं सान्या

नई दिल्ली। भारत की सान्या वत्स ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में खेले गए 3000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर इवेंट बैलेरेट ओपन स्क्वाश में उपविजेता रही। दूसरी वरीयता प्राप्त सान्या महिला एकल के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त सारा कार्डवेल से 6-11, 8-11, 6-11 से हार गईं।

ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने मेघवाल

यूजीन

बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जबकि शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया और प्रतियोगिता में उसके कुल पदकों की संख्या तीन पहुंच गई।

19 वर्षीय मेघवाल ने 2.21 मीटर की कूद लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण पदक, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता केवल 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई को पार करने के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया। अयाची ने अपने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप

एथलेटिक्स में ऐतिहासिक दिन शाहनवाज ने लंबी कूद में जीता कांस्य

बसंत कुमार मेघवाल

मेघवाल ने किया 10 सेंटी मीटर का सुधार

भारतीय नौसेना में कार्यरत मेघवाल के रजत पदक ने उन्हें विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाला पहला भारतीय भी बना दिया। भारतीय महिला ऊंची कूद की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सहाना कुमारी से प्रशिक्षण लेने वाले मेघवाल ने इस सत्र में अपने प्रदर्शन में 10 सेंटीमीटर का सुधार किया है। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.11 मीटर था।

शाहनवाज ने लगाई सर्वश्रेष्ठ छलांग

इसके बाद शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या को तीन तक पहुंचा दिया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। उन्होंने क्रमशः 7.67 मीटर, 7.72 मीटर, 7.84 मीटर, 7.52 मीटर, 7.83 मीटर और 5.37 मीटर छलांग लगाई। फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय आरसी जिथिन अर्जुनान ने अपने पहले और चौथे प्रयास में 7.59 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल इन्जोली ने 7.97 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया।

नंबर 1 सबालेंका को हराकर अलेक्जेंड्रोवा ने किया उलटफेर

टोरंटो

कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला।

इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं।

कनाडा ओपन : 19वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना ने बनाई फाइनल में जगह

अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में जीता पहला सेट

दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी।

26वां झारखंड स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता धनबाद में 25 गोल्ड के साथ रांची ताईक्वांडो टीम को रनर ट्रॉफी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। रांची जिला ताईक्वांडो संघ की टीम के सचिव मिथलेश कुमार सिंह के अंडर मैं रांची से 120 ताईक्वांडो खिलाड़ियों ने 26ईं झारखंड स्टेट ताईक्वांडो चैंपियनशिप (सीनियर और कैडेट) मैं भाग लिया यह प्रतियोगिता कों धनबाद जिला मैं दिनाक 7-9 अगस्त तक झारखंड ताईक्वांडो संघ और धनबाद जिला ने आयोजन किया प्रतियोगिता कल रात तक चली जिसमें रांची टीम ने शानदार प्रदर्शन कर रनर ट्रॉफी पर कब्जा किया

इस ताइक्वांडो प्रतियोगिता में लगभग 900 प्रतिभागी, कोच, मैनेजर, रेफरी ने भाग लिया

शानदार प्रदर्शन करने वाले गोल्ड मेडलिस्ट

गोल्ड मेडलिस्ट

1. सखी बंगार
3.तन्वी वत्स
4.आनुष्का पाल
5. नंदिनी यदा
6.आराध्या कुमारी
7.हर्षिता गोस्वामी
8.सिद्धार्थ कुमार
9.लीचवी राज
10.अभय गोप
11.ओम प्रकाश
12.आरुष कुमार
13समर सॉरीआ
14.कबीर भगत
15अंकिता कुमारी
16.आकांशा तीरकी
17.आयुशि मानशी
18.जिया कुमारी
19.ऋषिका बारा
20.ऋषभ कुमार
21.श्रीनिका रती

पूमसे टीम से गोल्ड लाने वाले

Under 40 Recognized Individual Male
22 -Md Modassar
Under 50 Recognized Individual
23 -Md Jawed Ansari
18+ Mixed Poomsae Individual
24 -Imtiyaz Hussain
17+ Mixed Team
25 -Millennium
Snehal
Chandan Kumar
Ishan Singh
Aayush Raj
Malti Kumari
Puja Kumari

Silver medals

1.लाडली पाण्डेय
2.रिद्धिमा सिंह
3.ईशान सिंह
4.अंजली कुमारी
5.आराध्या
6.आशि भगत
7.आशीष राज सिंह
8.प्रगति रानी
9.अनुपमा
10.नाजीय प्रविन
11.निकिता सरियन
12.सभ्य विनायक
13.एमडी जूनाद
14.आराव सिंह
15.आदित्य प्रकाश
16.सौम्या गुरुंग
17 पल्लवी दीप रानी
18 प्रजना सिंह
19 आरोही कुमारी

Bronze medal

1.सिया शुक्ला
2.कुमार चिराग
3.अंश मिश्रा
4.संकेत खाडिय
5.जिया कुमारी
6.कल्पना महतो
7.पी विशाल

प्रतियोगिता में टीम मिथलेश कुमार सिंह के अंडर में कोच अनंत नाग चंदन, ताराकांत पटेल, चंदन कुमार, नेहा सिंह, संजय मुंडा, मिलेनियम स्नेहल के साथ गई थी। टीम को समापन समारोह मैं धनबाद के मेयर संजीव सिंह ने ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया।

इनके जीतने पर संघ के पदाधिकारी गण एवं अभिभावक लोगों ने इन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

लक्ष्मण ने किया चोटिल प्लेयर्स का बचाव कहा- क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं

बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का पुरजोर तरीके से बचाव करते हुए इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की चोट से उबरने की धीमी प्रक्रिया के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं हैं, जिनकी फिटनेस हर बार तय समयसीमा के भीतर लौट आए। लक्ष्मण ने यह भी स्पष्ट किया कि सीओई और टीम प्रबंधन के बीच बेहतरीन और निर्बाध समन्वय है। लक्ष्मण ने कहा कि कड़े फिटनेस मानकों और मानव शरीर की प्रकृति को देखते हुए किसी खिलाड़ी का एक निश्चित समयसीमा में पूरी तरह फिट हो जाना हमेशा संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, 'यह समझना बहुत जरूरी है कि दिशानिर्देश और समयसीमा हमारी अपेक्षाओं के आधार पर तय की जाती हैं।

सीओई फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं

फिलहाल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, हरफनमौला हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए सीओई में हैं। लक्ष्मण ने सीओई में कहा, 'सीओई सिर्फ चोट से उबरने और फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं है। क्रिकेटरों को उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए इसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी है। इसलिए हम चोटों के मामले में 'दोष' शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते। ऐसा करने पर किसी एक व्यक्ति को बलि का बकरा बनाया जाता है।

कांग्रेस ने ओम बिरला को चिट्ठी लिखकर स्टूडेंट्स 'बर्बरता' पर अमित शाह से बयान मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस सांसद और लोक लेखा समिति (PAC) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से कहा कि वे गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर जंतर-मंतर पर हाल के प्रदर्शन के दौरान युवाओं और स्टूडेंट्स के खिलाफ कथित पुलिस अत्याचार और पैलेट गन के इस्तेमाल पर एक विस्तृत बयान देने का निर्देश दें.लोकसभा अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में उन्होंने लिखा, मैं दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स और युवाओं के खिलाफ पुलिस की बेरहमी और बेवजह बल प्रयोग, जिसमें पैलेट गन से फायरिंग भी शामिल है, की बहुत दुखद खबरों की ओर आपका ध्यान खींचने के लिए लिख रहा हूं.वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने वाले युवा नागरिकों के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कठोर कार्रवाई गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है और इसकी तत्काल संसदीय जांच की मांग करती है.इस मामले पर गृह मंत्री के बयान की विपक्ष की मांग को दोहराते हुए उन्होंने कहा, क्योंकि दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के तहत काम करती है, इसलिए इन कामों की आखिरी जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह की है. संविधान के आर्टिकल 77 के तहत राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए भारत सरकार (बिजनेस का बंटवारा) नियमों के तहत, गृह मंत्री असल में अपने मंत्रालय के दायरे में आने वाले सभी मामलों के प्रभारी होते हैं, इसके अलावा, संविधान का अनुच्छेद 75(3) स्पष्ट रूप से अधिदेश देता है कि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होगी.वेणुगोपाल ने कहा, हमारे संसदीय लोकतंत्र का यह बुनियादी सिद्धांत यह पक्का करता है कि कार्यपालिका पूरी तरह से विधायिका के प्रति जवाबदेह रहती है.उन्होंने कहा कि यह गृह मंत्री की साफ संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह सदन के सामने पेश हों और अपने मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाली पुलिस फोर्स की कार्रवाई के लिए जवाब दें.इस सदन के अधिकारों और खास अधिकारों के अभिरक्षक के तौर पर, आपके पास यह पक्का करने की अंदरूनी ताकत है कि कार्यपालिका संसद के प्रति जवाबदेह बनी रहती है.आर्टिकल 77 के आदेश को आर्टिकल 75 के साथ मिलाकर, चेयर के पास गृह मंत्री को सदन में आने का निर्देश देने का अधिकार है.विपक्ष की ओर से उन्होंने अध्यक्ष से संविधान में निहित प्रावधानों के तहत अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करने और गृह मंत्री को तत्काल सदन में आने का निर्देश देने का आग्रह किया.उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को दिल्ली में युवाओं और छात्रों के खिलाफ पुलिस के अत्याचार और पैलेट गन के इस्तेमाल के बारे में सदन में एक पूरा बयान देने और सवालों के जवाब देने के लिए मजबूर होना चाहिए.

गुजरात : रेप के आरोपी ने किया कस्टडी से भागने का प्रयास, पुलिस ने मारी गोली

एजेंसी

अहमदाबाद: अहमदाबाद में एक पीजी में रहने वाली एक महिला के साथ कथित तौर पर रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए एक सिक्योरिटी गार्ड ने क्राइम सीन पर ले जाते समय पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश की. इस दौरान उसके पैर में गोली लग गई. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. इस घटना के दौरान एक पुलिस ऑफिसर भी घायल हो गया.पुलिस के मुताबिक, आरोपी धर्मसिंह रामशंकरसिंह ने कथित तौर पर 8 अगस्त को महिला के साथ रेप किया और भाग गया. उसे 9 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था. पुलिस ने कहा कि आरोपी उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का रहने वाला है और उसने चार दिन पहले ही सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर नौकरी शुरू की थी. उन्होंने कहा कि इस बात का फायदा उठाकर कि महिला बिल्डिंग की छत पर अकेली थी, जहां वह पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रही थी, आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया और भाग गया.पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर आरोपी को पकड़ा. कानूनी कार्रवाई के तहत, उसे पिछले रविवार रात क्राइम सीन पर ले जाया गया. रिकवरी ऑपरेशन के दौरान, आरोपी अचानक छूट गया, उसने अधिकारियों पर हमला किया और भागने की कोशिश की. हमले में एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया.दूसरे पुलिस ऑफिसर ने सेल्फ-डिफेंस में गोली चलाई, हॉस्पिटल लाए जाने पर, आरोपी गिड़गिड़ाता रहा, मुझे माफ कर दो,इस बारे में अहमदाबाद पुलिस के सेक्टर-1 के जेसीपी, नीरजकुमार बडगुजर ने कहा, आरोपी ने 8 अगस्त को रात 9 बजे से 10:30 बजे के बीच एक पीजी में रहने वाली महिला पर हमला किया. उसने तार से उसका गला घोंटने की कोशिश की, जिससे वह बेहोश हो गई. फिर उसने उसके साथ रेप किया और मौके से भाग गया. आरोपी, धर्मसिंह को रविवार सुबह हेबतपुर गांव से गिरफ्तार किया गया.

जंतर-मंतर पर छात्रों पर पुलिस एक्शन: सदन में जवाब देंगे अमित शाह, रिजिजू बोले- विपक्ष को सुननी होगी गृह मंत्री की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच सरकार ने बड़ा संकेत दिया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर सदन में विस्तार से जवाब देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अमित शाह किस दिन सदन में बयान देंगे। रिजिजू ने विपक्ष से अपील की कि जब गृह मंत्री जवाब दें तो सदन में हंगामा न किया जाए और उनका पूरा पक्ष सुना जाए। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के आंदोलन और उससे जुड़ी पुलिस कार्रवाई समेत सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है।

छात्र प्रदर्शन पर संसद में क्या बोले किरेन रिजिजू?

सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार छात्रों के आंदोलन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर पूरी और विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि गृह मंत्री जब जवाब दें तो उन्हें अपना पक्ष रखने दिया जाए और सदन में हंगामा न किया जाए।

अमित शाह कब देंगे जवाब?

रिजिजू ने यह तो स्पष्ट किया कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में जवाब देंगे, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वह लोकसभा में किस दिन बोलेंगे। विपक्ष की ओर से लगातार गृह मंत्री के बयान की मांग की जा रही है।

20 जुलाई को जंतर-मंतर पर क्या हुआ था?

20 जुलाई को पेपर लीक के मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शनकारियों के संसद की ओर बढ़ने की कोशिश के दौरान पुलिस के साथ टकराव की स्थिति बनी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया था। इस कार्रवाई को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है।

राहुल गांधी ने अमित शाह पर क्या आरोप लगाए?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक लेख के जरिए गृह मंत्री अमित शाह पर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर निष्क्रिय रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच और गृह मंत्री के बयान की जरूरत है। राहुल गांधी ने दिल्ली में पैलेट गन के इस्तेमाल और बिहार के सिवान में प्रदर्शनकारियों पर कथित गोलीबारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश किसने दिया।

मुख्य बिंदु

- अमित शाह संसद में छात्र प्रदर्शन के मुद्दे पर जवाब देंगे।
- दिल्ली में 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार बयान की मांग कर रहा है।
- रिजिजू ने कहा- गृह मंत्री का जवाब बिना हंगामे के सुनना होगा।
- शाह कब सदन में बोलेंगे, इसकी तारीख अभी स्पष्ट नहीं।
- राहुल गांधी ने पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह पर निशाना साधा है।
- मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ है और 13 अगस्त को समाप्त होना है।

संसद में क्यों बना हुआ है गतिरोध?

मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने के बाद से विपक्ष लगातार छात्र प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई है। सरकार का कहना है कि वह चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को सदन की कार्यवाही चलने देनी होगी। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ है और 13 अगस्त को इसका समापन प्रस्तावित है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि अमित शाह सदन में कब जवाब देते हैं और विपक्ष की ओर से उस दौरान क्या रुख अपनाया जाता है।

पुतिन ने जमीन के सीने पर दिखा दी अपनी ताकत, धड़धड़ाते हुए भारत में ट्रेन लेकर आने वाला है दोस्त रूस!

एजेंसी

वाशिंगटन: वाशिंगटन के पेंटागन में हड़कंप है जो ट्रंप की रातों की नींद उड़ा चुकी है और इस्लामिक नाटो के मुल्क भी सन्न रह गए हैं। क्योंकि पुतिन ने भारत के साथ मिलकर वो सुपर प्लान एक्टिवेट कर दिया है जिसे अमेरिका या चीन अपना सबसे बुरा सपना मानते थे। जब पश्चिमी देशों ने समंदर में घेराबंदी की, जब रूस के खिलाफ बिल पास किए गए तो पुतिन ने पन्नों पर नहीं बल्कि जमीन के सीने पर अपनी ताकत दिखा दी। पूरी दुनिया इस वक्त भारत और रूस की यारी से हैरान है और हैरानी भी क्यों ना हो भारत और रूस ने एक के बाद एक ऐसे कदम उठाए हैं जिसने दुनिया की महाशक्ति अमेरिका और भारत के पड़ोस में भारत को आंख दिखाने वाले चीन को हर बार चौकाया है और इसमें व्लादमीर पुतिन ने हमेशा भारत का साथ दिया है। अब वाशिंगटन के पेंटागन में हड़कंप है जो ट्रंप की रातों की नींद उड़ा चुकी है और इस्लामिक नाटो के मुल्क भी सन्न रह गए हैं। क्योंकि पुतिन ने भारत के साथ मिलकर वो सुपर प्लान एक्टिवेट कर दिया है जिसे अमेरिका या चीन अपना सबसे बुरा सपना मानते थे। जब पश्चिमी देशों ने समंदर में घेराबंदी की, जब रूस के खिलाफ बिल पास किए गए तो पुतिन ने पन्नों पर नहीं बल्कि जमीन के सीने पर अपनी ताकत दिखा दी। रूस से सीधे भारत तक एक ऐसी डायरेक्ट रेल लाइन का ऐलान जो अमेरिका के हर प्रतिबंध को कचरे के डिब्बे में डाल देगी। यह सिर्फ एक रेल मार्ग नहीं है। यह अमेरिका के ग्लोबल दबदबे की अर्थी है। दरअसल अमेरिका ने सोचा था कि वो होर्मुज को ब्लॉक कर देगा। ब्लैक सी में रूस को फंसा देगा और भारत की तेल सप्लाई काटकर दिल्ली को घुटने पर ले आएगा। लेकिन पुतिन ने कहा शतरंज के असली खिलाड़ी हम भी हैं और रूसी उप प्रधानमंत्री मरात खुसनो लीन का वो एक बयान कि भारत तक पहुंचने के लिए कोई भी रास्ता मंजूर है। वह पटरियों से सीधे हिंद महासागर के सीने पर उतरेगा और भारत को ताकत देगा। अब यहां सबसे बड़ा धमाका है इस्लामिक मुल्कों का एंगल।

दिल्ली हाईकोर्ट ने तब्बू के व्यक्तित्व अधिकारों के संरक्षण का आदेश दिया, डीपफेक, एआई से निर्मित

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म अभिनेत्री तब्बू के खिलाफ आपत्तिजनक आनलाइन कंटेंट हटाने का आदेश दिया है. जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने ये आदेश दिया. कोर्ट ने 6 अगस्त को ही ये संकेत किया था कि वो तब्बू के खिलाफ आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का आदेश देगा. हाईकोर्ट ने बिना अनुमति के तब्बू का नाम, फोटो, आवाज या व्यक्तित्व से जुड़े दूसरे कंटेंट को हटाने का आदेश दिया. हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स गूगल, एक्स और रेडइट को निर्देश दिया कि वो तब्बू को लेकर एआई, डीपफेक, फेस मॉर्फिंग के जरिये निर्मित आपत्तिजनक कंटेंट को हटाएं.हाईकोर्ट ने कुछ प्लेटफार्म को निर्देश दिया कि वो कुछ सर्विस प्रदाताओं के बेसिक सब्सक्राइबर इंफॉर्मेशन और आईपी लॉग की जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया. तब्बू ने अपने खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट और एआई निर्मित कंटेंट को हटाने की मांग की थी. याचिका में कहा गया था कि तब्बू के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक कंटेंट और एआई निर्मित कंटेंट बिना अनुमति के अपलोड किए गए हैं.बता दें कि इसके पहले हाईकोर्ट कई नामचीन हस्तियों के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा का आदेश दे चुकी है. हाईकोर्ट ने क्रिकेटर युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा फिल्म अभिनेता और सांसद रवि किशन, कांग्रेस नेता शशि थरूर, अभिनेता अर्जुन कपूर, तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन, कथावाचक अनिरुद्धाचार्य, मलयालम फिल्म अभिनेता मोहनलाल, भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर, पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण, फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, बाबा रामदेव, फिल्म अभिनेत्री काजोल फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय, आंध्रप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगन, अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया था.

एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 : विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, विदेशी फंड लेने पर पाबंदी नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र में प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर मीडिया और सिविल सोसाइटी में जारी चचाओं को लेकर भारत सरकार ने अपना रुख साफ किया है. यह चर्चा जोरों से चल रही है कि नये कानून के तहत विदेशी फंडिंग लेने वाले एनजीओ, धार्मिक संस्थानों और चैरिटेबल संगठनों पर बड़ी पाबंदियां लगाने की तैयारी है.एफसीआरए संशोधन विधेयक की भ्रांतियां दूर करने अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा सामने आये हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिथ बनाम रियलिटी को समझाने की कोशिश की है. उन्होंने कहा कि एफसीआरए संशोधन विधेयक का मकसद विदेशी फंड के प्रवाह में अधिक पारदर्शिता और बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना है. विनय मोहन क्वात्रा ने स्पष्ट किया है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम भारतीयों को विदेशी दान प्राप्त करने से नहीं रोकता है और न ही यह कानून का पालन करने वाले नागरिक समाज (सिविल सोसायटी) को बंद करता है. विनय मोहन क्वात्रा ने साफ कहा कि 2026 का बिल मौजूदा व्यवस्था में प्रशासनिक और नियामकीय खामियां दूर करने की कोशिश है.बिल को लेकर विपक्ष सहित कुछ धार्मिक संगठनों द्वारा चिंताये जाने के बीच विनय मोहन क्वात्रा ने भारत का रुख स्पष्ट किया है.विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि यह मिथ है कि नया कानून एनजीओ और सिविल सोसाइटी के लिए विदेशी फंड बंद कर देगा. सच तो यह है कि यह विदेशी फंड के प्रवाह को नियंत्रित करने, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ा हुआ कदम है.क्वात्रा ने कह, भारत में एफसीआरए की शुरूआत 1976 में की गयी थी और 2010,2016, 2018 और 2020 में इसमें बदलाव किये गये थे.

सुप्रीम कोर्ट ने आंखों के इलाज के लिए अभिषेक बनर्जी की विदेश यात्रा को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि हर व्यक्ति को विदेश यात्रा करने और मेडिकल केयर चुनने का अधिकार है, क्योंकि इसने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए तीन हफ़्ते के लिए विदेश जाने की इजाजत दे दी.इस मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने की. सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने पीठ के सामने बनर्जी की तरफ से केस लड़ा. पीठ डायमंड हार्बर के सांसद की उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत नहीं दी गई थी.शुरूआत में, पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि उनके क्लाइंट मना नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे सर्टिफिकेट की असलियत देखना चाहते हैं और यह भी कि क्या उन्हें सच में किसी परामर्श की जरूरत है.राजू ने जोर देकर कहा कि उसके खिलाफ 16 केस हैं और यह डर है कि वह वापस नहीं आएगा, लेकिन अगर उसकी मेडिकल कंडीशन ऐसी है तो हमें कोई एतराज नहीं होगा.

जस्टिस बागची ने कहा, मुझे लगता है कि राज्य पर इससे कहीं ज्यादा गंभीर जांच का बोझ है...राजू ने जवाब दिया कि यह भी एक गंभीर जांच है और इसमें बहुत सारे स्कैम हैं. पीठ ने कहा कि आप तब पेश हुए जब इस व्यक्ति पर इससे भी गंभीर आरोप लगे हैं और फिर भी आपने उसके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया.जस्टिस बागची ने कहा, प्लीज ऐसी स्थिति न बनाएं.. हर व्यक्ति को विदेश जाने का अधिकार है. हर व्यक्ति को मेडिकल सहायता चुनने का अधिकार है. पीठ ने कहा कि वह जांच में शामिल होंगे और इससे कोई रुकावट नहीं आएगी. पीठ ने पूछा, इस मामले में क्या गड़बड़ी हुई है? आपके मामले में एफआईआर क्या है? राजू ने दोहराया कि उनके खिलाफ 15 और मामले हैं.शंकरनारायणन ने कहा कि उनके क्लाइंट एक सांसद और एक राष्ट्रीय पार्टी के जनरल सेक्रेटरी हैं. जस्टिस बागची ने कहा कि 15 दूसरे मामलों में उनकी यात्रा पर ऐसी कोई रोक नहीं है. शंकरनारायणन ने कहा कि इनमें से हर एक एफआईआर 5 मई के बाद फाइल की गई, जब चुनाव घोषित हुए, और 5 मई से पहले कोई एफआईआर नहीं हुई, और कहा कि 16 एफआईआर 5 मई के बाद रजिस्टर की गईं.

राजू ने कहा कि 5 मई से पहले किसी ने रजिस्टर करने की हिम्मत नहीं की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें इलाज की जरूरत है या नहीं.पीठ ने बताया कि वह पहले भी यात्रा कर चुके हैं. राजू ने कहा कि तब केस पेंडिंग नहीं थे और आज उनके वापस न आने की संभावना ज्यादा है. शंकरनारायणन ने कहा कि उनकी पत्नी और दो बच्चे कोलकाता में हैं और वह एक राष्ट्रीय पार्टी के महासचिव हैं.दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने कहा कि आवेदक को सितंबर में अपनी आंख के मेडिकल इलाज के लिए तीन हफ़्ते के लिए विदेश जाने की इजाजत है, और आवेदक अपने राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा करेगा. पीठ को बताया गया कि उनके पास राजनयिक पासपोर्ट के अलावा कोई दूसरा पासपोर्ट नहीं है.

संक्षिप्त खबर

बागेश्वर से शुरू हुई थी लव स्टोसी, अब सरयू में विसर्जित हुई रॉबर्ट की अस्थियां, पति की अंतिम इच्छा पूरी करने जापान से आई मियाको

बागेश्वर: देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति विदेशियों को भी अपनी ओर खींचती है. ऐसा ही एक मामला सामने आया है, उत्तराखंड के बागेश्वर जिले से. दरअसल, जापान की एक महिला अपने पति की अस्थियां लेकर बागेश्वर पहुंची. ताकि उनकी अस्थियां बागेश्वर की पवित्र सरयू नदी में प्रवाहित की जा सकें. महिला के पति की ये अंतिम इच्छा थी कि उनकी अस्थियां बागेश्वर की पवित्र सरयू नदी में प्रवाहित की जाएं, जिसे पूरा करने उनकी पत्नी बागेश्वर पहुंचीं.जापान में रहने वाली मियाको केटलेट के पति रॉबर्ट केटलेट अमेरिका में अंग्रेजी के प्रोफेसर थे. उनका बागेश्वर से गहरा लगाव था. मरने से पहले रॉबर्ट केटलेट ने पत्नी को अपनी आखिरी इच्छा बताई थी. रॉबर्ट केटलेट की आखिरी इच्छा यही थी कि उनकी अस्थियों को बागेश्वर की पवित्र सरयू नदी में प्रवाहित की जाए.पति के निधन के बाद मियाको ने इस अंतिम इच्छा को पूरा करने का संकल्प लिया और जापान से बागेश्वर पहुंचीं, जहां उन्होंने विधि-विधान से अस्थियां सरयू में प्रवाहित कीं. इस अवसर पर करीब पौने घंटे तक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की गई. दरअसल, साल 2005 में अमेरिका के रहने वाले रोबर्ट केटलेट उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में घूमने आए थे. रोबर्ट केटलेट अमेरिका में अंग्रेजी के प्रोफेसर थे. साल 2005 में एक योग साधना शिविर के दौरान उनकी मुलाकात जापान की मियाको केटलेट नाम की महिला से हुई. दोनों के बीच का परिचय धीरे-धीरे गहरे रिश्ते में बदल गया. उस समय मियाको जापान में अंग्रेजी की प्रोफेसर थीं. उन्होंने रॉबर्ट को जापान आने और वहां अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में काम करने के लिए आमंत्रित किया. मियाको के आग्रह पर रॉबर्ट वर्ष 2007 में अमेरिका से जापान आ गए और वहीं बस गए. बागेश्वर ने रॉबर्ट को गहराई से प्रभावित किया. यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और आध्यात्मिकता ने उन्हें इतना आकर्षित किया कि बागेश्वर उनके दिल में बस गया. साल 2007 में जब वह मियाको के साथ दोबारा बागेश्वर आए, तो उन्होंने मियाको को भी बागेश्वर शहर की खूबसूरती से परिचित कराया. दोनों ने यहां कुछ समय बिताया और रॉबर्ट का बागेश्वर के प्रति लगाव और गहरा होता चला गया. साल 2009 में रॉबर्ट और मियाको ने विवाह कर लिया और जापान में एक साथ रहने लगे.वर्ष 2022 में रॉबर्ट को ब्रेन हेमरेज हुआ. लंबे उपचार के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका. रॉबर्ट के निधन से मियाको को गहरा धक्का लगा था, वो इस दुःख से उभर नहीं पा रही थी. मियाको मानसिक पीड़ा और बीमारी से जूझती रहीं, लेकिन रॉबर्ट की अंतिम इच्छा उनके मन में जीवित रही. उन्होंने ठान लिया कि चाहे कितनी भी दूरी क्यों न हो, वह अपने पति की इच्छा पूरी करने बागेश्वर जरूर आएंगी.मियाको अपने पति की अस्थियां लेकर बागेश्वर पहुंचीं और एक पुजारी के साथ मंदिर के पास विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. मंत्रोच्चारण के बीच रॉबर्ट की अस्थियां सरयू की पवित्र धारा में प्रवाहित की गईं. इस दौरान उनके परिवार के लोग भी मौजूद रहे. जब सरयू की लहरों में रॉबर्ट की अस्थियां विलीन हुईं, तो मियाको के लिए यह पल अत्यंत भावुक था.मियाको का घरेलू नाम ताओमी है. अमेरिका से जापान और फिर बागेश्वर तक की यह यात्रा केवल भौतिक दूरी तय करने की कहानी नहीं है, बल्कि पति-पत्नी के रिश्ते की एक गहरी कहानी है, जिसमें जीवनसाथी के जाने के बाद भी उसका आखिरी वचन दिल में जीवित रहा. सरयू की पवित्र धारा में रॉबर्ट की अस्थियां भले ही विलीन हो गईं, लेकिन बागेश्वर से उनका जुड़ाव और मियाको का यह भावुक सफर लंबे समय तक याद किया जाएगा.

पाकिस्तान की मस्जिद में मारा गया भारत का सबसे बड़ा दुश्मन, मचा हड़कंप!

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन लश्कर तैबा के एक सीनियर कमांडर की पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। कमांडर कारी सैद अब्दुल अजीज नमाज पढ़ने के लिए कुबा मस्जिद पहुंचा था। जहां वो गेट पर अचानक गिर पड़ा। अब्दुल ने नमाज पढ़ने से पहले वजू किया। वजू करने के बाद जैसे ही आतंकी अब्दुल अपना बैग वापस लेकर सीनिया चढ़कर मस्जिद के मुख हॉल में नमाज पढ़ने के लिए जाता है। कहते हैं कि जो लोग दूसरों के लिए बारूद बिछाते हैं वो एक दिन उसी बारूद में जलकर राख हो जाते हैं। वैसा ही कुछ अब आतंकी मुल्क पाकिस्तान में भी देखने को मिल रहा है। 72 हूरों का सपना पालकर जो पाकिस्तान के जिहादी आए दिन भारत में खूनखराबा करते रहते थे। लेकिन अब यही आतंकी लगातार जहन्नुम पहुंचाए जा रहे हैं। जिस जमीन को आतंकी अपने लिए सबसे महफूज जन्नत समझते थे, अब यही जमीन उनके लिए कब्रगाह और जहन्नुम बन चुकी है। पाकिस्तान के भीतर अचानक से कुछ ऐसे बाहुबली एक्टिव हुए हैं जो चुन-चनकर पाकिस्तान के पाले हुए इन जहरीले सांपों को उसके घर में ही कुचल रहे हैं। पिछले कुछ महीनों के भीतर पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों में कई ऐसे खूंखार आतंकी मारे गए हैं जो भारत के सबसे बड़े दुश्मन बने हुए थे। सबसे खास बात तो ये है कि जिस परिस्थिति में आतंकी मारे जा रहे हैं उसकी तह तक पाकिस्तान की खुफि या एजेंसी भी नहीं पहुंच पा रही। वजू करने के बाद जैसे ही आतंकी अब्दुल अपना बैग वापस लेकर सीनिया चढ़कर मस्जिद के मुख हॉल में नमाज पढ़ने के लिए जाता है। वो वैसे ही चप्पल उतारने के लिए बैठता है और जमीन पर गिर जाता है। पास में मौजूद लश्कर तैबा के कैडर के अन्य लोग उसे उठाकर इसी जगह पर ले जाते हैं। जहां उसे सांस ना चलने पर सीपीआर दिया जाता है। लेकिन इसके बावजूद अब्दुल अजीज होश में नहीं आता। फिर उसे अस्पताल ले जाया जाता है। जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया जाता है। कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि मस्जिद जाने से पहले उसने एक अनजान रेस्टोरेंट में खाना खाया था। अचानक हुई आतंकी की मौत पर पाकिस्तान के भीतर भारत पर शक जताया जा रहा है। हालांकि भारत पहले ही साफ कर चुका है कि इस तरह की घटनाओं में उसका कोई भी हाथ नहीं है। दरअसल कारी सईद लश्कर तैबा का एक प्रमुख कमांडर था। उसके पास जम्मू कश्मीर में मुडबैर में मारे गए आतंकवादियों के परिवारों की मदद करने वाले विभाग की जिम्मेदारी थी। यह भारत में मारे गए आतंकियों के परिजनों को हर महीने पेंशन देता था। अब्दुल अजीज साल 1990 से आतंकी हाफिज सईद के साथ जुड़ा हुआ था और उसका खास कमांडर था। उसके अचानक हुई मौत से हाफिज सईद को बहुत बड़ा झटका लगा है।

धर्मेंद्र को दिया जाएगा 'प्यार ही प्यार बेशुमार' के तहत म्यूजिकल ट्रिब्यूट

मुंबई। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को मुंबई में 21 अगस्त के दिन एक शानदार म्यूजिकल ट्रिब्यूट 'प्यार ही प्यार बेशुमार' दिया जाएगा। यह कार्यक्रम मुंबई के बांद्रा वेस्ट में मौजूद सेंट एंड्रयूज ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसमें अभिनेता की यादगार फिल्मी विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इसे बिगटाइम एंटरटेनमेंट के संस्थापक पंकज रैना ने तैयार और आयोजित किया है, जो खुद एक प्रोड्यूसर और अभिनेता भी हैं। 'प्यार ही प्यार बेशुमार' टाइटल उस अपार स्नेह को बखूबी दर्शाता है, जो दर्शकों की कई पीढ़ियों ने धर्मेंद्र पर बरसाया है। इस म्यूजिकल शाम में धर्मेंद्र के शानदार सफर से जुड़े कुछ यादगार म्यूजिकल पलों को फिर से जिया जाएगा।

लाइफ Style

श्वेता

साइकोलॉजिकल थ्रिलर असुर 3 में हुई एंट्री

'असुर' गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई एक बहुत ही सफल और दिलचस्प साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। दो सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद मेकर्स अब तीसरे सीजन को लाने की तैयारी में है और इसी को लेकर अब अपडेट सामने आ गई है।

धनंजय राजपूत और निखिल नायर के निभाए किरदार इस फ्रैंचाइजी का अहम हिस्सा बन चुके हैं और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि फैन्स के लिए आगे क्या है। कास्ट में और रोमांच जोड़ने के लिए, एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद तीसरे सीजन में शामिल होने जा रही हैं। हालांकि उनके किरदार के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि उनके आने से इस थ्रिलर में एक नया मोड़ आएगा। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'असुर' के मोस्ट अवेटेड तीसरे सीजन की शूटिंग सितंबर में शुरू होने वाली है और मेकर्स कहानी को एक नए चैप्टर के साथ आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। जाहिर है कि वेब सीरीज के तीसरे भाग में भी अरशद वारसी और बरुन सोबती ही मुख्य भूमिकाओं में होंगे, जो पहले सीजन से ही इस शो का अहम हिस्सा रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि कैमरे के पीछे एक और बड़ा बदलाव यह है कि लेखक और क्रिएटर गौरव शुक्ला, जो 'असुर' से गहराई से जुड़े रहे हैं, सीजन 3 के साथ डायरेक्टर के तौर पर अपनी शुरुआत करेंगे। पिछले दो सीजन का निर्देशन ओनी सेन ने किया था, जबकि शुक्ला लेखक और क्रिएटर थे। गौरव शुक्ला इस बार प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाएंगे।

हॉलीवुड मसाला

इंसिडियस की छठी किस्त की रिलीज 21 को

नई दिल्ली। हॉलीवुड की फेमस हॉरर फ्रैंचाइजी 'इंसिडियस' की छठी किस्त अब सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। सोनी पिक्चर्स ने 5 अगस्त को फिल्म 'इंसिडियस: आउट ऑफ द फर्दर' का आखिरी ट्रेलर भी रिलीज कर दिया। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे शैतान अंधेरी दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में कदम रख रहे हैं. फिल्म 21 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। ट्रेलर की शुरुआत डरावने माहौल के साथ होती है। अंधेरे कमरों, रहस्यमय आवाजों और भयभीत चेहरों के बीच लाल रंग के शब्दों में संदेश उभरता है।

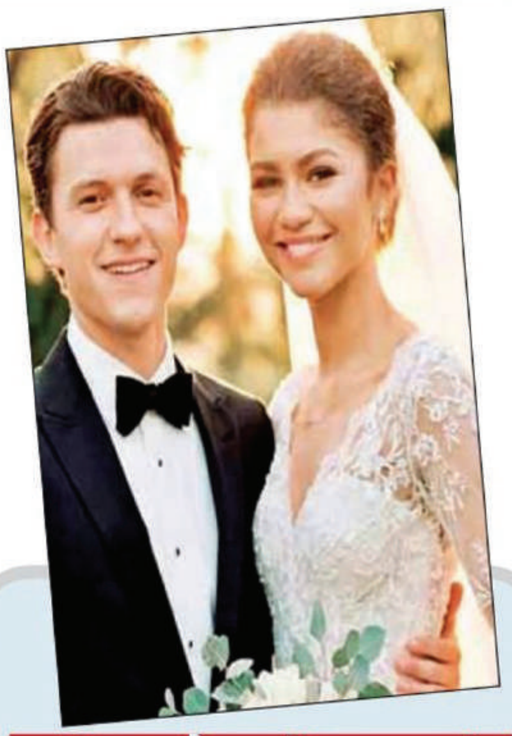

टॉम और जेंडाया ने रचाई सीक्रेट शादी

लॉस एंजिल्स। टॉम हॉलैंड और जेंडाया इन दिनों फिल्म 'स्पाइडर-मैन-ब्रांड न्यू डे' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों ने इस साल की शुरुआत में शादी रचाई थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस कपल ने एक बार फिर शादी की है, जिसमें कई सेलेब्स भी शामिल हुए।टॉम हॉलैंड और जेंडाया को लेकर खबर है कि इस कपल ने एक बार फिर शादी की है। एक बेहद सीक्रेट आयोजन में दोनों ने शादी की रस्में पूरी की हैं। शादी का इंतजाम काफी भव्य रखा गया, जिसमें छह करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम खर्च की गई। इसके अलावा इनके फंक्शन में कई नामी सितारों ने भी शिरकत की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टॉम हॉलैंड और जेंडाया ने इस हफ्ते की शुरुआत में इंग्लैंड के ग्रामीण इलाके में एक बेहद सीक्रेट और शानदार सेरेमनी में दोबारा शादी की है।

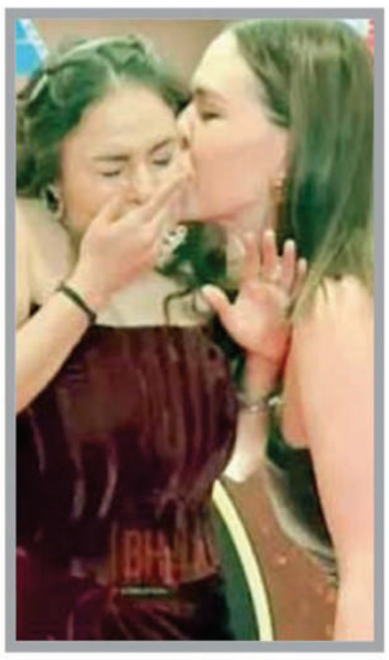

रेड कार्पेट पर फैन ने किया जबरन किस

मुंबई। शनिवार को निकिता रावल एक इवेंट के रेड कार्पेट पर पोज दे रही थीं। तभी एक फैन उनके पास आई और उनसे सेल्फी की रिक्वेस्ट की। एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए फोटो के लिए हामी भर दी। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले फैन ने निकिता के गाल पर किस किया। इसके बाद उसने अचानक उन्हें अपनी तरफ खींचा और उनके होंठों पर किस कर दिया। यह देखकर निकिता एकदम चौंक गईं और खुद को पीछे हटाने की कोशिश करने लगीं। इतना ही नहीं, फैन बार-बार उन्हें पकड़कर किस करने की कोशिश करती रही। निकिता साफ तौर पर असहज नजर आईं और इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती दिखीं। आखिर में फैन ने उनके गाल पर एक और किस किया और वहां से चली गई।

सोनू ने सर्जरी करवाते हुए गाया गाना

मुंबई। सिंगर सोनू निगम ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है। वो ऑपरेशन थिएटर में लेटे हुए गाना गा रहे हैं और अपनी सर्जरी करा रहे हैं। सोनू निगम की सर्जरी कर रहे डॉक्टर्स भी उन्हें देखकर हैरान रह गए हैं। रविवार को सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह ऑपरेशन टेबल पर लेटे हुए थे। सिंगर को 1949 की फिल्म 'दुलारी' का मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'सुहानी रात ढल चुकी' गाते हुए देखा गया। सोनू ने बताया कि उन्होंने यह गाना अपने डॉक्टर और मेडिकल टीम के लिए गाया था। सिंगर श्रेया घोषाल ने सोनू के जल्द ठीक होने की कामना करते हुए लिखा, 'प्लीज सोनू जी, जल्द ठीक हो जाइए! आप जल्दी ठीक हों। ऐसी हालत में भी म्यूजिक के प्रति आपका समर्पण और परफेक्शन वाकई प्रेरणादायक है!'

टीवी मसाला

26 साल बाद भी हर एपिसोड की पूरी तैयारी करते हैं अमिताभ

नई दिल्ली। शो में ऑडियंस को सिर्फ अमिताभ बच्चन का सवाल पूछने का अंदाज दिखाई देता है। लेकिन, कैमरे के पीछे वह हर एपिसोड की कितनी तैयारी करते हैं, शायद ही लोग जानते हों। केबीसी के डायरेक्टर अरुण शेषकुमार बताते हैं कि 26 साल बाद भी अमिताभ बच्चन का काम करने का तरीका नहीं बदला। वह सिर्फ शो होस्ट नहीं करते, बल्कि हर कंटेस्टेंट की कहानी को जीते हैं।

अनिल लेकर आए नया गेम शो जल्द शुरू होगा इंडिया के टॉप 1%

नई दिल्ली। अभिनेता अनिल कपूर जल्द ही एक रियलिटी शो होस्ट करते नजर आएंगे। इस शो का नाम है 'इंडिया के टॉप 1%'। जल्द रिलीज होने जा रहा इस शो में किताबी ज्ञान की जगह प्रतिभागियों का लॉजिक टेस्ट किया जाएगा। गेम शो 'इंडिया के टॉप 1%' लॉन्च करते हुए अनिल कपूर ने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 'इंडिया के टॉप 1%' का प्रीमियर 5 सितंबर को होगा। मजेदार बात यह है कि इस शो को दर्शक घर बैठे-बैठे भी खेल सकते हैं। इस गेम शो से लोगों को परिवार के साथ वक्त बिताने का भी मौका मिलेगा।' गेम शो पर बात करते हुए अनिल कपूर ने बताया, 'यह एक ऐसा शो है जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। यह आपको चौंका देगा और सतर्क भी करेगा। यहां सिर्फ आपका ज्ञान काम नहीं आएगा, यह आपके सोचने के तरीका भी परखेगा। यहां हर चुनौती आपकी तर्कशक्ति, सूझबूझ और दबाव में शांत रहने की क्षमता की परीक्षा लेती है।'

दुनियाभर में हासिल की सफलता

बता दें इस शो का मूल 'द 1% क्लब' से आया है। इस शो ने दुनियाभर में सफलता हासिल की है। नीदरलैंड, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल, तुर्की, यूक्रेन, मैक्सिको और यूएसए जैसे देशों में दर्शकों ने इस गेम को काफी पसंद किया। अब भारत में यह शो 'इंडिया के टॉप 1%' के नाम से प्रसारित किया जाएगा। शो 5 सितंबर से स्टारप्लस पर प्रसारित होगा और साथ ही जियो हॉट स्टार पर भी इसे स्ट्रीम किया जाएगा।

14 अगस्त को थिएटर में होने वाला है धमाका एक साथ रिलीज हो रहीं ये चार फिल्में

नई दिल्ली। 15 अगस्त के मौके पर रिलीज हुई फिल्मों को अक्सर लॉन्ग वीकेंड और फेस्टिव हॉलिडे का फायदा होता है। ऐसे में आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कुछ शानदार फिल्में दस्तक देने वाली हैं। सरकारी छुट्टी और फिर इन फिल्मों का धमाका मेकर्स को अच्छी ओपनिंग दे सकता है। पिछले कुछ सालों में 15 अगस्त के मौके पर रिलीज हुई फिल्मों को जबरदस्त फायदा हुआ है। ऐसे में आने वाले हफ्ते में रिलीज होने वाली ये चार फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर सकती हैं। 14 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट ये रही।

बंटवारा 1947

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म बंटवारा 1947 इस हफ्ते की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। फिल्म में सनी देओल लीड हीरो है। कहानी एक ऐसे मुसलमान की है जिसे बंटवारे के बाद भारत से पाकिस्तान जाना पड़ता है। इस फिल्म में शबाना आजमी एक हिंदू पाकिस्तानी महिला के किरदार में हैं। प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल जैसे एक्टर्स ने फिल्म में अहम किरदार निभाए हैं। ये फिल्म आने वाले शुक्रवार यानी 14 अगस्त को थिएटर में दस्तक देगी।

आवारापन 2

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 सनी देओल को टक्कर देने आ रही है। इमरान हाशमी एक बार फिर अपने पुराने वाले अवतार में हैं और उन्हें इस अंदाज में वापस देखना उनके फैंस को पसंद आ रहा है। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट

14 अगस्त को एक अमेरिकन साइंस फिक्शन फिल्म द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट भी रिलीज ही रही है। फिल्म में ऐनी हाथवे, एवान म्क्ग्रेगोर, मैसी स्टेला और क्रिस्चियन कांवेरी शामिल है। इस मजेदार फिल्म को थिएटर पर देखने का इंतजार हो रहा है।

विश्वनाथ एंड संस

14 अगस्त को तमिल-तेलुगू ड्रामा फिल्म विश्वनाथ एंड संस रिलीज हो रही है। फिल्म की कहानी 40 साल के ओलिंपिक लेवल शूटर की जिंदगी के बारे में है। एक इमोशनल जर्नी, रिश्तों में फंसे किरदार के इर्दगिर्द रची गई है। फिल्म में सूर्या ने लीड रोल निभाया है।

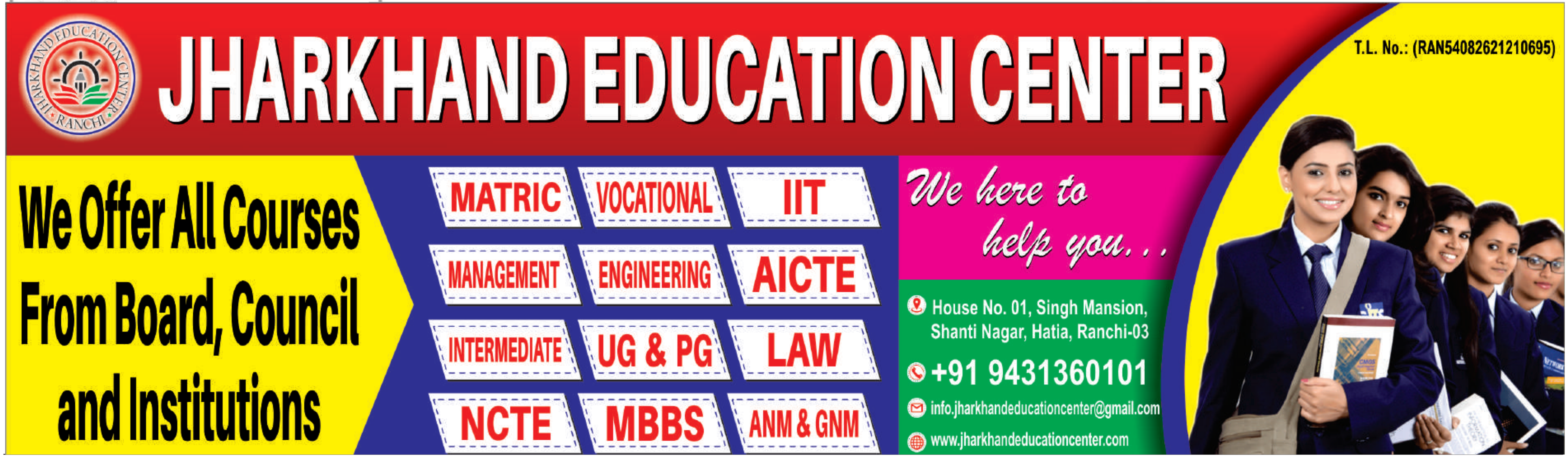

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.